THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-28 अंक : 171 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद कृ.8 2080 गुरुवार, 7 सितंबर-2023**

'इंडिया बनाम भारत पर बोलने से बचें'

पीएम मोदी की मंत्रियों को सलाह

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने मंत्रियों को दो बड़े संदेश दिए। पीएम मोदी ने एनडीए के मंत्रियों से कहा कि सनातन धर्म पर उदयनिधि के बयान का सही से (तथ्यों के साथ) जवाब दिया जाए।

इसी के साथ पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि वे इंडिया बनाम भारत के विवाद में बयानबाजी न करें। मतलब जिन्हें अधिकृत किया जाए केवल वही बोलें। इसी के साथ जी-20 की बैठक को लेकर पीएम मोदी ने सभी मंत्रियों को दिल्ली में मौजूद रहने को कहा है। यही नहीं उन्होंने मंत्रियों से कहा है कि जिनकी ड्यूटी विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, डेलीगेट के साथ लगी है वो उस देश की संस्कृति, रहन सहन, खान-पान की बुनियादी जानकारी पहले से कर लें। पीएम मोदी की इन टिप्पणियों से साफ हो गया कि सनातन धर्म पर उदयनिधि के बयान को बीजेपी बड़ा मुद्दा बनाने के मूड में है. बता दें कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन की तुलना डेंगू से कर दी थी। >14

सोनिया की पीएम को चिट्ठी

महंगाई, चीन बॉर्डर विवाद समेत 9 मुद्दों पर चर्चा की मांग-विपक्ष की 24 पार्टियां शामिल होंगी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। 18 सितंबर को शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र से 12 दिन पहले सोनिया गांधी ने पीएम को एक चिट्ठी लिखी। जिसमें सोनिया ने 9 मुद्दे उठाए। कांग्रेस चाहती है सरकार महंगाई, भारत-चीन बॉर्डर विवाद और मणिपुर जैसे गंभीर मामलों पर चर्चा करे। सोनिया गांधी ने 24 पार्टियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह लेटर भेजा है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पिछले हफ्ते 18 से 22 सितंबर तक संसद के पांच दिन के विशेष सत्र के बारे में जानकारी दी थी। उधर इंडिया में शामिल लोकसभा और राज्यसभा सांसदों ने मंगलवार शाम मल्लिकार्जुन खड़गे के घर मीटिंग की। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि अलायंस में शामिल 28 पार्टियों में से 24 पार्टियां 18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के स्पेशल सेशन में शामिल होंगी। >14

कपड़ा व्यापारी ने सगाई के आठ दिन बाद की आत्महत्या, इकलौते बेटे ने पिता के हाथ में तोड़ा दम

इंदौर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक कपड़ा व्यापारी ने सगाई के आठ दिन के बाद ही जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। परिजन का कहना है कि वह किसी भी तरह के तनाव में नहीं था। शादी के लिए लड़की भी उसी ने पसंद की थी और दीपावली के बाद शादी करने की बात फाइनल हो चुकी थी। मामला इंदौर के द्वारकापुरी इलाके का है। यहां कुंदन नगर में रहने वाले संदीप (24) पुत्र सुभाष गोयल ने अपने घर में रात जहर खा लिया। देर रात पिता उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे। यहां बुधवार सुबह साढ़े चार बजे उसने दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि आठ दिन पहले ही खरगोन के पास एक गांव में संदीप की सगाई हुई थी।

रिटायर होने के बाद जजों को 2 साल तक राजनीतिक पद नहीं देने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई

कहा- कानून बनाना सरकार का काम

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों को रिटायर होने के बाद 2 साल तक राजनीतिक पद लेने से रोकने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि यह विषय सेवानिवृत्त जजों के विवेक पर छोड़ देना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इस तरह का आदेश नहीं दे सकता। कानून बनाना सरकार का काम है। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन नाम की संस्था की याचिका में कहा गया था कि न्यापालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक व्यवस्था में लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है। याचिका में मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश के राज्यपाल जस्टिस एस अब्दुल नजीर का उदाहरण दिया गया था। जस्टिस नजीर अयोध्या मामले पर फैसला देने वाली बेंच के सदस्य थे। इस पर मामले की सुनवाई कर रही बेंच के अध्यक्ष जस्टिस संजय किशन कौल ने

कहा, 'ऐसा लगता है कि आपको एक जज पर विशेष आपत्ति है।' याचिकाकर्ता के लिए पेश वकील अहमद आब्दी ने कहा कि वह न्यायपालिका के हित में अपनी बात रख रहे हैं।

याचिका में क्या कहा गया

वकील ने कहा, 'इस तरह के राजनीतिक पदों का ऑफर देना हमारा मुद्दा है। कई संवेदनशील मामले कोर्ट के पास आते हैं। ऐसे संवेदनशील मामलों को देखते हुए अगर सरकार की ओर से दिए गए ऑफर जज रिटायरमेंट के बाद स्वीकर कर लेते हैं, तो इसका लोगों पर क्या असर पड़ेगा। मेरा ये सवाल है। यह सवाल हमारी अंतरात्मा में चुभता है क्योंकि हम हर दिन इसका सामना कर रहे हैं। यह पीआईएल फाइल करते हुए हम बहुत मजबूर महसूस कर रहे हैं क्योंकि हम भी इसका हिस्सा हैं। रिटायरमेंट के बाद थोड़ा समय दिया जाना चाहिए, जिसकी कई चीफ जस्टिस और लॉ कमीशन की तरफ से भी सिफारिश की गई है।'

कोर्ट ने कहा, आपको एक विशेष जज की नियुक्ति पर आपत्ति

वकील की दलील पर बेंच ने कहा कि बहुत सारे ट्रिब्यूनल ऐसे हैं, जहां कानूनन पूर्व जज ही नियुक्त हो सकते हैं। जहां तक चुनाव लड़ने या कोई राजनीतिक पद लेने का सवाल है, इस पर सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश नहीं देगा। यह मामला संबंधित जज के विवेक पर ही छोड़ देना चाहिए। पिछले कुछ सालों में सुप्रीम कोर्ट के 2 जज रिटायर होने के कुछ महीने बाद राज्यपाल बने हैं, जबकि एक पूर्व चीफ जस्टिस इस समय राज्यसभा के सदस्य हैं। कोर्ट ने कहा कि इस पर सरकार को फैसला लेने देते हैं। कोर्ट ने कहा कि आप एक विशेष व्यक्ति को राज्यपाल नहीं बनाना चाहते हैं इसलिए आपने यह याचिका दाखिल की।

पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी बोले

कांग्रेस मुख्यालय में सुंदरकांड का आयोजन ठीक नहीं

भोपाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व राज्यपाल और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजीज कुरैशी ने विधानसभा चुनाव-2023 में टिकट वितरण में कांग्रेस की चयन प्रक्रिया और कांग्रेस मुख्यालय में सुंदरकांड के आयोजन को लेकर फिर सवाल उठाए। भोपाल में पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने कांग्रेसी नेताओं के कथा कराने और सुंदरकांड कराने पर कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर कथा कराने में आपत्ति नहीं है। पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में इस तरह के आयोजन ठीक नहीं है। अजीज कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं दिया है। ना ही उनकी कोई सुन रहा है। कांग्रेस का मुस्लिम वर्ग निराश है। कुरैशी ने मांग की कि विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वर्ग से कम से कम 15 टिकट दिए जाने चाहिए। साथ ही 15 मुस्लिम वर्ग के वरिष्ठ नेताओं को जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया जाएगा। 10 लोगों को जिला कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाए। कुरैशी ने कहा कि पार्टी को पूंजीवादी कब्जे से निकालना है। इसे गरीब की पार्टी बनाना है। उन्होंने कहा कि किसान, गरीब, महनतकश सरकार बनाएंगे।

एसपीजी डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का निधन

मेदांता अस्पताल में ली आखिरी सांस, लिवर में दिक्कत के चलते कराए गए थे भर्ती

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का निधन हो गया। उन्होंने आज बुधवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। अरुण कुमार सिन्हा 1988 के केरल कैडर के आईपीएस अधिकारी थे। हाल ही में उन्हें एक साल का एक्सटेंशन दिया गया था। अरुण कुमार सिन्हा 2016 से एसपीजी डायरेक्टर के पद पर तैनात थे। लिवर में दिक्कत होने के चलते उन्हें चार सितंबर को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अरुण कुमार सिन्हा ने अपनी पढ़ाई झारखंड से की थी। वे केरल पुलिस में कई अहम पदों पर रहे। उन्होंने डीसीपी, कमिश्नर, रेंज आईजी, इंटेलिजेंस आईजी और एडमिनिस्ट्रेशन आईजी जैसे पद संभाले। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव के राष्ट्रपति अब्दुल गयूम की हत्या का मामला सुलझाने के लिए भी उन्हें जाना जाता है। उन्होंने हत्यारोपी को दिल्ली से पकड़ा था। उस वक्त सिन्हा केरल में ही तैनात थे। अरुण कुमार सिन्हा केरल के डीसीपी कमिश्नर, इंटेलिजेंस आईजी और तिरुवनंतपुरम में प्रशासन आईजी के पद पर थे।

अरुण कुमार सिन्हा के निधन पर आईपीएस एसोसिएशन ने दुख जताया है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दुख जताते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया था। वह बेहद प्रतिभावान अधिकारी थे। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1988 में संसद में एसपीजी एक्ट पारित किया गया था और फिर एसपीजी का गठन हुआ। उस समय भी मौजूदा प्रधानमंत्री को ही सुरक्षा देने का प्रावधान था।

चेन्नई एयरपोर्ट पर चैकिंग के लिए बैग खोला तो निकले 12 जिंदा अजगर, मचा हड़कंप

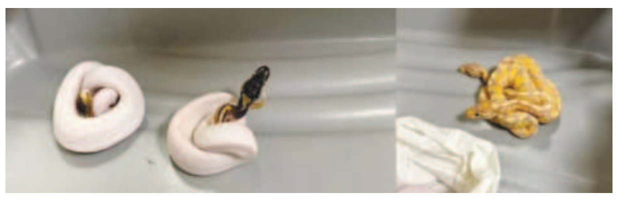

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक यात्री अजगरों से भरे बैग के साथ पकड़ा गया। चेन्नई एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक व्यक्ति को 12 अजगरों की तस्करी करने के प्रयास में गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को आरोपी बैंकॉक से आ रहा था। संदिग्ध आचरण के कारण सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। एक अधिकारी ने कहा, उनके चेक-इन सामान का निरीक्षण करने पर 12 अजगर बरामद किए गए और बाद में सीमा शुल्क अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया। आरोपी को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें कि इससे मिलती-जुलती खबर 11 जनवरी को भी चेन्नई एयरपोर्ट से ही आई थी। बैंकॉक से भारत पहुंचे एक यात्री के दो बैग में 45 बॉल पाइथन, 3 मार्मोसेट, 3 स्टार कछुए और 8 कॉर्न स्नेक पाए गए थे। कस्टम विभाग के मुताबिक चेन्नई एयरपोर्ट से बरामद वन्यजीवों को 12 जनवरी को बैंकॉक भेज दिया गया था।

पंजाब में कांग्रेस से गठबंधन पर आप की 'ना'

मंत्री बोलीं- 'भगवंत मान की अगुवाई में लड़ेगी चुनाव'

चंडीगढ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जहां तरफ से पंजाब कांग्रेस के नेताओं की तरफ से आप के साथ गठबंधन को लेकर साफ तौर पर मना किया जा रहा है। दूसरी तरफ अब आम आदमी पार्टी के नेताओं भी पंजाब कांग्रेस से गठबंधन को इंकार कर रहे है। इसको लेकर पंजाब सरकार की मंत्री अनमोल गगन मान की भी प्रतिक्रिया आई है।

'पंजाब कांग्रेस से नहीं होगा गठबंधन'

मंत्री अनमोल गगन मान ने कांग्रेस नेताओं की तरफ से गठबंधन को लेकर मना किए जाने पर कहा कि ये फैसले ना तो वो कर सकते है ना हम कर सकते है। लेकिन वे साफ तौर पर कहना चाहती है कि वो पंजाब में

कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करने वाले है। मंत्री अनमोल गगन मान ने आगे कहा कि पंजाब के लोग मुख्यमंत्री भगवंत मान को प्यार करते है, लोगों ने एक ईमानदार पार्टी चुनी है। वो पंजाब में कांग्रेस के साथ किसी भी तरह का कोई गठबंधन बर्दास्त नहीं करेंगे। पंजाब कांग्रेस के कई नेताओं पर केस चल रहे है।

भगवंत मान की अगुवाई में लड़ेगी चुनाव

इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र का सवाल है। बीजेपी को हटाना जरूरी है। किसी तानाशाह सरकार को हटाना तो मिलकर भी उस सरकार को हटाया जाता है। मंत्री अनमोल गगन मान ने कहा कि वो आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में पंजाब में चुनाव लड़ने वाली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पंजाब में अलग तरह की सरकार है। सूबे को संभालने की जिम्मेदारी यहां आम आदमी पार्टी की है। पंजाब के लोगों ने वोट देकर भगवंत मान को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी है। यहां कांग्रेस से किसी तरह का कोई समझौता नहीं होगा। आप पंजाब में अकेले ही चुनाव लड़ेंगी, आप अपने चुनाव निशान पर ही चुनाव लड़ेंगी और किसी तरह का कोई सीटों का बंटवारा भी नहीं होगा।

'बिना बताए छोड़कर गई पत्नी

पति पर कराए मुकदमे' हाई कोर्ट ने कहा- शादी में साथ रहना अपरिवर्तनीय नहीं, दिया तलाक

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। 15 साल से एक दूसरे से अलग रह रहे कपल से जुड़े तलाक के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि शादी कोई ऐसा बंधन नहीं है, जो अपरिवर्तनशील हो। इसे किसी के लिए अनिवार्य नहीं किया जा सकता। लिहाजा हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा जोड़े को तलाक देने के आदेश को बरकरार रखा है। पत्नी की तरफ से तलाक के आदेश के खिलाफ यह अपील लगाई थी। इसपर न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि दोनों पक्षों के बीच सुलह की कोई संभावना नहीं है। लंबे समय तक दोनों के बीच अलगाव रहा है। हाई कोर्ट ने कहा लंबे वक्त तक अलग रहने के साथ-साथ याचिकाकर्ता द्वारा "झूठे आरोपों, पुलिस रिपोर्टों और आपराधिक मुकदमो" के चलते दूसरा पक्ष मानसिक क्रूरता का सामना कर चुका है। इस रिश्ते को जारी रखने का कोई आदेश देने या फेमिली कोर्ट के आदेश में कुछ परिवर्तन करने से दोनों पक्षों पर आगे भी क्रूरता जारी रहेगी। अदालत ने कहा, 'विवाह दो पक्षों के बीच एक बंधन है और यदि यह बंधन किसी भी परिस्थिति में काम नहीं कर रहा है, तो हमें स्थिति की अनिवार्यता को स्थगित करने का कोई उद्देश्य नहीं दिखता है।' हाई कोर्ट की बेंच ने कहा, 'पति के परिवार के सदस्यों के प्रति अनादर से उत्पन्न होने वाले विवाद, बार-बार होने वाले झगड़े, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न शिकायतें होती हैं।

'इंडिया को बीजेपी के जाल में नहीं फंसना चाहिए'

यशवंत सिन्हा बोले- 'नैरेटिव मैनेज... '

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौकरशाह और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के तौर तरीकों को लेकर बुधवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने बीजेपी नेतृत्व द्वारा उठाए जा रहे मसलों को अप्रसांगिक करार देते हुए कहा कि इंडिया को उससे बचने की जरूरत है। एक दौर में बीजेपी के कद्दावर नेता रहे यशवंत सिन्हा ने अपने ताजा ट्वीट में लिखा है कि प्रधानमंत्री मोदी केवल गोदी मीडिया की मदद से नैरेटिव को मैनेज करने के लिए अप्रासंगिक मुद्दे उठा रहे हैं। भारत यानी इंडिया को उस जाल में नहीं फंसना चाहिए। यशवंत सिन्हा का यह बयान उस समय आया है, जब इंडिया का नाम बदले जाने को का मुद्दा पिछले 24 घंटे से सुर्खियों में है। बता दें कि मंगलवार को जी20 सम्मेलन को लेकर जारी आमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट आफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट आफ भारत लिखे जाने के बाद से इंडिया का नाम बदलने को लेकर राजनीति चरम पर है। संभवतः इसी संदर्भ में उन्होंने ट्वीट कर बीजेपी नेतृत्व पर निशाना साधा है।

5 साल पहले बीजेपी से दे दिया था इस्तीफा

दरअसल, यशवंत सिन्हा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई सरकार में वित्त और विदेश मंत्री रह चुके हैं। बाद में बीजेपी शीर्ष नेतृत्व से वैचारिक मतभेदों की वजह से 2018 में बीजेपी छोड़ दी थी। वो जुलाई 2022 में वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ चुनाव भी लड़ चुके हैं। इससे पहले वह 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। टीएमसी की टिकट पर वह राज्यसभा के सदस्य भी बने। वर्तमान वो किसी दल व गठबंधन से जुड़े नहीं है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह अब किसी सियासी दल से नहीं जुड़ेंगे।

दो वोटर आईडी कार्ड रखने के मामले में सीएम केजरीवाल की पत्नी को कोर्ट ने भेजा समन, बीजेपी ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने दो विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के आरोप में सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को तलब किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कानून का कथित तौर पर उल्लंघन किया है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अरजिंदर कौर ने भारतीय जनता पार्टी के नेता हरीश खुराना की अर्जी पर 18 नवंबर को सुनीता केजरीवाल को आरोपी के तौर पर तलब किया है। बीजेपी नेता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। इस मामले में 29 अगस्त को पारित एक आदेश में अदालत ने कहा, 'शिकायतकर्ता और अन्य गवाहों की गवाही पर विचार करने के बाद, इस अदालत की राय है कि आरोपी सुनीता केजरीवाल पत्नी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध के लिए पहली नजर में मामला बनता है। इसलिए, आरोपी को तलब करना जरूरी है।' बता दें कि इस अपराध के लिए अधिकतम दो साल की सजा का प्रावधान है। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता हरीश खुराना ने दावा किया कि सुनीता केजरीवाल उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र यूपी के गाजियाबाद और दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूचियों में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उनका आरोप है कि यह जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 17 का उल्लंघन है। उन्होंने दावा किया कि उनका अपराध अधिनियम की धारा 31 के तहत दंडनीय है, जो झूठी घोषणाओं से संबंधित है।

'मुझे कोई किनारे नहीं लगा सकता, लड़ूंगी 2024 चुनाव,' पार्टी से दरकिनार किए जाने के सवाल पर बोलीं उमा भारती

भोपाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में साल के आखिरी में विधानसभा का चुनाव होने वाले हैं। राज्य की दो प्रमुख पार्टीयां इसके लिए अपनी रणनीति साधने में लगी हुई है। कांग्रेस को एक दशक बाद 2018 चुनाव में 100 से अधिक सीटें मिली थी। जबकि बीजेपी 2003 के बाद पिछले चुनाव में थोड़ा लड़खड़ाती नजर आई थी लेकिन इस बार फिर से दोनों पार्टी तैयार नजर आ रही है। बीजेपी लगातार चौथी बार सत्ता में आने के लिए पूरे राज्यभर में जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रही है, जिसमें राज्य के तमाम नेताओं की उपस्थिति देखने को मिल रही है सिवाय एमपी की पूर्व सीएम रहे उमा भारती के।

'मैं 2024 का चुनाव जरूर लड़ूंगी'

कहा जा रहा हैं कि बीजेपी पूर्व सीएम उमा भारती को दरकिनार करना चाहती है। विधानसभा चुनाव में अब केवल तीन महीने ही बचे हैं ऐसे में उमा भारती किसी भी चुनावी सम्मेलन में नहीं दिख रही है, और न ही उन्हें पार्टी की चर्चित जन आशीर्वाद यात्रा का निमंत्रण दिया गया है। इन विषयों पर आज तक टीवी चैनल ने पूर्व सांसद उमा भारती से सवाल किया, जिस पर उन्होंने

कहा 'मैं 2024 का चुनाव जरूर लड़ूंगी। इसलिए मैंने खुद को किनारे नहीं लगाया। न कोई मुझे किनारे लगा सकता है।

दुख और दर्द नहीं, बस आश्चर्य है- उमा भारती

आजतक चैनल ने बीजेपी नेता उमा भारती से पूछा, वह बैठकों में नजर नहीं आतीं, जन आशीर्वाद यात्रा में भी नहीं दिख रहीं। क्या उमा भारती को दरकिनार किया गया, या वो खुद दूरी बनाए हुए हैं? इस पर मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 2019 में कहा था वो पिछला चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि वो 27 साल की उम्र से अब तक 6 बार सांसद और दो बार विधायक रह चुकीं हैं। वो 2024 का चुनाव लड़ेंगी।

उमा भारती 2014 में झांसी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुनी गई थी। जिसके बाद उन्हें मोदी मंत्रिमंडल में भारत की जल संसाधन, नदी विकास और गंगा सफाई मंत्री बनाया गया था। पूर्व सांसद ने जन आशीर्वाद यात्रा का निमंत्रण नहीं मिलने पर खेद जाहिर करते हुए कहा कि यात्रा में नहीं बुलाने से उन्हें इसका दुख और दर्द नहीं, बस आश्चर्य है। उमा भारती ने कहा कि वैसे भी वो यात्रा में नहीं जाती हैं लेकिन बुलाना चाहिए था।

यूपी में चलाई थी गंगा बचाओ अभियान

बता दें उमा भारती मध्य प्रदेश के खजुराहो लोकसभा सीट से चार बार, एक बार भोपाल और आखिरी बार झांसी से सांसद चुनी गईं। यहां तक कि वो उत्तर प्रदेश से विधायक भी बनी हैं। उन्होंने राज्य में पार्टी की स्थिति सुधारने के लिए गंगा बचाओ अभियान भी चलाया था, जिसे काफी सुर्खियां मिली थी।

हिंदू धर्म का जन्म कब हुआ, किसने इसकी शुरुआत की? पता नहीं' कर्नाटक के गृह मंत्री का बेतुका बयान

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म पर विवादित बयान देने वाले नेताओं की लिस्ट लंबी होती जा रही है। उदयनिधि स्टालिन, प्रियांक खरगे के बाद अब कर्नाटक के गृह मंत्री और कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने सनातन धर्म को लेकर बेतुका बयान दिया है। परमेश्वर ने हिंदू धर्म को लेकर सवाल उठाए हैं। तुमकुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा कि विश्व के इतिहास में कई धर्मों का जन्म हुआ है। भारत में

जैन और बौद्ध धर्मों का जन्म हुआ है। इस्लाम और ईसाई धर्म बाहर से यहां आए, लेकिन हिंदू धर्म का जन्म कब हुआ और इसकी शुरुआत किसने की, यह आज भी एक सवाल है। कर्नाटक के गृह मंत्री के बयान को लेकर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी विधायक सीएन अश्वथ ने कहा कि जी परमेश्वर वामपंथियों के प्रभाव में हैं। वह हमारे देश भारत की संस्कृति और परंपरा को नष्ट करना चाहते हैं। जी परमेश्वर को एहसास होना चाहिए कि इस तरह का अहंकार उनके लिए अच्छा नहीं है। उन्हें हमारे धर्म का अपमान नहीं करना चाहिए। सनातन धर्म पर विवाद की शुरुआत तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि के बयान के साथ हुई। उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। उन्होंने कहा था कि डेंगू और मलेरिया का विरोध नहीं किया जा सकता, उसे खत्म करना पड़ता है। ठीक उसी तरह सनातन धर्म का केवल विरोध नहीं, बल्कि इसे खत्म करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने उदयनिधि के बयान का समर्थन किया है। प्रियांक ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता है, वह धर्म नहीं है। ये बीमारी के समान है।

असम में ट्रक ने कार को मारी टक्कर

हादसे में 7 लोगों की मौत और 12 अन्य लोग घायल

दिसपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में कल रात एक सड़क दुर्घटना हो गई। इस दौरान हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गए। इस हादसे की जानकारी विभास दास, तिनसुकिया एएसपी ने दी। उन्होंने कहा कि एक ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

बादलों ने डाला डेरा, दो दिन हल्की बारिश के आसार

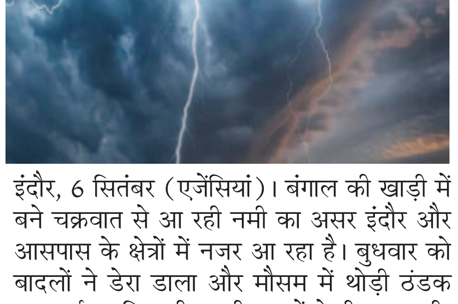

इंदौर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात से आ रही नमी का असर इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में नजर आ रहा है। बुधवार को बादलों ने डेरा डाला और मौसम में थोड़ी ठंडक खुल गई। बारिश की हल्की फुहारों ने भी आमद दी, लेकिन किसानों को झमाझम बारिश का इंतजार है। बारिश की लंबी खेंच के कारण फसलें खराब हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक आसपास में बादल छाए रहेंगे। हल्की मध्यम बारिश भी इस दौरान हो सकती है। जिन हिस्सों में बारिश हुई, वहां किसानों ने राहत की सांस ली। मौसम में हुए बदलाव के कारण तापमान तो कम हुआ, लेकिन उमस के कारण पंखे कूलरों की जरुरत महसूस होती रही। दिन का तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रात का तापमान 22.3 डिग्री रहा। हवाएं की रफ्तार भी सामान्य दिनों से ज्यादा रही। मौसम वैज्ञानिक ममता यादव के अनुसार बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे मालवा और निमाड़ के हिस्से को नमी मिल रही है। खंडवा इंदौर के आसपास तीन दिन तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। बादल भी दो-तीन दिन तक छाए रहेंगे। प्रदेश के कई जिले सूखे की मार झेल रहे है। बारिश नहीं होने से फसल सूखने के कंगार पर थी और कीटों ने भी फसलों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया था। फिर से बारिश का दौर शुरू होने के कारण किसानों को फसलों का नुकसान होने से बच जाएगा।

सुविचार: जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है। यह अग्नि का दोष नहीं है।

दीवार गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

संगारेड्डी, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी मंडल के कुलबगुरु गांव में बुधवार को घर की दीवार गिरने से 85 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जिसकी पहचान पलाडुगु पोचम्मा के रूप में हुई। चूंकि जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही थी, इसलिए दीवार गीली हो गई और बुधवार की सुबह ढह गई, जिसके नीचे पोचम्मा फंस गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पोचम्मा के तीन बच्चे हैं। उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. 23-2023 दि. 05/09/2023

PUB/1019

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा निर्वाहक, वरिष्ठ मंडल अभियंता/को-आर्ड/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों के लिए, बंद तिथि व समय 03.10.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

अधोहस्ताक्षरी व्दारा दि.1-7-2023 से 30-6-2024 की अवधि के लिए गुंटकल डिवीजन के विभिन्न जोन्स पर संबंधित कार्यों की पूर्ति, मटेरियल्स या सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रतिशत मूल्य आधारित अनुसूची पर विवरित दि. 03-10-2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

ग्रूप एः वार्षिक जोनल ठेका तत्संबंधित कार्य, सीपीडब्ल्यू डीएसआर-2021 के चैप्टर नं.2 के वाल्यूम -। आयटम्स 2.28.1, 2.31, 2.32 (जंगल क्लीयरेंस हेतु उपयुक्त), सीपीडब्ल्यू के चैप्टर नं.13, डीएसआर-2021, वाल्यूम-।। आयटम्स 13.37 से 13.115(व्हाइट वाशिंग, कालम वाशिंग, डिस्टेम्परिंग व रंगाई पुताई या पेंटिंग), सीपीडब्ल्यूडी के चैप्टर नं. 14(वाटर प्रूफिंग) डीएसआर-2021, वाल्यूम-।। आयटम्स 14.86 से 14.92(अर्थात एपीपी वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट की व्यवस्था हेतु), सीपीडब्ल्यूडी के चैप्टर नं. 16 डीएसआर-2021 वाल्यूम्स 16.1 से 16.4, 16.21 से 16.52, 16.54 से 16.59 तथा 16.72 से 16.96 (सडकें या रोड्स तथा प्लाटफार्म) एवं सीपीडब्ल्यू के चैप्टर नं. 22 डीएसआर वाल्यूम-।। आयटम नं. 22.8 से 22.13 से जुडे उक्त संबंधित कार्य।

ग्रूप -बीः (।) सीपीडब्ल्यूडी डीएसआर-2021 के तहत निम्न कार्यों हेतु वार्षिक जोनल ठेका, वाल्यूम-। वाल्यूम-।।, उपरोक्त ग्रूप-ए में विवरित समस्त मदों को छोडकर तत्संबंधित कार्य। (।।) सीपीडब्ल्यूडी के तहत वार्षिक जोनल ठेका से संबंधित डीएसआर हार्टिकल्चर तथा लैंडस्केपिंग कार्य ।

ग्रूप -सीः एनएस आयटम्स संबंधित वार्षिक जोनल ठेका, साइट की आवश्यकता के नुसार तत्संबंधित मटेरियल्स या सामग्री की आपूर्ति

ई-टेंडर नं. 1480 डीइएनः दक्षिण क्षेत्रः आरयु अधिकारक्षेत्रः रेणीगुंटा(मिलाकर) से गुडूर (छोडकर), अनुमानित लागतः रु.1,19,99,905.12, बोली सुरक्षा राशिः रु. 2,10,000.00

ई-टेंडर नं. 1481 डीइएनः दक्षिण क्षेत्रः आरजेपी अधिकारक्षेत्रः रेणीगुंटा(छोडकर) से भाकरपेट (मिलाकर), अनुमानित लागतः रु.68,14,417.08, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,36,300.00

ई-टेंडर नं. 1482 डीइएनः दक्षिण क्षेत्रः एचएक्स अधिकारक्षेत्रः भाकरपेट (छोडकर) से कोंडापुरम (छोडकर) तथा येर्रागुंटला से नोस्सम (मिलाकर), अनुमानित लागतः रु.79,99,822.08, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,60,900.00

ई-टेंडर नं. 1483 डीइएनः सेंट्रल जोन या क्षेत्रः जीवाय अधिकारक्षेत्रः गूटी (मिलाकर) से कोंडापुरम (मिलाकर), अनुमानित लागतः रु.1,30,94,999.77, बोली सुरक्षा राशिः रु. 2,15,500.00

ई-टेंडर नं. 1484 डीइएनः सेंट्रल जोन या क्षेत्रः डीएचएनइ अधिकारक्षेत्रः गुंटकल(बीजी) (छोडकर) से नंदयाल (छोडकर), गूटी (छोडकर) से पेंडेकल्लू तथा नोस्सम (छोडकर) से नंदयाल(छोडकर), अनुमानित लागतः रु.97,18,000.04, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,94,400.00

ई-टेंडर नं. 1485 डीइएनः नार्थ जोनः नार्थ/एमजी/जीटीएल अधिकारक्षेत्रः गूटी (छोडकर) से मोलगवल्ली (छोडकर) तथा गुंटकल (छोडकर) से बेल्लारी (छोडकर), कल्लुरू (छोडकर) से गुंटकल (छोडकर) तथा गुंटकल(छोडकर) से गूटी(छोडकर), अनुमानित लागतः रु.50,47,033.02, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,01,000.00

ई-टेंडर नं. 1486 डीइएनः नार्थ जोनः आरसी अधिकारक्षेत्रः रायचूर (मिलाकर) से वाडी (छोडकर), अनुमानित लागतः रु.89,99,957.38, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,80,000.00

ई-टेंडर नं. 148% डीइएनः पश्चिम क्षेत्र या जोनः पीएके अधिकारक्षेत्रः तिरुपति पश्चिम (छोडकर) से कटपाडी (छोडकर) तथा तिरुमला हिल्स, अनुमानित लागतः रु.68.63,999.45, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,37,300.00

ई-टेंडर नं. 1488 डीइएनः पश्चिम क्षेत्र या जोनः टीपीटीवाय अधिकारक्षेत्रः तिरुपति (मिलाकर) एवं तिरुपति(पश्चिम), अनुमानित लागतः रु.77.32,999.60, बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,54,700.00

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ httg://iregs.gov.in पर लागिन करें। इस बारे में कोई भी शुद्धिपत्र केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक/कार्य-/गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं. 11-2023 दि. 5-9-2023

PUB/1020

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यवाहक उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु बंद तिथि व समय 26/09/2023 के सु.11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-आरएच गिर्डर्स-28, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः आरडीएसओ ड्राइंग नं. आरडीएससी/बी-11041आर, आरडीएसओ/बी-1041/आयआर तथा आरडीएसओ/बी-11041/1आर नुसार, गिर्डर की डिजाइन्ड 25 टन एक्सल लोडिंग(नग 8) व्यवस्था, निर्माण/फैब्रिकेशन, तत्संबंधित सभी लंबाई पर डबल -। प्लेट गिर्डर वेल्डेड टाइप 20.40 मीटर्स की आपूर्ति तथा फैब्रिकेशन कार्य। गति शक्ति ईकाई-गुंटकल के गुंटकल डिवीजन के भीतर साइट इंजीनियर या स्थल अभियंता के निर्देशा नुसार, एवं किसी भी डाया के एचएसएफजी बोल्ट्स की आपूर्ति सहित क्राइस्ट चर्च स्टील क्रिब्स की आपूर्ति करना। विज्ञापित मूल्यः रु.33213860.00, पूधरा रु. 316100.00

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ http://ireps.gov.in लागिन करें। इससे जुडा कोई भी शुद्धिपत्र आनलाईन पर ही जारी होगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुंटकल

आम सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि, जय जनम पार्टी (आंध्र प्रदेश) जो, राजनीतिक पार्टी के नाम से पंजीकृत किया जाना प्रस्तावित है तथा इस नई पार्टी का कार्यालय, म.नं. 1-105/2, अंबेडकर नगर, 2 री लाईन, सनातनुथलपाडू (गांव व मंडल), प्रकाशम (जिला), आंध्र प्रदेश (राज्य), इंडिया, पिनः 523225, पर स्थित है। उपरोक्त पार्टी ने राजनीतिक पार्टी के रूप में पंजीकरण करने के लिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 29 ए के तहत भारतीय चुनाव आयोग, नई दिल्ली को, अपना आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पते निम्न प्रकार हैः

अध्यक्षः चप्पिडी रवि बाबू सुपुत्र भास्कर राव, मं.नं. 51-1-197, कबाडीपालेम, ओंगोल, प्रकाशम (जिला), आंध्र प्रदेश(राज्य), इंडिया, पिनः 523001

महासचिवः चेल्ली बालकृष्णा सुपुत्र वीरय्या, मं.नं. 7-33-ए,कुनमनेनीवारी पालेम (गांव), चिमकुर्थी(मंडल), प्रकाशम(जिला), आंध्र प्रदेश(राज्य), इंडिया, पिनः 523226

कोषाध्यक्षः चप्पिडी श्रवन्ति धर्मपत्नीःरवि बाबू, मं.नं. 51-1-197, कबाडीपालेम, ओंगोल, प्रकाशम (जिला), आंध्र प्रदेश(राज्य), इंडिया, पिनः 523001 अतः यदि किसी को भी जय जनम पार्टी (आंध्र प्रदेश) के पंजीकरण करने पर आपत्ति हो तो, वे तत्संबंधित कारणों सहित अपनी आपत्ति को, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से लेकर 30 दिनों के भीतर, सचिव(राजनीतिक दल), भारतीय चुनाव आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली-110001, को प्रेषित कर सकते हैं।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-12-2023-24 दि. 6-9-2023

PUB/1021

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यनिर्वाहक वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ऱखरखाव/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

नविदा सं. जीटीएल-इएम-12-2023-24 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः मौजूदा पुराने एलटी पैनल्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना, बिजली आपूर्ति विश्वसनीयता के सुधार हेतु अर्थिंग आरेंजमेंट्स, विज्ञापित मूल्य रु.88,66,754.00

बंद करने की तिथि व समयः 29/09/2023 के 15.00 बजे

निविदा बोली लगाने और अन्य विवरण के लिए http://www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज निविदाकारों द्वारा http://www.ireps.gov.in पर निःशुल्क भेजे जा सकते हैं।

नोटः इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए, निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in के माध्यम से)

PUB/1023

मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद निविदा की एकल पैकेट प्रणाली में निम्नलिखित कार्यों के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा आमंत्रित करता है

1. एनआईटी नंबरः ई(जीएस)/सीएन/2023- 2024 तारीख :05.09.2023 कार्य का नामः\ निविदा संख्या 12/2023-24/ई-जीएस-सीएन सिकंदराबाद डिवीजनः स्थानांतरण/ पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन नेक्कोंडा(बहिष्कृत)- दोर्नाकल के बीच (बहिष्कृत) (52.30 किमी) निर्माण के लिए तीसरी पंक्ति का. अनुमानित लागतः 87,92,133.00/- ईएमडीः 175900.00/- रुपये दस्तावेज़ लागतः शून्य पूर्णता अवधिः 06 (माह) समापन की तिथिः 27/09/2023 को 15.00 बजे

2. एनआईटी नंबरः ई(जीएस)/सीएन/2023- 2024 Dt:05.09.2023 कार्य का नामः निविदा संख्या 14/2023-24/ई-जीएस-सीएनः कार्य का नामः मनोहराबाद- कोथापल्ली नई बीजी लाइन परियोजनाः नए स्टेशन भवन, आरबीजीई कक्षों, गोमटियों, अन्य सेवा भवनों, प्लेटफार्मों, सर्कुलेटिंग एरिया, एप्रोच रोड लाइटिंग और सिरसिला, गुरालगोंडी, चिन्नालिंगपुर रेलवे स्टेशन पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था और कनेक्टेड इलेक्ट्रिकल सहित यार्ड का विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत 5,30,27,277.00/- ईएमडीः 415100.00/- दस्तावेज़ लागतः शून्य पूर्णता अवधिः 12 (माह) समापन की तिथिः 25/09/2023 को 15.00 बजे

1) बोली दस्तावेज़ और अन्य विवरण के लिए कृपया वेबसाइट http://ireps.gov.in पर लॉगइन करें

2) बयाना राशि जमा और निविदा दस्तावेज की लागत का भुगतान केवल आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध नेट बैंकिंग/भुगतान गेटवे सुविधाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए।

3) निविदाकर्ता निविदा जमा करने की अवधि के दौरान अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा कर सकते हैं जो निविदा बंद होने के पंद्रह दिन की अवधि है।

4) निविदाकर्ता को निविदा जमा करने की अवधि शुरू होने की तारीख तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) पर नजर रखनी चाहिए।

उप. मुख्य विद्युत अभियंता, (निर्माण) सिकंदराबाद

A1411

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

एनवीएसएस प्रभाकर ने की नागरिक प्रशासन मंत्री की आलोचना

कहा, हैदराबाद के आसपास इलाकों में बाढ़ समस्या को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आलोचना की कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से, केसीआर के परिवार के सदस्यों ने लंबे समय तक नगरपालिका विभाग का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन हैदराबाद के आसपास के इलाकों में बाढ़ के पानी की समस्या को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। प्रभाकर ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक मीडिया सम्मेलन में कहा कि नगर में बाढ के कारण बहुत से लोग मर रहे हैं। कल चार साल का मिथुन रेड्डी मैन-होल में गिर गया और मर गया, कुछ समय पहले मौनिका नाम की एक लड़की, 2021 में आनंद साई, मल्काजीगिरी में सुमेधा की घटनाएँ जिन्हें हम अभी तक नहीं भूले हैं। इस सरकार के सत्ता में आने के बाद ऐसी कई उल्लिखित घटनाएं हुई हैं।

प्रभाकर ने शिकायत की कि ग्रेटर हैदराबाद में मैनहोल में मौतें, इमारतें ढहना, कंपनियों का जलना, तालाब के तटबंधों का बह जाना और कुत्तों का भटकना जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। इतना कुछ होने के बावजूद नगर प्रशासन मंत्री कहां हैं? उन्होंने मांग की कि इन सभी घटनाओं के लिए पिता-पुत्र केसीआर-केटीआर को जिम्मेदार ठहराया जाए। मिशन काकतीय को महान कहा जाता है, लेकिन इन साढ़े नौ वर्षों के दौरान सौंदर्यीकरण, तटबंध हटाना, तटबंध मजबूत करना और बाल नहरें खोदी गईं, उन्होंने उन्हें चुनौती दी कि वे शहर में कम से कम एक काम करके दिखाएं। मिशन काकतीय एक मिथक बन गया है।

उन्होंने टिप्पणी की कि मेयर बारिश को रोकने के लिए अपने कर्मचारियों का उपयोग करेंगे और नगर मंत्री यह दिखावा करने के प्रभारी होंगे कि सभी घटनाएं बारिश के देवता के कारण हैं। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि भारी बारिश के मद्देनजर उठाए जाने वाले उपायों पर कोई पूर्व योजना और दूरदर्शिता नहीं है और उन्होंने हैदराबाद के विकास पर 67 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि अगर बारिश हो जाये तो नाव के बिना बाहर नहीं निकलने की नौबत आ जाती है। उन्होंने कहा कि सिर्फ कमीशन और ठेके के लिए काम हो रहे हैं लेकिन लोगों की जरूरतों के लिए विशेष कार्रवाई करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

प्रभाकर ने कहा कि हालांकि कुतुबुल्लापुर, मियापुर, बेगमपेट और अन्य इलाकों में डूब रही कॉलोनियां बार-बार डूब रही हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल बीआरएस नेता और नगरसेवक हैं जो तालाबों पर अतिक्रमण कर रहे हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं...बड़े पैमाने पर अनुमति प्राप्त कर रहे हैं।

रेलवे ट्रैक पर फोन कॉल करना महंगा पड़ा,

ओडिशा के मजदूर के दोनों पैर गये!

कोठागुडेम, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक प्रवासी मजदूर जो रेलवे ट्रैक पर लेटकर टेलीफोन पर बातचीत में तल्लीन था, उसके पैरों के ऊपर से एक मालगाड़ी गुजरने के बाद उसके पैर कट गए। ओडिशा के मलकानगिरी जिले के कोठामटेरी गांव का मजदूर सोडी भीमा कोत्तागुडेम शहर के गंगाबिशन बस्ती में रहता था और दैनिक मजदूर के रूप में काम करता था। सोमवार को उन्होंने आराम करने और बातचीत करने के लिए रेलवे ट्रैक को चुना क्योंकि ट्रैक पर रेल यातायात कम था। लेकिन जब वह मोबाइल फोन पर बात कर रहा था तभी ट्रैक से एक मालगाड़ी गुजर गई जिससे उसका एक पैर कट गया। जैसे ही वह मदद के लिए चिल्लाया, स्थानीय लोग उसे बचाने के लिए दौड़े और वन टाउन पुलिस को सूचित किया, जो सरकारी रेलवे पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और उसे सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया।

अस्पताल के डॉक्टरों ने उसका दूसरा पैर काट दिया, जो घटना में कुचल गया था और बेहतर इलाज के लिए उसे हैदराबाद ले जाने का सुझाव दिया। लेकिन भीम के अनुरोध के अनुसार उन्हें उनके पैतृक जिले मलकानगिरी में स्थानांतरित कर दिया गया।

हैदराबाद बारिश : मूसरामबाग ब्रिज फिर से खुला

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते जल स्तर के कारण थोड़े समय के लिए बंद होने के बाद, शहर में मूसारामबाग ब्रिज को बुधवार को दोनों तरफ से यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने मूसी नदी में बढ़ते जल स्तर के जवाब में मूसारामबाग ब्रिज को बंद करने का फैसला किया। यह कदम एक एहतियाती कदम था जिसका उद्देश्य नदी के आसपास के निचले इलाकों में संभावित बाढ़ को रोकना था।

महिला टीम ने अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता जीती

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कबड्डी टीम ने 31 अगस्त से 3 सितंबर तक मनाप्पराई, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में आयोजित अखिल भारतीय कबड्डी टूर्नामेंट जीता। टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया। यह चैंपियनशिप लीग कम नॉकआउट आधार पर आयोजित की गई है। साउथ सेंट्रल रेलवे टीम ने क्वार्टर फाइनल में हरियाणा को 45-20 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में एससीआर की टीम ने ईस्टर्न रेलवे को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में एससीआर की टीम को पीकेआर से कड़ी टक्कर मिली और 28-20 के स्कोर से हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। दक्षिण मध्य रेलवे की सुश्री पिंकी रॉय को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने टीम के सदस्यों को उनकी जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कबड्डी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और दक्षिण मध्य रेलवे और भारतीय रेलवे का नाम रोशन करने की सलाह दी।

रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक पूरे देश में "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया जाता है। इस पृष्ठभूमि में, मंडल रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा ने बुधवार को न्यू ओपीडी ब्लॉक, रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यूडॉ. एम. सौरीबाला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। आज जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 100 रेलवे कर्मचारियों और लाभार्थियों ने भाग लिया। प्रारंभ में, डॉ. के. सारदा, सीनियर डीएमओ, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने दर्शकों का स्वागत किया और स्वास्थ्य बनाए रखने और बीमारियों से मुक्त रहने में पोषण के महत्व को समझाया। डॉ. सीताराम एसीएमएस ने मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी जीवन शैली संबंधी बीमारियों को रोकने के लिए एक सरल आहार योजना प्रस्तुत की, जिसका पालन सभी कर सकते हैं। डॉ. वाई.एम. सिंधु, चिकित्सक, ने परिवार और सामान्य रूप से राष्ट्र के पोषण और स्वास्थ्य को बनाए रखने में महिलाओं के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर बोलते हुए, सीएमएस डॉ. एम. सोवरीबाला ने रेलवे लाभार्थियों को रेलवे अस्पताल में दी जाने वाली निवारक और उपचारात्मक सेवाओं का उपयोग करने के लिए बड़ी संख्या में आगे आने की सलाह दी। सीएमएस ने कहा कि स्वस्थ रहने और बीमारियों से मुक्त रहने के लिए स्वस्थ पोषण एक महत्वपूर्ण शर्त है। पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, पूरे सप्ताह के दौरान स्कूलों, कार्यस्थलों और कॉलोनियों में समूह चर्चा और पोस्टर प्रदर्शन जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

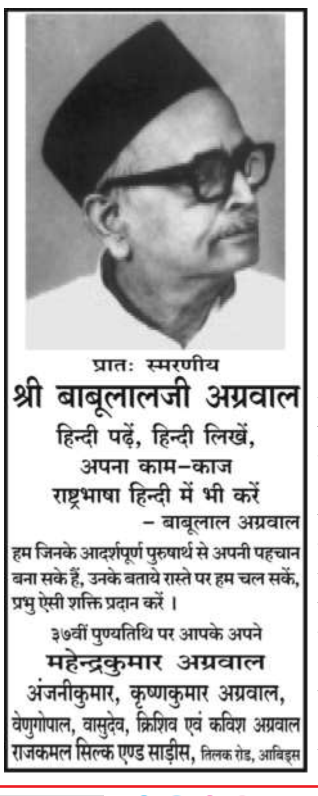

स्वस्थ जीवन के लिए उचित पोषण की प्रतिज्ञा ली गई

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में पोषण माह 2023 के तहत 'उत्तम पोषण उत्तम जीवन शपथ' के गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वस्थ जीवन के लिए उचित पोषण की प्रतिज्ञा के साथ, भारत सरकार की पोषण माह 2023 गतिविधियाँ राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में आरंभ हुईं है। कार्यक्रम सुबह 11 बजे एनआईआईएमएच के सम्मेलन कक्ष में शुरू हुआ। स्वागत भाषण और परिचय के पश्चात एनआईआईएमएच, हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जीपी. प्रसाद ने उपस्थित कर्मचारियों के साथ 'उत्तम पोषण उत्तम जीवन शपथ' का पठन किया। प्रतिज्ञा के बाद प्रभारी सहायक निदेशक जी ने स्वस्थ आहार और जीवनशैली के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने निद्रा और समय पर भोजन के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। आयुर्वेदिक दैनिक आहार और आहारशास्त्र के पालन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 40 कर्मचारियों ने भाग लिया।

इंडिया दैट इज भारत के बीच गृह मंत्री अमित शाह का बिहार दौरा

16 सितंबर को झंझारपुर में कार्यक्रम

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी का मुख्य फोकस बिहार पर है। खासकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। इसी कड़ी में अमित शाह एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। आने वाले 16 सितंबर को मधुबनी के झंझारपुर में वे कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। बता दें कि जदयू के एनडीए से अलग होने के बाद पटना, पूर्णिया, नवादा, बाल्मीकिनगर का पिछले महीनों दौरा कर चुके हैं। बता दें कि हाल में ही बीते 23 जून को विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक के बाद 29 जून को शाह लखीसराय पहुंचे थे, तब उन्होंने लालू, नीतीश, ललन सिंह समेत विपक्षी दलों के अन्य नेताओं पर जोरदार हमला बोला था। अब मिथिलांचल को साधने की तैयारी है। दरअसल, मिशन 2024 को लेकर अमित शाह बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। बिहार की सभी 40 सीटों पर जीत को लेकर उनका फोकस है। 31 और 1 सितंबर को मुंबई में विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक में जिस तरह से लालू यादव ने केंद्र की सरकार, खास कर पीएम नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा था, ऐसे में अमित शाह का इतनी जल्दी बिहार आगमन महत्वपूर्ण है। आगामी 16 सितंबर को अमित शाह बिहार पहुंच रहे हैं और वे मधुबनी के झंझारपुर में गृहमंत्री एक आम सभा को संबोधित करेंगे जहां से बिहार की राजनीति में कुछ तेज हलचल दिख सकती है। खास बात यह है कि बिहार में सत्ता बदलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह 10 महीनों के अंदर पांज बार बिहार दौरे पर आ चुके हैं। अब वे एक बार फिर बिहार आ रहे हैं ऐसे में उनके दौरे को लेकर सियासत तेज हो गई है। अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर जहां बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुट गए हैं तो वहीं विपक्षी खेमा में शाह के आगमन को लेकर हमलावर हो गया है।

ज्योति मौर्या के खिलाफ बंद होगी जांच की फाइल

प्रयागराज, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या के खिलाफ चल रही जांच की फाइल अब लगभग बंद हो गई है। पति द्वारा शिकायत वापस लेने पर जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इस प्रकरण को खत्म करने की सिफारिश कर दी है। इसकी रिपोर्ट जल्द ही शासन को भेजी जाएगी। दूसरी ओर ज्योति के पति आलोक मौर्य के खिलाफ धूमनगंज थाने में दर्ज मुकदमे को भी वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। कहा जा रहा है कि ज्योति और उनके पति के बीच गोपनीय समझौते के बाद ये कवायद सामने आई है। लगभग डेढ़ माह पहले आलोक मौर्य ने अपनी पत्नी ज्योति मौर्या के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शासन में शिकायत की थी।

अब नाम की लड़ाई: मुलायम सिंह यादव भी थे भारत के हिमायती

सीएम रहते संविधान संशोधन के लिए लाए थे प्रस्ताव

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव भी इंडिया के मुकाबले भारत के हिमायती थे। इसके लिए मुख्यमंत्री रहते हुए वह संविधान संशोधन के लिए प्रस्ताव भी लाए थे, जिसे विधानसभा में वर्ष 2004 में सर्वसम्मति से पास कर केंद्र को भेजा गया था। 3 अगस्त 2004 को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष लालजी टंडन ने संस्कृत शिक्षकों का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि इन शिक्षकों को उनका जायज हक मिलना चाहिए। जिस दिन दुनिया से संस्कृत खत्म हो जाएगी, उस दिन संस्कृति भी खत्म हो जाएगी। इस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में कभी भी संस्कृत की उपेक्षा नहीं होगी। उन्होंने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर अंग्रेजी का अधिक प्रयोग किए जाने का आरोप लगाया। मुलायम सिंह ने हिंदी के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि संसदीय कार्यमंत्री सदन में प्रस्ताव लाएं और उसे पारित करके केंद्र सरकार को भेज दिया जाए कि जहां संविधान में "इंडिया इज भारत" लिखा है, वहां "भारत इज इंडिया" लिख दिया जाए।

इस पर लालजी टंडन ने सुझाव दिया कि संविधान में संशोधन का प्रस्ताव है, इसे विधिवत लाया जाना चाहिए। इसके बाद तत्कालीन सीएम की ओर से रखे गए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। ये प्रस्ताव था-यह सदन केंद्र सरकार से संस्तुति करता है कि संविधान के भाग-1 के अनुच्छेद-1 (नेम एंड टेरीटरी ऑफ यूनियन) में "इंडिया दैट इज भारत" के स्थान पर "भारत दैट इज इंडिया" रखने हेतु संविधान में आवश्यक संशोधन करें।

'बीजेपी ने पूरा नहीं किया महिलाओं के 33% आरक्षण का वादा

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो देश में महिला सशक्तिकरण का नीतीश मॉडल लागू होगा'- मंत्री लेसी सिंह

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार की खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री लेसी सिंह ने एक बार फिर महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सराकर पर निशाना साधा। लेसी सिंह ने कहा कि बीजेपी सरकार ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसीदी सीट आरक्षित करने की चिरप्रतीक्षित मांग को अब तक पूरी नहीं किया। भाजपा ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के जारी संकल्प पत्र में इसे पूरा करने का वचन दिया था, लेकिन केन्द्र की सरकार आरक्षण देना तो दूर इस पर चर्चा तक नहीं कर रही है। 'देश में नीतीश मॉडल लागू होगा': मंत्री लेसी सिंह ने ये भी कहा कि देश की महिलाएं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओरआशा भरी निगाह से देख रही हैं। नीतीश कुमार के विपक्षी एकता की मुहिम जिस तरह सफल होती दिख रही है। महिलाओं में विश्वास पैदा हो रहा है कि देश में विपक्षी एकता की सरकार बनेगी तो देश में महिला सशक्तिकरण का नीतीश मॉडल लागू होगा और तभी लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं का 33 फीसीदी आरक्षण नीतीश कुमार के नेतृत्व में संभव हो पायेगा।नीतीश ने चुनाव में दी महिलाओं को आधी भागीदारी: लेसी सिंह ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष-2005 में सत्ता संभालते ही महिलाओं को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और नगर निकाय चुनाव में आधी

लोकसभा चुनाव के लिए बीएसपी ने बनाया फार्मूला

इन नेताओं को मिल सकता है टिकट, जल्द फाइनल होंगे नाम

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। इंडिया। और एनडीए गठबंधन से इतर अकेले चुनाव लड़ने की कवायद में जुटी बहुजन समाज पार्टी ने अब अपने प्रत्याशियों के चयन का फार्मूला तय कर लिया है। बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती आजकल आगामी लोकसभा के लिए उत्तर प्रदेश की 80 सीटों पर प्रत्याशियों के चयन का फार्मूला तय कर रही हैं। इस चुनाव में मायावती जिताऊ प्रत्याशी पर ही जोर लगाना चाहती है। नगर निकाय चुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा लोकसभा चुनाव में अपनी पुरानी गलतियां सुधारते हुए प्रत्याशियों के चयन का मन बना रही है। नगर निकाय चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने मुस्लिम कार्ड खेला था लेकिन तब उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया में मायावती ने क्षेत्रीय समीकरणों में फिट और जिताऊ प्रत्याशी को टिकट देने का फार्मूला तय किया है। इसी फार्मूले के तहत मंडलीय प्रभारी प्रत्याशियों के अंतिम चयन को अंतिम रूप देने में जुटे हुई हैं। उन्होंने कई लोकसभा सीटों पर दो से तीन प्रत्याशियों के पैनल को भी तैयार कर लिया है।

जल्द फाइनल होंगे नाम

मायावती जल्द प्रत्याशियों के नामों को फाइनल करेंगी। प्रत्याशियों की सूची संबंधित प्रभारी स्क्रीनिंग करने के बाद केंद्रीय कार्यालय को भेज देंगे। प्रत्याशियों के नाम पर अंतिम मुहूर्त मायावती ही लगाएंगे। मायावती लगातार लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए राज्यवार बैठके कर रही हैं इसमें वह पार्टी पदाधिकारियों को कह रही हैं कि लोकसभा चुनाव समय से पहले हो सकते हैं ऐसे में अपनी तैयारी पूरी करके रखें। इसके साथ ही मायावती यह भी कह रही हैं कि गठबंधन के भरोसे ना रहा जाए, क्योंकि अकेले दम पर मजबूती से चुनाव लड़ने का मन उन्होंने बना लिया है।

क्या हैं फिट और जिताऊ समीकरण के मायने?

मायावती जिस फिट और जिताऊ समीकरण की बात कर रही हैं उसके मायने अहम हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था , इसमें उसे मात्र 1 सीट मिली थी। इसके बाद हुए नगर निकाय चुनाव में बीएसपी ने मुसलमानों पर फोकस किया और 17 नगर निगम सीटों में से 11 नगर निगम पर मुसलमानों को प्रत्याशी बनाया पर इसमें भी उनका खाता ना खुल सका। इससे सबक लेते हुए मायावती और उनकी पार्टी में तय किया है की किसी एक वर्ग और जाति के आधार पर मजबूत दावेदारी पेश नहीं की जा सकती इसलिए हर सीट पर ऐसे प्रत्याशियों को तवज्जो दी जाए जो अपने क्षेत्र में पकड़ रखते हो। अनारक्षित सीटों पर मायावती ऐसे प्रत्याशियों को प्राथमिकता देने की कोशिश में है जिसके वोटर ज्यादा हो। नगर निकाय चुनाव में मायावती को मात्र 12% वोट ही मिले थे जो उनके मूल वाटर से काफी कम है।

मुख्य सचिव आमिर सुबहानी का पैसा लौटाएगी बिहार पुलिस

40 लोगों के 1.5 करोड़ रुपये भी होंगे वापस

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। साईबर क्राइम में लूटी गई राशियों को पुलिस अब वापस उनके खातों में लौटाएगी। इस संदर्भ में साइबर ठगों के द्वारा बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी के अकाउंट से गायब किए गये उनके 90 हजार रुपए भी वापस होंगे। इस बात की जानकारी ईओयू ने दी है। दरअसल 23 अक्टूबर को साईबर अपराधियों ने बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी के अकाउंट से 90 हजार रुपए उड़ा लिए थे। इस बात की जानकारी होते ही उन्होंने तुरंत इस ठगी की सूचना ईओयू को दी थी। जिसके बाद ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उक्त राशि अब वापस उनके खातों में लौटेगी। ईओयू का कहना है कि पटना के लगभग 40 लोगों के करीब 1.5 करोड़ से अधिक की राशि लौटाई जाएगी। पटना के अलावा बिहार के कई जिलों से साईबर क्राइम की शिकायतें मिली थी जिसमें दरभंगा, गया, जमुई, औरंगाबाद, भागलपुर, नवादा और मुजफ्फरपुर, समेत कई अन्य जिले के लोग शामिल हैं। ईओयू के अनुसार सिर्फ पटना में 5 करोड़ से अधिक की राशि अभी होल्ड पर हैं जबकि पूरे बिहार में 20 करोड़ रुपयों को होल्ड पर रखा गया है। ईओयू का कहना है कि यह पहला मौका है,

जब बिहार में इतनी बड़ी संख्या में ईओयू के द्वारा लोगों के होल्ड पर रखे रुपयों को लौटाने की पहल की जा रही है। ईओयू के अनुसार पूरे बिहार में लगभग सौ लोगों को 3 करोड़ से अधिक की राशि लौटाई जाएगी जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साइबर ठगों ने 23 अक्टूबर को बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी के अकाउंट से 90 हजार रुपए उड़ा लिए थे। हलांकि उन्होंने तुरंत इस ठगी की सूचना ईओयू को दी। जिसके बाद ठगी करने वाले को उस ठग को गिरफ्तार कर लिया गया। नवंबर महीने में पटना के कंकड़बाग निवासी मुकेश कुमार से साइबर अपराधियों ने 38 हजार रुपए उड़ा लिए थे। 11 नवंबर 2022 को पटना निवासी शबनम आरा से साइबर अपराधियों ने 5 लाख की लूट की थी। 16 जनवरी को साइबर अपराधियों ने दानापुर के नासरीगंज निवासी अरविंद कुमार के बैंक खाते से 2 लाख रुपये उड़ा लिए थे।

9 सितंबर को आयोजित लोक अदालत में आपसी सहमति से निपटाएं वाद

जिला न्यायाधीश ने दिए यह निर्देश

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आपसी सहमति से बैंक वसूली वाद, किरायेदारी वाद, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण को निपटने के लिए लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ में लोक अदालत का आयोजन 9 सितंबर को किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से पक्ष अपने वाद निपट सकते हैं। न्यायालय में लंबे समय से चल रहे ऐसे वाद जिन्हें दोनों पक्ष आपसी सहमति से निपटाना चाहते हैं वह लोक अदालत में अपना वाद ले जाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु आज प्रचार वाहन को डिस्ट्रिक जज (जनपद न्यायाधीश) अश्विनी कुमार त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई है। जनपद न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि प्रचार वाहन विभिन्न तहसीलों व ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोक अदालत का प्रचार प्रसार करेंगे। साथ ही आम जनमानस को आपसी सुलह समझौते हेतु प्रेरित करेंगे। 9 सितम्बर को लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरणों, वाणिज्यिक न्यायालयों व समस्त तहसीलों में किया जाएगा।लोक अदालत में बैंक वसूली वाद, किरायेदारी वाद, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण, ऐसे प्रकरण जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना हेतु आपसी सुलह समझौते से निपटाना चाहें, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर के वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं से सम्बन्धित प्रकरण, आरबीट्रेशन सम्बन्धी वादों का निस्तारण किया जाएगा। ये अधिकारी रहेंगे मौजूद : लोक अदालत में प्रफुल्ल कमल, अपर जिला न्यायाधीश प्रथम तथा राहुल मिश्रा, अपर जिला न्यायाधीश व नोडल अधिकारी गौरव कुमार, अपर जिला जज, अजय विक्रम, अपर जिला जज व सत्येन्द्र सिंह, अपर जिला जज व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ सहित कई न्यायाधीश व स्टाफ आदि उपस्थित रहेगा।

बिहार : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध समन जारी

19 अक्टूबर को सुनवाई, जानें पूरा मामला

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में एमपी-एमएलए कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ समन जारी किया है। पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता रवि भूषण कुमार वर्मा ने केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अनपढ़ कहे जाने को लेकर सिविल कोर्ट में परिवाद दायर किया था। परिवाद को लेकर निचली अदालत ने आईपीसी की धारा-332, 500 तथा 505 के तहत संज्ञान लिया तथा सम्मन जारी करने का निर्देश दिया। इस मामले की अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को होगी।

इस वजह से परिवाद दायर

शिकायतकर्ता और पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता रवि भूषण कुमार का कहना है कि संवैधानिक पद पर आसीन प्रधानमंत्री को अनपढ़ कहे जाने से उनके करोड़ों प्रशंसक आहत हुए हैं। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री की छवि धूमिल करने का प्रयास भी है। उल्लेखनीय है कि बीते 19 मई को अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर मोदी को अनपढ़ कहा था।

पत्नी के खिलाफ भी समन जारी

उधर, बता दें कि बीते रोज ही दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल पर भी कोर्ट की गाज गिर गई है। जहां, एक ओर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बिहार में समन जारी किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली की भी एक अदालत ने मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ समन जारी कर दिया है। दरअसल, दो विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची में सुनीता केजरीवाल का नाम होने की वजह से कोर्ट ने समन जारी किया है। भाजपा नेता हरीश खुराना के अनुरोध पर मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरजिंदर कौर ने समन जारी किया है।

18 नवंबर को पेश होने का आदेश

इस मामले को लेकर अरविंद केजरीवाल की पत्नी को 18 नवंबर को तलब किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप था कि मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लघंन किया है। शिकायत ने कोर्ट में दावा किया कि यूपी के हिबाबाद विधानसभा क्षेत्र और दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में सुनीता का नाम है। यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 17 का उल्लंघन है। इस मामले पर कोर्ट ने संज्ञान लिया।

बीएचयू का अर्बन नक्सल कनेक्शन

कौन हैं वो दो लड़कियां जिनसे एनआईए ने आठ घंटे की पूछताछ, बीएचयू से क्या संबंध?

वाराणसी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के महामानपुरी कॉलोनी स्थित एक घर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने छापा मारा। छापेमारी में एनआईए की टीम एक घर में घुसी और हां मौजूद एक छात्र संगठन से जुड़ी बीएचयू की दो छात्राओं से आठ घंटे पूछताछ की। उत्तर प्रदेश में नक्सल गतिविधियों से संबंधित जुड़े एक मामले में दोनों छात्राओं से पूछताछ हुई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की इस कार्रवाई से शहर में हड़कंप मच गया। सबके जहन में अब बस एक ही सवाल कौंध रहा है कि आखिर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी का अर्बन नक्सल कनेक्शन क्या है और कौन हैं वो दो लड़कियां जिनसे एनआईए ने आठ घंटे पूछताछ की। साल 2023 की शुरूआत में ही अर्बन नक्सलियों की हलचल सामने आई थी। तभी से बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ सहित पूर्वांचल के दो दर्जन महाविद्यालयों में अर्बन नक्सलियों ने अपनी पैठ गहरी कर ली थी। इन सबका मकसद युवाओं में राष्ट्र विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देना था। उसी समय सुरक्षा एजेंसियों ने 130 अर्बन नक्सलियों को चिह्नित कर लिया था। जनवरी 2023 में यह बात भी सामने आई थी कि अर्बन नक्सल से जुड़े लोग धरना और विरोध प्रदर्शन के जरिये माहौल बिगाड़ने की साजिश कर रहे हैं। विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में अपनी पैठ बनाने के बाद अर्बन नक्सली स्वयं सेवी संगठनों (एनजीओ) व अन्य छोटे संगठनों के माध्यम से पूर्वांचल के अन्य जिलों में अपना विस्तार करने में लगे हैं। इस संबंध में ठोस इनपुट मिलने के बाद प्रदेश की शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों ने वाराणसी व पूर्वांचल भर में सक्रिय 130 अर्बन नक्सलियों को चिह्नित किया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जिन दो छात्राओं से पूछताछ की वो भगत सिंह छात्र मोर्चा बीएचयू इकाई की अध्यक्ष आकांक्षा व सह-सचिव है सिद्धि हैं। आठ घंटे की पूछताछ के बाद, आकांक्षा को 12 सितंबर को लखनऊ स्थित एनआईए कार्यालय में पेश होने का नोटिस थमा दिया गया है। एनआईए को शक है कि दोनों का अरबन नक्सलियों से संबंध व संपर्क है। फिलहाल जांच चल रही है। सामाजिक विज्ञान संकाय की दोनों छात्राओं के कमरे से एक मोबाइल, दो लैपटॉप, पत्रिकाएं और कागजात जब्त किए गए हैं।

सनातन धर्म पर विवादित टिप्पणी के लिए स्टालिन और प्रियांक खरगे के खिलाफ केस दर्ज, लगे ये आरोप

रामपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म पर टिप्पणी करने के मामले में तमिलनाडु के युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के खिलाफ रामपुर के सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। सिविल लाइंस क्षेत्र के एकता विहार कॉलोनी निवासी अधिवक्ता राम सिंह लोधी और आवास विकास कॉलोनी निवासी अधिवक्ता हर्ष गुप्ता ने एसपी को एक प्रार्थना पत्र दिया। इसमें आरोप है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र और कर्नाटक सरकार में ग्रामीण एवं पंचायती राज मंत्री प्रियंक खरगे ने सनातन धर्म पर टिप्पणी की थी। जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इससे समाज में दो वर्गों के बीच वैमनस्यता उत्पन्न हो गई है। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। पुलिस ने बुधवार को कहा कि डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे के खिलाफ कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में यहां प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि स्टालिन पर सनातन धर्म को खत्म करने का आह्वान करने और खड़गे पर उनकी टिप्पणी का समर्थन करने के लिए मामला दर्ज किया गया है। एसपी अशोक कुमार शुक्ला ने बताया कि सिविल लाइंस कोतवाली में आईपीसी की धारा 153ए, 295ए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। स्टालिन ने शनिवार को तमिलनाडु में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी।

उनकी टिप्पणियों पर राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और भाजपा ने कांग्रेस पर उनकी टिप्पणियों की निंदा करने पर जोर दिया।

प्रेमी-प्रेमिका को मिलवाने के लिए मिली तालिबानी सजा, लोगों ने हाथ-पैर बांधे, चप्पल से पीटा फिर सड़क पर घसीटा

झांसी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक को रस्सी से बांधकर चप्पलों से पीटा गया। इतना ही नहीं गुस्साए लोगों ने युवक के हाथ-पैर बांधकर उसे सड़क पर भी घसीटा। अब सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, मामला झांसी के मऊरानीपुर मोहल्ला शिवगंज का है। बताया जा रहा है कि वीडियो में मार खा रहा युवक पेशे से एक डॉक्टर है और वह अपने घर पर एक प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात करवा रहा था। जैसे ही इस बात की भनक लड़की के घरवालों को लगी। वह गुस्से से आगबबूला हो गए और डॉक्टर को पकड़कर चप्पल से पीट दिया। बताया जा रहा है कि डॉक्टर झांसी रोड रतोसा तिगैला पर अपना क्लीनिक चलाता है। रविवार को वह मोहल्ला टीला शिवगंज में अपने घर पर आराम से बैठा हुआ था

वाराणसी में बढ़ा डेंगू का कहर, अबतक 60 मरीजों की पुष्टि हुई, अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग

वाराणसी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में डेंगू का कहर बढ़ता जा रहा है। हर दिन के साथ यहां डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के सामने भी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। मरीजों की संख्या को देखते हुए वाराणसी स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार वाराणसी में 60 से अधिक डेंगू मरीजों के मिलने की पुष्टि हुई है, जिसमें ज्यादातर शहरी क्षेत्र से हैं। डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद वाराणसी के कई चिकित्सा केंद्र पर प्लेटलेट्स को लेकर भी मरीज के परिजनों काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको देखते हुए चिकित्सा विभाग ने स्पष्ट दिशा निर्देश दिया है कि 20 हज़ार से कम प्लेटलेट्स होने पर ही मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ाए जाएंगे।

पैकेट में एक बिस्किट कम होना भी कंपनी को पड़ गया भारी
आईटीसी को देना होगा 1 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज कंपनी आईटीसी लिमिटेड को एक बिस्किट एक लाख रुपये में पड़ा है। उपभोक्ता फोरम में कई बार ऐसे में मामले सामने आते हैं जो लोगों को हैरान कर देते हैं। एक ऐसा ही मामला चेन्नई का है जहां आईटीसी लिमिटेड पर फोरम ने तगड़ा जुर्माना लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक आईटीसी को बिस्किट के पैकेट में एक बिस्किट कम रखना बहुत भारी पड़ गया। इस कारण कोर्ट ने कंपनी को एक लाख रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, तमिलनाडु के चेन्नई में एमएमडीए माथुर केपी दिलीबाबू नाम के एक व्यक्ति ने मनाली की एक दुकान से सड़क पर घूम रहे आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए 'सन फीस्ट मैरी लाइट' का एक बिस्किट का पैकेट खरीदा। इस पैकेज में कुल 16 बिस्किट होते है, लेकिन इस शख्स को एक बिस्किट कम मिला। इसके शख्स ने इस मामले पर कंपनी से पूछताछ की जहां उसे कोई सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

कंपनी कर रही हर रोज 29 लाख रुपये की धोखाधड़ी-ग्राहक

दिलीबाबू ने इस मामले पर कंज्यूमर फोरम में अपनी दलील रखते हुए कहा कि आईटीसी कंपनी हर दिन 75 पैसे के बिस्किट अपने पैकेट में कम डालती है। वहीं हर दिन कंपनी द्वारा 50 लाख बिस्किट पैकेट का उत्पादन किया जाता है। ऐसे में हर दिन कंपनी 29 लाख रुपये के माल की धोखाधड़ी कर रही है। वहीं इस मामले पर कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वह अपने माल को वजन के आधार पर देती है। कंपनी ने अपने पैकेट में बिस्किट का वजन 76 ग्राम लिखा हुआ था, लेकिन इसकी जांच करने पर 15 बिस्किट वाले पैकेट में केवल 74 ग्राम बिस्किट मिला।

फोरम ने ठोका एक लाख रुपये का जुर्माना

इस मामले पर सुनवाई में आईटीसी के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि साल 2011 के कानूनी माप विज्ञान नियमों के अनुसार पैक किए सामान में अधिकतम 4.5 ग्राम प्रति पैकेट के हिसाब से गलती की गुंजाइश को अनुमति मिली है। मगर कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं था। फोरम ने कहा कि यह नियम केवल अस्थिर प्रकृति के चीजों के लिए है और बिस्किट इस कैटेगरी में नहीं है। ऐसे में बिस्किट को हमेशा वजन के हिसाब से बेचा जाता है। इसके साथ ही कंपनी ने वजन और बिस्किट दोनों के संदर्भ में गलती की है। इस कारण फोरम ने कंपनी पर एक लाख रुपये के जुर्माने के साथ ही इस बैच की बिस्किट की बिक्री को भी बंद कर दिया है।

किसी ने 11 साल से नहीं ली छुट्टी
कोई करता है टॉयलेट्स की सफाई, दिलचस्प है इन टीचर्स की कहानी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के 75 ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया है जिन्होंने बतौर शिक्षक एक मिसाल कायम की है। सम्मानित किए गए इन टीचर्स में एक से बढ़कर एक ऐसे टीचर्स शामिल हुए जिन्होंने अपने जज्बे के दम पर छात्रों का दिल जीत लिया। किसी ने खुद लाइब्रेरी चलाई तो कोई छात्रों के नामांकन के लिए घर-घर गया, किसी ने 11 साल में एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली तो कोई खुद ही स्कूल कैंपस और टॉयलेट्स की सफाई करता है। राष्टर्ति मुर्मू ने ऐसे टीचर्स को उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया है। इस अवॉर्ड फंक्शन में इस बार आईआईटी और आईआईआईटी के टीचर्स भी शामिल हुए क्योंकि इस साल टीचर्स अवॉर्ड का क्राइटएरिया बढ़ाया गया था और उच्च शिक्षा और स्किल सेक्टर को भी इसमें शामिल किया गया था। केरल के पलक्कड़ में केंद्रीय विद्यालय के मुजीब रहमान ने 2007 में एक ऐसा सॉफ्टवेयर जिसकी मदद से देश की कई स्कूलों में बच्चे आसानी से पढ़ सकते हैं। यह पूरी तरह से फ्री है।

11 साल से नहीं ली एक भी छुट्टी

अरुणाचल प्रदेश में रामकृष्ण मिशन स्कूल के टीचर नेताई चंद्र डे पिछले 11 सालों से लगातार बिना एक भी दिन मिस किए और छुट्टी लिए स्कूल जा रहे हैं। इनके अलावा मणिपुर के चिंगमेई अपर प्राइमरी स्कूल के निनंगथौजाम बिनोय सिंह खुद ही पूरे स्कूल परिसर की सफाई कर रहे हैं, वह स्कूल के शौचालयों की सफाई भी नियमित रूप से कर रहे हैं। इस दौरान कुछ टीचर्स ने खुद पैसे भी खर्च किए हैं और बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इन टीचर्स की मेहनत की बदौलत छात्रों ने स्कूल आना शुरू किया।

इन्हें भी दिया गया सम्मान

राष्ट्रपति मुर्मू से अवॉर्ड पाने वालों में 50 स्कूली टीचर हैं तो उच्च शिक्षा संस्थानों में 13 शिक्षक और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के 12 टीचर्स शामिल हैं। अवॉर्ड हासिल करने वाले टीचर्स में बेंगलुरू आईआईआईटी के एसोसिएट प्रोफेसर दिनेश बाबु जे भी शामिल हुए हैं जिन्होंने यूपीएससी वर्चुअल रिएलिटी इंटरव्यू प्लेटफॉर्म डेवलप किया है। इनके अलावा खड़गपुर आईआईटी के प्रोफेसर सुमन चक्रबर्ती को भी नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है जिन्होंने भारत की पहली माइक्रोफ्लुइडिक्स लैब बनाई है।

जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज, एससी ने कहा- हम दखल क्यों दें?

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। देश में लगातार धर्मांतरण के मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि, स्वेच्छा से अपने धर्म को छोड़कर किसी दूसरे धर्म को अपनाना अपराध नहीं है, लेकिन अगर कोई धोखाधड़ी और लालच से जबरन किसी का धर्मांतरण कराता है, तो इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। इसी को देखते हुए धर्मांतरण रोकने के लिए कदम उठाने की मांग वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई। लेकिन, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर इसे खारिज कर दिया। इस याचिका में केंद्र को देश में धोखाधड़ी से धर्मांतरण को रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। अदालत को इस मामले में क्यों प्रवेश करना चाहिए? अदालत सरकार को परमादेश की रिट कैसे जारी कर सकती है? मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता जेरोम एंटो की ओर से पेश वकील ने पीठ को तर्क दिया था कि हिंदुओं और नाबालिगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और उनका 'धोखाधड़ी से' धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। इस पर पीठ ने जवाब देते हुए कहा,'अगर कोई लाइव चुनौती है और किसी पर मुकदमा चलाया गया है तो हम उस पर विचार कर सकते हैं।' पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा, 'ये कैसी जनहित याचिका है? जनहित याचिका एक टूल बन गई है

दिल्ली में जी20 आयोजन के बीच मणिपुर के 5 जिलों में कर्फ्यू
कांग्रेस बोली-फेल हो गई डबल इंजन की सरकार

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी20 के मद्देनजर सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गुरुवार से देश में तीन दिवसीय समिट के लिए विदेशी मेहमान आने शुरू हो जाएंगे। इसी बीच देश के उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर के 5 संवेदनशील जिलों में कर्फ्यू लगाए जाने की घटना का कांग्रेस ने विरोध किया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, ' मणिपुर में मोदी सरकार की डबल इंजन सरकार फेल हो चुकी है।' जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, जी20 नई दिल्ली में हो रहा है जबकि इंफाल घाटी के सभी 5 जिलों में अगले 5 दिनों के लिए

कर्फ्यू लगा दिया गया है। 4 महीने बाद भी हिंसा का दौर जारी है लेकिन मोदी सरकार की डबल इंजन सरकार के लिए मणिपुर में हालात 'सामान्य' हैं।'

मणिपुर में क्यों लगाया गया कर्फ्यू?

प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो मणिपुर के पांचों घाटी जिले में एहतियातन कर्फ्यू लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि चूराचांदपुर से कुछ किलोमीटर दूर बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में 'कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटिग्रिटी' (सीओसीओएमआई) और उसकी महिला इकाई ने बुधवार (6 सितंबर 2023) को सभी घाटी जिलों के लोगों से सेना के एक बैरिकेड को हटाने के आह्वाके न मद्देनजर बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में कर्फ्यू के घंटों में दी गई ढील समाप्त कर दी गई है। मणिपुर के सूचना और जन संचार मंत्री सपम रंजन ने कहा, 'सरकार ने सीओसीओएमआई से छह सितंबर को तोरबुंग के पास फौगाकचाओ इखाई में सेना के बैरिकेड पर धावा बोलने की प्रस्तावित योजना को वापस लेने की अपील की है।' सपम ने सभी से 'सरकार के उठाए गए सुरक्षा कदमों का समर्थन करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, बिजली, पीएचईडी, पेट्रोल पंप, स्कूल/कॉलेज, नगर पालिका, मीडिया और अदालत जैसी आवश्यक सेवाओं से संबंधित व्यक्तियों और हवाई यात्रियों को कर्फ्यू के दौरान आवाजाही की छूट दी जाएगी।

पार्किंग में बच्चे को दिया जन्म, महिला की अस्पताल में मौत, बिहार की रहने वाली थी

लुधियाना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जगरांव के समीप गुरुद्वारा श्री नानकसर कलेरां साहिब की वाहन पार्किंग में एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। महिला काफी देर तक वहीं तड़पती रही लेकिन मेडिकल सुविधा न मिलने के चलते वो बेहोश हो गई।

नानकसर संप्रदाय के मौजूदा मुखी संत बाबा लक्खा सिंह ने तुरंत पुलिस और जगरांव सिविल अस्पताल को सूचित किया। मगर मदद पहुंचने से पहले ही महिला ने वाहन पार्किंग में बच्चे को जन्म दे दिया। इसके बाद जगरांव के थाना सिटी में तैनात एएसआई तरसेम सिंह मौके पर पहुंचे। महिला की हालत खराब होती देख संत बाबा लक्खा सिंह ने खुद ही एंबुललेंस का इंतजाम किया और महिला व नवजात को सिविल अस्पताल भिजवाया। जानकारी के मुताबिक महिला और बच्चे को अलग करने के लिए नाड़ा भी समय रहते नहीं काटा गया और दोनों को वैसे ही उठाकर कर अस्पताल ले गए। वहां दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों नें उन्हें लुधियाना रेफर कर दिया। लुधियाना अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। जबकि बच्चे को जच्चा बच्चा केंद्र में रखा गया है और उसकी हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है। एएसआई तरसेम सिंह ने बताया कि महिला नें अपना नाम चंदा बताया था जो खुद को बिहार की रहने वाली बता रही थी। महिला ने अपनी मां का नाम रुलीया देवी व पिता का नाम राम पवित्र बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लद्दाख हिल काउंसिल इलेक्शन के नोटिफिकेशन किए रद्द, कहा- 7 दिन में जारी करें नया

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लद्दाख हिल काउंसिल इलेक्शन के संबंध में इलेक्शन डिपार्टमेंट की 5 अगस्त की नोटिफिकेशन बुधवार को रद्द कर दी और 7 दिन के भीतर नई नोटिफिकशन जारी करने को कहा है। बता दें कि जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। बेंच ने इलेक्शन डिपार्टमेंट की 5 अगस्त की नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया। साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस को 'हल' चिह्न आवंटित करने का विरोध करने वाली लद्दाख प्रशासन की याचिका भी खारिज कर दी और उस पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

लद्दाख प्रशासन की याचिका हुई थी खारिज

बता दें कि इससे पहले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों को पार्टी के चिह्न पर लद्दाख ऑटोनॉमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल (एलएएचडीसी), करगिल का आगामी चुनाव लड़ने की अनुमति देने वाले एकल पीठ के आदेश के खिलाफ लद्दाख प्रशासन की याचिका खारिज कर दी थी। लद्दाख प्रशासन ने 9 अगस्त के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की एक खंडपीठ का रुख किया था, जिसने नेशनल कॉन्फ्रेंस को चुनाव के लिए पहले से आवंटित चिह्न 'हल' को नोटिफाई करने के लिए प्रशासन के इलेक्शन डिपार्टमेंट के ऑफिस से संपर्क करने का निर्देश दिया था।

क्या था इलेक्शन डिपार्टमेंट का नोटिफिकेशन?

गौरतलब है कि 5 अगस्त को इलेक्शन डिपार्टमेंट की ओर से एक नोटिफिकेशन जारी किया गया था। नोटफिकेशन के मुताबिक, 30 सदस्यीय एलएएचडीसी, करगिल की 26 सीटों के लिए मतदान 10 सितंबर को होना था, जबकि वोटों की गिनती के लिए 4 दिन बाद की तारीख तय की गई थी।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे की भूख हड़ताल का 9वां दिन, शरीर में हो गई है पानी की कमी

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे 29 अगस्त से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। मनोज जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में भूख हड़ताल पर हैं। बुधवार को उनके भूख हड़ताल का नौवां दिन रहा। जरांगे के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि उनके शरीर में पानी की कमी हो गई है इसलिए उन्हें नसों के जरिए लिक्विड डाइट दिया जाएगा। डॉक्टर ने बताया कि जरांगे का बीपी बहुत कम हो गया है। मनोज जरांगे ने कहा कि अगर आरक्षण पर सरकार ने अनुकूल निर्णय नहीं लिया तो वह चार दिन बाद पानी और जूस पीना भी बंद कर देंगे। वहीं, सरकार ने अब तक जरांगे से दो बार संपर्क किया है और उनसे अनशन वापस लेने का आग्रह किया है लेकिन जरांगे हैं कि मान ही नहीं रहे। मनोज जरांगे की स्वास्थ्य की निगरानी के लिए सरकार ने डॉक्टरों की एक टीम नियुक्त की है।

हरियाणा कांग्रेस में दो फाड़! आपस में भिड़े एसआरके और हुड्डा ग्रुप के समर्थक, दिल्ली पहुंचा मामला

चंडीगढ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से चल रही कलह अभी भी खत्म नहीं हुई है। हुड्डा गुट और एसआरके गुट के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। एक तरफ जहां 9 साल से भंग चल रहे कांग्रेस के संगठन को खड़ा करने की कवायद हो रही है। वहीं दूसरी तरफ इन दोनों गुटों में अपने आप को क्षेष्ठ साबित करने की होड मची है। मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला।

'हुड्डा और एसआरके गुट के बीच फिर तनातनी'

दरअसल, कांग्रेस संगठन को खड़ा करने के लिए पार्टी के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने जिलों में प्रभारी नियुक्ति किए है। इन प्रभारियों की रिपोर्ट के आधार पर ही हर जिले में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की जानी है। लेकिन इन प्रभारियों का जिलों में जमकर विरोध हो रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता ऑब्जर्वर गो बैक के

नारे लगाते और मारपीट करते हुए दिखाई दिए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एसआरके गुट के कुमारी शैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी के कार्यकर्ता एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

आलाकमान के पास पहुंची शिकायत

प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हो रहे विरोध के बीच टीम एसआरके सुरजेवाला, शैलजा और किरण चौधरी कांग्रेस आलाकमान के पास शिकायत लेकर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने हरियाणा में चल रहे हालातों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत की। कुमारी शैलजा की तरफ से कहा गया कि जिलों में बाहर के प्रभारी लगाने से असली कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है। इसका कार्यकर्ता विरोध कर रहे है।

'कांग्रेस परिवार का हम पीढ़ी दर पीढ़ी हिस्सा'

वहीं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला की तरफ से कांग्रेस आलाकमान के सामने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा गया कि हम कांग्रेस के परिवार का पीढ़ी दर पीढ़ी हिस्सा हैं। हमने हमारे परिवार ने कांग्रेस के कई उतार चढ़ाव देखे हैं। विषम परिस्थितियों में पार्टी के कई दिग्गज नेता जब पार्टी छोड़कर चले तो भी हमने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी। इसलिए हम कार्यकर्ताओं की वेदना को लेकर दिल्ली आए है। वो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने भी अपनी बात रखेंगे। अभी उन्होंने संगठन महासचिव के समक्ष रखी है।

'हरियाणा में जीत रही है कांग्रेस'

सुरजेवाला की तरफ से कहा गया कि हरियाणा में कांग्रेस जीत रही है लेकिन कुछ लोग कांग्रेस कांग्रेस में बिखराहट पैदा करने में लगे है। जो बिल्कुल बर्दास्त नहीं किया जाएगा। कोई कांग्रेस के घर को तोड़ने का प्रयास करेगा तो ऐसा हम होने नहीं देंगे। सुरजेवाला ने कहा हमें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर पूरा भरोसा है वो जो भी करेंगे वो कांग्रेस के हित में होगा।

मुआवजे के लिए आत्महत्या कर रहे हैं किसान कर्नाटक के मंत्री के बयान पर मचा बवाल

हावेरी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के टेक्सटाइल मिनिस्टर शिवानंद पाटिल का एक बयान विवादों के घेरे में आ गया है। सूबे के हावेरी जिले में मीडिया से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि मुआवजा राशि बढ़ा देने की वजह से ही राज्य में किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। उनके इस बयान पर आपत्ति दर्ज करते हुए किसान संगठनों ने उनके इस्तीफे की मांग की है। एक सवाल के जवाब में मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि साल 2015 के बाद जब से सरकार ने मुआवजा राशि को बढ़ाया है, तब से किसानों की आत्महत्या के ज्यादा मामले रिपोर्ट हो रहे हैं। राज्य के टेक्सटाइल मिनिस्टर ने कहा कि पिछले 3 सालों में तकरीबन 2200 ऐसे मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन जब पुलिस द्वारा इनकी जांच की गई तो पाया गया कि सिर्फ कुछ मामले ही वास्तविक हैं। पाटिल ने किसान संगठनों से भी अपील की कि वे वास्तविक

मामलों की पहचान करने में सरकार की मदद करें। यह पूछे जाने पर कि क्या मुआवजे में बढ़ोत्तरी ही इसकी एकमात्र वजह है, पाटिल ने जवाब दिया, 'मैं ऐसा नहीं कह रहा। आप समझिए ये मनुष्य की सामान्य प्रवृत्ति है। अब गरीब आदमी को लीजिए, उसे लगता है कि थोड़ा रिलीफ इसी तरह मिल जाए। ये एक नेचुरल फीलिंग है।' अपने जवाब में पाटिल ने आगे कहा, 'इसीलिए ऐसा (आत्महत्या) कर लेते हैं। मैं आपसे ये विनती कर रहा हूं कि आप आंकड़े देखें। 2015 से पहले जब मुआवजा राशि कम थी, तब ऐसे मामले कम आते थे।

बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा पर पथराव, सात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर; मंत्री बोले- कांग्रेस से हैं हमलावर

भोपाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच जिले में भारतीय जनता पार्टी की 'जन आशीर्वाद यात्रा' पर हमले के सिलसिले में पुलिस ने सात लोगों पर मामला दर्ज किया है। राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए दावा किया कि सभी हमलावर कांग्रेस से जुड़े हुए थे। दरअसल, शाम नीमच जिले में बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा निकाली गई थी।

भाजपा के आरोप पर कांग्रेस का हमला

इस दौरान कांग्रेस समर्थकों ने मार्च में शामिल वाहनों के साथ तोड़फोड़ की। एमपी भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस ने कहा कि यह हमला सत्तारूढ़ दल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लोगों के गुस्से को दर्शाता है। बुधवार को

रीवा में पत्रकारों से बात करते हुए मध्य प्रदेश के गृह मंत्री ने कहा, 'प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने कहा था कि मणिपुर की तरह मप्र में भी पथराव हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने नूंह (हरियाणा) हिंसा का उदाहरण देते हुए कहा था कि यह मध्य प्रदेश में दोहराया जा सकता है। बता दें कि नीमच पथराव (घटना) में कांग्रेस से जुड़े खेमा गुर्जर समेत सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने विपक्षी पर आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले यात्रा को मिले व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस घबरा गई थी और इसलिए कांग्रेस समर्थकों ने नीमच जिले में यात्रा पर हमला किया और वाहनों में तोड़फोड़ की। वीडी शर्मा ने कहा, 'मैं कांग्रेस के इस कृत्य की कड़ी आलोचना करता हूं और हम इन गुंडों को नहीं बख्शेंगे। उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उपद्रवियों ने पेड़ों के पीछे छिपकर यात्रा पर हमला किया और काफिले में शामिल वाहनों को योजनाबद्ध तरीके से तोड़ दिया। भाजपा नेता ने दावा किया है कि यात्रा के मुख्य वाहन (रथ) के साथ-साथ काफिले में शामिल अन्य वाहनों पर हमला किया गया। भाजपा के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर, राज्य कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने मंगलवार को कहा कि नाराज लोगों ने जन आशीर्वाद यात्रा को अपना 'आशीर्वाद' देना शुरू कर दिया है। मिश्रा ने चुटकी लेते हुए कहा, 'वीडी शर्मा अपनी व्यक्तिगत हताशा कांग्रेस पर निकाल रहे हैं।

जनता की ओर से ऐसी प्रतिक्रिया बीजेपी के पाप के कारण आ रही है। सीएम ने हाल ही में लोगों को जूते बांटे थे, जो अब उन्हें प्यार से लौटा रहे हैं।' बता दें कि भाजपा ने साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं से जुड़ने के लिए राज्य में पांच अलग-अलग स्थानों से जन संपर्क कार्यक्रम शुरू किया है।

पति से करवाया देवरानी का रेप, फिर अश्लील तस्वीरों से जेठानी करती रही ब्लैकमेल

सतना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। एक महिला अपने पति का बटवारा नहीं कर सकती। अपने पति को किसी दूसरी महिला के सम्पर्क में देखना बर्दाश्त नहीं कर सकती लेकिन मध्य प्रदेश के सतना जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां महिला ने अपने पति के जिस्म की भूख मिटाने के लिए अपने रिश्ते की देवरानी को जाल में फंसाया। कमरे में बंद कर अपनी मौजूदगी में पति से देवरानी का बलात्कार करवाया। इतना ही नहीं, उसने मोबाइल फोन से देवरानी की अश्लील तस्वीर भी खीचीं। अश्लील तस्वीर के जरिए ब्लैकमेल कर चार माह तक पत्नी के सहयोग से युवक उसका दैहिक शोषण करता रहा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दुराचार करने वाले जेठ और सहयोग करने वाली जेठानी को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में केन्द्रीय जेल भेज दिया। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सभापुर थानान्तर्गत मौदहा निवासी 40 वर्षीय ललित अग्निहोत्री की नियत अपने सगे मौसेरे भाई की पत्नी पर खराब हुई। मौसेरे भाई की पत्नी को जाल में फंसाने के लिए ललित ने अपनी पत्नी सुलेखा (37) की मदद ली। सुलेखा पति के जिस्म की भूख मिटाने के लिए उसके कुकृत्य में सहयोगी बनी। सुलेखा ने इसके लिए प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक सुलेखा ने रिश्ते की देवरानी को तकरीबन 4 महीने पहले मिलने के लिए घर बुलाया।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 7 सितंबर- 2023

खींचतान से शिक्षा प्रभावित

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और सरकार के बीच चल रही खींचातानी कोई नई बात नहीं है। हाल ही में दोनों के बीच राजनीतिक तापमान तब बढ़ गया जब राज्य के सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति के फैसले कर लिए गए। देखा जाए तो पश्चिम बंगाल में यह स्थिति नई नहीं है। कुलपतियों की नियुक्ति सहित कई दूसरे मुद्दे भी है जिस पर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच तनाव और खींचतान चलता ही रहता है। देखा जाए तो नियमों के मुताबिक एक न एक दिन अंतिम रूप से किसी एक व्यवस्था को अमल में आना ही है, लेकिन इस तरह से होने वाले टकराव का खमियाजा किसी न किसी रूप में आखिर नागरिकों को ही भुगतना पडता है। पश्चिम बंगाल में कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर अधिकार से जुड़ा विवाद कई महीने से चला आ रहा है, लेकिन रविवार को राज्यपाल ने जब सात विश्वविद्यालयों के लिए अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति को हरी झंडी दे दी को उसके बाद राज्य सरकार की ओर से तीखी प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही आनी थी। वहां के शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल पर 'तानाशाहीपूर्ण' तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस कदम से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को एक न एक दिन बीमारी घेर ही लेगी, जिससे शिक्षा व्यवस्था चौपट हो सकती है। बता दें कि राज्यपाल जो विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होते हैं, उनकी और राज्य सरकार की विश्वविद्यालयों में भूमिका से संबंधित एक विधेयक विधानसभा में पारित हो चुका है। शिक्षा मंत्री की ओर से इसी बुनियाद पर राज्यपाल के कदम को नियमों का उल्लंघन बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ताजा मामले पर राज्यपाल के पक्ष में यह तर्क दिया जा रहा है कि कुलपतियों की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालयों में अनिश्चितता का माहौल बन सकता है, इसलिए यह कदम उठाया जाना जरूरी था। हालांकि इस मसले पर पूर्व कुलपतियों सहित शिक्षाविदों के एक समूह ने भी राज्यपाल द्वारा कई अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति पर सवाल उठाया है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि वह राज्यपाल के साथ चर्चा करके इस मसले का हल निकालना चाहती है। लेकिन यह मामला इतना सरल नहीं है जितना बताया जा रहा है। यदि यह इतनी आसानी से हो जाता तो वे कौन-से बिंदु हैं, जिसकी वजह से टकराव बढ़ा है? करीब तीन महीने पहले भी कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर राज्य सरकार और राज्यपाल में जमकर रस्साकसी हुई थी। सवाल है कि अगर कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में नियमों की कसौटी पर स्थितियां बिल्कुल स्पष्ट हैं, तब क्या राज्यपाल उसकी अनदेखी करके इस मामले में फैसले ले रहे हैं! अगर ऐसा नहीं है तो फिर क्या वजह है कि राज्य सरकार अनायास ही हस्तक्षेप कर मामले को तूल दे रही है। पश्चिम बंगाल में राज्य सचिवालय और राज्यपाल के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर टकराव लंबे समय से जारी है। मौजूदा खींचतान से पहले वहां के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के दौर में भी दोनों के बीच काफी गहरा विवाद हुआ था। खासतौर पर विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के मसले पर यह तनाव इस कदर बढ़ा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित कर राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को अधिकार सौंपने का फैसला कर लिया था। उसके बाद भी दोनों पक्षों में चल रहा जद्दोजहद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अधिकारों की सीमा और खींचतान के बीच राज्य में उच्च शिक्षा की तस्वीर अपनी बुरी दुर्गति की ओर तेजी से बढ़ रही है। विचार इस पहलू पर किया जाना चाहिए कि राज्य के विश्वविद्यालयों में कितने पूर्णकालिक कुलपति हैं। इसकी वजह से प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर कैसे गतिरोध खड़े हो रहे हैं और कालेजों में सामान्य कामकाज और पठन-पाठन पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। इसके बावजूद समस्या का कोई ठोस हल निकालने की कोशिश करने के बजाय राज्य सरकार और राज्यपाल आमने-सामने टकराते हुए दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि इससे उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों का भविष्य कैसे संभलेगा?

इण्डिया पर तुरुप का इक्का भारत

राज सक्सेना

भारत विविधताओं का देश है। इसकी नस-नस में विविधताओं का समावेश है। विश्व में कोई भी देश ऐसा नहीं है जिसके कई नाम प्रचलन में हों या भारत को छोड़ कर किसी भी देश का नाम संविधान में ही दो नामों से अंकित हो, ऐसा कहीं नही है। नेता लोग किस तरह से संविधान की खामियों का फायदा उठाने की ताक में हर समय लगे रहते हैं, इसका सबसे ताजा उदाहरण 26 विरोधी दलों ने मोदी हटाओ मोर्चे का गठन करते समय अपने गठबंधन का नाम इस तरह रखा कि उसका लघुरूप 'इण्डिया' हो जाये। कई दिनों तक विरोधी नेता और प्रवक्ता जब इण्डिया शब्द का दुरुपयोग करते रहे तो मोदी ने शायद दूसरे नाम का उपयोग करने का मन बनाकर संसद का विशेष सत्र आहूत कर लिया। आम चर्चा है कि इस सत्र में इण्डिया नाम हटा कर देश का नाम आधिकारिक रूप से 'भारत' करने का संविधान संशोधन पारित कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 18 से 22 सितंबर तक होने वाले संसद के विशेष सत्र में इंडिया का नाम बदलकर भारत करने पर प्रस्ताव ला सकती है। इतना ही नहीं, भारत के राष्ट्रपति की ओर से दिए जा रहे रात्रिभोज जी-20 के निमंत्रण पत्र पर प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया है। इसका सबसे पहले उल्लेख कांग्रेस के जयराम रमेश ने अपने ट्वीट में किया है। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है। कई देश अपना नाम बदल चुके हैं। इस चर्चा के चलते देश का नाम भारत कब पड़ा और कैसे पड़ा, यह जानने की उत्सुकता लोगों में बढ़ गई है। भारत भूमि को प्राचीन काल से कई अलग-अलग नाम से जाना जाता रहा है, जैसे जम्बू द्वीप, भारत खंड, भारतवर्ष, आर्यावर्त, हिंद, हिंदुस्तान और इंडिया लेकिन इन सबमें भारत नाम सबसे ज्यादा प्रचलित रहा है। इस कारण से भारत नाम कब क्यों और कैसे पड़ा, इसको लेकर सबसे ज्यादा धारणाएं और मतभेद हैं। अलग-अलग कालखंडों में भारत को अलग-अलग नाम दिए गए हैं। पौराणिक युग में भरत नाम के कई व्यक्ति हुए हैं। अलग-अलग समय पर इन महान व्यक्तियों के नाम पर भारत का नाम रखने का दावा किया जाता रहा है। सबसे प्रचलित पौराणिक कहानी को मानें तो भारतवर्ष नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर पड़ा है। अनेक पुराणों के मुताबिक भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा है। हिंदू ग्रंथ स्कंध पुराण अध्याय 37 के मुताबिक नाभिराज के पुत्र थे ऋषभदेव और ऋषभदेव के पुत्र भरत थे, उनके ही नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। ज्यादातर लोग भरत नाम के पीछे की वजह शकुंतला और सूर्यवंशी राजा दुष्यंत के पुत्र भरत को मानते हैं। महाभारत के आदि पर्व में इस बात का जिक्र है कि महर्षि विश्वामित्र और अप्सरा मेनका की बेटी शकुंतला और राजा दुष्यंत के बीच गंधर्व विवाह हुआ था. इन दोनों के पुत्र का नाम भरत हुआ था। कथन है कि भरत के जन्म के बाद कंडव ऋषि ने आशीर्वाद दिया था कि भरत आगे चलकर चक्रवर्ती सम्राट बनेगा और उसके नाम पर इस भूखंड का नाम भारत प्रसिद्ध होगा, इसलिए इसे भारतवर्ष कहा गया। इसके अलावा नाट्यशास्त्र वाले भरत मुनि भी इस नाम के पीछे की वजह हो सकते हैं। इतना ही नहीं भारत के नामकरण के सूत्र जैन धर्म भी मिलते हैं।नामकरण पर सियासत भारतीय राजनीति का लंबे समय से हिस्सा रही है। इतिहास, राजनीति और पुरातात्विक इतिहास की दुनिया के विवादित लोकप्रिय और अक्सर किसी भी सभ्यता विशेष को इंगित करने वाले नाम राजनीतिक विवादों का कारण बने हैं, बात चाहे इलाहाबाद के प्रयागराज की हो या फिर औरंगाबाद के छत्रपति संभाजीनगर हो जाने की, या फिर भारत के संविधान से इंडिया शब्द को हटा दिए जाने की।

क्यों पी.ओ.के. के लोग कारगिल के दरवाजे खोलने की मांग कर रहे हैं?

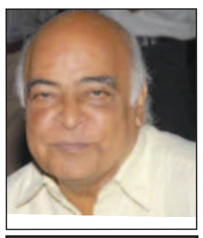

अशोक भाटिया

कंगाल पाकिस्तान से अपना देश नहीं संभल रहा है। जहां दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान के बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां बढ़ गई हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पी.ओ.के. में पाकिस्तान की हुकूमत और पाक आर्मी के खिलाफ बगावत तेज हो गई है। पाकिस्तान की सेना के जुल्म से परेशान गिलगित बाल्टिस्तान के अल्पसंख्यक शिया मुस्लिमों में आक्रोश है। ये आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। यही कारण है कि इन दिनों पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित- बाल्टिस्तान में इन दिनों घमासान मचा है। कट्टरपंथी सुन्नी संगठनों और पाकिस्तानी सेना के दमन के खिलाफ अल्पसंख्यक शियाओं ने विद्रोह कर दिया है।

पहली बार इस क्षेत्र के शिया संगठन फौज के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। अल्पसंख्यक शियाओं के तेवर इतने तीखे हैं कि पाकिस्तान की आर्मी भी घबरा गई है। भारत से करीब 90 किलोमीटर दूर स्कर्दू में शिया समुदाय के लोग भारत की ओर जाने वाले कारगिल हाइवे को खोलने की मांग पर अड़ गए हैं।

उनका कहना है कि वे अब पाकिस्तानी फौज की हुकूमत वाले गिलगित-बाल्तिस्तान में नहीं रहना चाहते हैं, वे भारत जाना चाहते हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान की आबादी करीब 20 लाख है। इनमें से 8 लाख के करीब शिया समुदाय के लोग हैं। इन शियाओं के बगावती तेवर देखकर पाकिस्तानी आर्मी घबरा गई है। बगावती तेवरों को देखते हुए पाकिस्तान आर्मी ने अपने 20 हजार अतिरिक्त जवानों को तैनात किया है।

बताया जाता है कि पाकिस्तान का गिलगित-बाल्टिस्तान लगातार उबाल मार रहा है। विरोध प्रदर्शन के नाम पर हज़ारों लोग सड़कों पर हैं। फिजा में चलो, चलो कारगिल चलो के नारे बुलंद हैं। विरोध के नाम पर जिस तरह लोग उग्र हैं, किसी भी क्षण वहां स्थिति गंभीर हो सकती है। सवाल होगा कि आखिर पाकिस्तान जैसे मुल्क के एक हिस्से में ऐसा क्या हुआ, जो वहां के लोग भारत में विलय होने की बात कह रहे हैं। जवाब है एक शिया धर्मगुरु की गिरफ़्तारी और वो सजा जो उसे पाकिस्तान के प्रचलित ईशनिंदा कानूनों के तहत हुई है।

गिलगित के स्थानीय लोग शिया मौलवी की गिरफ्तारी से बेहद नाराज हैं जिसके मद्देनजर स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तानी प्रशासन को गृहयुद्ध की चेतावनी दी है। वहीं कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जिन्होंने खुलकर भारत में विलय की मांग करनी शुरू कर दी है। ध्यान रहे, शिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मौलवी आगा बाकिर अल-हुसैनी पर एक धार्मिक सभा में उनकी टिप्पणियों को लेकर मामला दर्ज किया गया था। बाद में मौलवी को हिरासत में लिया गया जिसके बाद स्कर्दू के शिया समुदाय के लोग सड़कों पर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ और नौबत हाई-वे जाम तक की आ गयी है।

अभी हालिया दिनों में पाकिस्तान की संसद में ईशनिंदा को लेकर एक बिल पास हुआ था। इस बिल के आने के बाद ही शिया मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी पर एक एफआईआर होती है और कहा जाता है कि उन्होंने ईशनिंदा की है। इसके बाद गिलगित के पास स्थित जलास और द्यामर जो कि एक सुन्नी बाहुल्य क्षेत्र है, वहां लोग शिया मौलवी के विरोध में सड़कों पर आते हैं। वहीं पाकिस्तान के अपर कोहिस्तान के सुन्नी बहुल हिस्से में एक धरना प्रदर्शन होता है और मांग की जाती है कि शिया मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी को फ़ौरन ही गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले। तब लोगों का ये भी कहना था कि यदि मौलाना गिरफ्तार नहीं होते हैं तो उग्र प्रदर्शन करते हुए सड़कों को बंद कर यातायात को बाधित किया जाएगा।

सुन्नी समुदाय की ये मांग शिया समुदाय को नागवार गुजरी और उन्होंने मौलाना की गिरफ्तारी के विरोध में स्कर्दू और आस पास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की और मुख्य हाई वे जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि पूरे गिलगित- बाल्टिस्तान के हालात बहुत जटिल हैं और ये विरोध प्रदर्शन किसी भी वक़्त एक बड़ी हिंसा का रूप ले सकता है जिसका खामियाज़ा कई मासूम लोगों को भुगतना होगा।

शिया समुदाय पाकिस्तान के नए ईशनिंदा कानून के खिलाफ है और यही कह रहा है कि अगर इसे लागू करना ही है तो कारगिल के दरवाजे खोल दिए जाएं ताकि गिलगित-बाल्टिस्तान के शिया भारत में पनाह ले सकें।जिक्र यदि यहां रहने वाले लोगों की जनसंख्या का हो तो यहां रहने वालों में 39 प्रतिशत शिया आबादी है जबकि यहां 27 प्रतिशत सुन्नी और 18 प्रतिशत इस्माइली मुसलमान हैं।

मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी का शुमार स्कर्दू और आस पास के बेहद प्रभावशाली लोगों में होता है।

मौलाना ने गिलगित बाल्टिस्तान के कई अहम आंदोलनों में न केवल हिस्सा लिया बल्कि उन्हें कामयाब बनाया। मौजूदा वक़्त में मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी साफ़ पानी के लिए आंदोलन कर रहे हैं जिससे स्थानीय प्रशासन सकते में आ गया है।

माना जा रहा है कि मौलाना को गिरफ्तार करने की वजह उनका राजनीतिक रूप से सक्रिय रहना है। अभी बीते दिनों ही एक धार्मिक सभा में मौलाना ने पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन के हत्यारे यजीद की तीखी आलोचना की थी। यजीद जैसे व्यभिचारी पर जो रुख मौलाना का था उसने पाकिस्तान के सुन्नियों को आहत किया और उन्होंने मौलाना पर ईशनिंदा का आरोप लगाया जिसके बाद एफआईआर हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिलगित- बाल्टिस्तान के शिया समुदाय का कहना है कि पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा एक बार फिर उनके खिलाफ गहरी साजिश की जा रही है।

इस इलाके में शिया सुन्नी संघर्ष की शुरुआत कब हुई? अगर इस सवाल के जवाब तलाशने हैं तो हमें 1988 के उस दौर में जाना होगा जब पाकिस्तान में हुकूमत जिया उल हक़ के हाथ में थी। तब उस वक़्त जिया उल हक़ ने 400 शिया मुसलमानों का कत्लेआम करवाया था और फिर जब 2012 के आस पास हुकूमत के इशारों पर पाकिस्तान में शिया विरोधी सिपाह ए सहाबा जैसे संगठनों का निर्माण हुआ जिन्होंने बाद में गिलगित- बाल्टिस्तान को अपनी शरणस्थली बनाया। पाकिस्तान के हुक्मरान लंबे अरसे से गिलगित- बाल्टिस्तान में सुन्नी आबादी बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए शिया समुदाय पर जुल्म जारी है।

ऐसे ऐसे हालात पैदा किये गए हैं कि शिया अपनी जमीनें बेचने पर मजबूर हो रहे हैं। अब ताजा ईशनिंदा कानून वो हथियार बन गया है जिससे शिया दबाव महसूस कर हैं। फिलहाल, दोनों समुदायों के बीच संघर्ष जारी है।

पिछले महीने भी गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों ने पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन किया था। स्थानीय लोगों ने पाकिस्तान सरकार को गृहयुद्ध और भारत के साथ विलय की चेतावनी दी है। यहां के लोगों ने कहा कि अगर सरकार उनके खिलाफ दमन का रास्ता अख्तियार करेगी तो वो गृहयद्ध करेंगे। सरकार ने अगर उनके नेताओं को रिहा नहीं किया तो वो गिलगित बाल्टिस्तान का भारत में विलय कर देंगे।

जी 20 देशों का मैन्युफैक्चरिंग विकल्प बन सकता है भारत

पंकज गांधी

जी 20 देशों की भारत में बैठक से पूर्व खबर आई कि अमेरिका ने अपने निवेशकों द्वारा चीन में निवेश को बैन कर दिया है और अमेरिकन निवेशकों की नजर अब भारत पर है. हालांकि यह तुरंत की घटना नहीं है. कोरोना के पहले से ही दुनिया भारत को मैन्युफैक्चरिंग केंद्र के विकल्प के रूप में देखने लग गई थी जबसे भारत सरकार ने मेक इन इंडिया और नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनी पर आयकर की दर 15 फीसदी कर दी थी।

पहले हम भारत में बने सामानों को लेकर मेड इन इंडिया का शब्द सुन रहे थे लेकिन जबसे मोदी सरकार आई है, तब से मेक इन इंडिया शब्द पर ज्यादा बल दिया गया. पहले प्रचलित मेड इन इंडिया का मतलब था कि इंडिया में बना है, लेकिन इसमें यह अन्तर्निहित नीति नहीं थी कि अगर भारत में बेचना है तो भारत में ही बनाओ.

पहले हम मेड इन इंडिया का स्लोगन लेकर विदेशों के बाजार में प्रवेश की कोशिश करते थे और दुनिया के 700 करोड़ की आबादी में हम चुनिंदा करोड़ के मार्केट तक ही पहुंच पाते थे जबकि हमारे दरवाजे और हमारा 125 करोड़ का बाजार हमने दुनिया के लिये खोल रखा था जबकि सच्चाई यह थी कि हम खुद ही अपने आप में बड़ा बाजार थे।

विकसित देशों की निगाहें भारत की तरफ थीं क्यूंकि उन्हें अपना माल बेचना था और भारत के पास दुनिया का बड़ा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार था. मोदी सरकार से पहले मेक इन इंडिया की अन्तर्निहित शर्त नहीं होने के कारण कंपनियां विदेशों में बनाकर भारत में बेचा करती थीं लेकिन अब मेक इन इंडिया पालिसी और इस के तहत जो तमाम सुविधायें और लाभ दिए गये तो कंपनियों ने भारत में बेचने के लिये भारत में भी बनाना शुरू किया. इससे केवल उन्हें भारत का ही बाजार नहीं मिला, लागत कम होने से वह विदेशों में भी बेचने लगीं. भारत निवेश का केंद्र बनने लगा. सस्ता कच्चा माल, सस्ता श्रम, जीएसटी, कम दर वाला आयकर डिजिटल और भौतिक इंफ़्रा ये सब ने मिलकर मेक इन इंडिया को सुगम बना दिया. अब विदेशी कंपनियों के लिए भारत में बनाना सस्ता होने लगा।

भारत सरकार को भी यह लगने लगा कि भारत अगर बाहर से ही माल खरीदता रहेगा तो ना तो भारत को प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता हासिल होगी और ना भारत आत्मनिर्भर बन पायेगा. इसीलिए भारत सरकार ने मेक इन इंडिया के साथ साथ आत्मनिर्भर भारत भी शुरू किया. भारत सरकार ने यह भी सोचा कि जब बिक्री उनकी कन्फर्म है तो क्यों ना उन्हें बोलें कि भारत को भारत में ही बना के बेचो। सरकार ने पहली शुरुवात इसकी डिफेंस से की और धीरे धीरे कई क्षेत्रों में यह होने लगा।

जिसमें मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक का बढ़ता हुआ बाजार है। इससे भारत में उत्पादन भी बढ़ा, रोजगार भी बढ़ा, और भारत में लाभ पर कमाई भी भारत में मिली. जबकि यह सब फीचर मेड इन इंडिया में सीमित रूप में थी।

मेक इन इंडिया ने विदेशी भण्डार के बढ़ाने और चालू खाते का घाटा कम करने में मदद की क्यूंकि इससे बड़ी मात्रा में आयात की मात्रा कम हो गई. सरकार ने इसे सहूलियत देने के लिए कुछ टैक्स और क़ानूनी सुधार भी किये ताकि मेक इन इंडिया सफल हो. सरकार ने कॉर्पोरेट टैक्स रेट घटाकर देश ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंका दिया था. कुछ चुनिन्दा टैक्स आक्रामकता को लेकर जो भारत की छवि दुनिया में बनी हुई थी, वो अब बीते कुछ समय से खत्म होने लगी. अब भारत टैक्स टेररिज्म वाला देश नहीं रहा, निवेशकों को भी लगने लगा कि अब वह दौर गया जब पिछले तारीख से टैक्स के कानून बदल जाया करते थे. पूरे देश में जीएसटी लगाने से भी टैक्स की परिभाषाओं को समझने की जो सहूलियतें मिली, उसका सबने स्वागत किया।

वित्त मंत्री की घोषणा कि 22 फीसदी टैक्स का विकल्प चुनने वाली कंपनियों को न्यूनतम वैकल्पिक कर नहीं देना होगा, नई घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी यदि कोई प्रोत्साहन या छूट नहीं ले रही है तो वह 15 फीसदी कॉरपोरेट टैक्स रेट के हिसाब से टैक्स दे सकती है, ऐसी नई कम्पनियों के लिए सभी सरचार्ज और सेस लगाने के बाद नई मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी के लिए टैक्स की प्रभावी दर 17.01 फीसदी हो जाएगी, भारत के इन क़दमों से विश्व में भारत की टैक्स साख खूब बढ़ी और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर भारत की तरफ देखने लगा. चीन में कॉरपोरेट टैक्स की मानक दर 25 फीसदी है।यदि कोई कॉर्पोरेट चीन की सरकार द्वारा प्रोत्साहन के लिए चिन्हित क्षेत्रों में कारोबार करता है तो उसके लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर तभी घटाकर 15 फीसदी की जा सकती है।

इसलिए भारत की तुलना में जहाँ सभी नई यूनिट को 15 फीसदी की दर दी गई हैं ,चाइना की 15 फीसदी की दर काफी प्रतिबंधित है।

कॉरपोरेट टैक्स की दर को घटाने का दुनिया के कारोबारियों ने स्वागत किया है. उनका मानना है कि इससे भारत की और विश्व की भी आर्थिक सुस्ती दूर होगी और उन्हे भारत में मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधि बढ़ाने का एक नया अवसर मिलेगा. जहां तक वित्तीय घाटा का प्रश्न है इस टैक्स कटौती से राजस्व को होने वाले नुकसान से वित्तीय घाटा अधिक नहीं बढ़ेगा, क्यों की एक तरफ तो यह कटौती होगी दूसरी तरफ जीएसटी एवं आयकर दोनों कर चुकाने वालों का आधार बढ़ जाएगा और इससे राजस्व की वसूली बढ़ेगी. इस कदम के जो सबसे पहला फायदा है वह यह है कि इससे भारतीय कंपनियों में कैश फ्लो बढेगा, जिसका इस्तेमाल कंपनियां अपने कर्ज को सही करने में और नौकरियां बढ़ाने या उसे स्थिर रखने में कर सकती हैं।

वैश्विक स्तर पर अगर देखेंगे तो जो शीर्ष के 10 मैन्युफैक्चरिंग देश हैं उनके यहाँ भी जो कर की प्रभावी दर है निर्माण कारखानों पर, वह अब हमसे ज्यादे हो गई है मतलब चीन, यूनाइटेड किंगडम, कोरिया, इटली, जापान फ्रांस आदि देशों के कॉर्पोरेट इनकम टैक्स अब भारत के नए प्रभावी कॉर्पोरेट इनकम टैक्स 17 फीसदी से ज्यादे हो गए हैं और जबकि भारत की दर किफायती हो गई है।

ऐसी दशा में जो वैश्विक निवेशक हैं, उनके लिए भारत अब नए ट्रेंड के रूप में सामने आया है. भारत के अप्रोच में जो बदलाव है मेड इन इंडिया से मेक इन इंडिया में इससे भारत को दीर्घ काल में लाभ होगा. जी20 देशों की भारत में बैठक के इस जुटान के अवसर का भारत अपने आपको मैन्यूफैक्चरिंग विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर चीन की राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में बढ़त हासिल कर सकता है। (युवराज)

वन नेशन, वन इलेक्शन क्या फायदे और क्या नुकसान ?

सुनील कुमार महला

हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम वर्ष में जब कुछ राज्यों के चुनाव व आम चुनाव को लेकर बहुत ही कम समय बचा हुआ है, 'एक देश, एक चुनाव' के विचार को लेकर देश में एक नई बहस को जन्म दिया है। वास्तव में, इस विचार के पीछे आखिर तार्किकता अथवा लाजिक क्या है ? प्रश्न यह भी उठता है कि क्या देश में एक ही समय में चुनाव कराये जाने चाहिए अथवा अलग अलग चुनाव कराने चाहिए ? इनके फायदे क्या हैं और नुकसान क्या हैं ?, इस पर हमें यहां गहन मंथन करने की जरूरत है। प्रश्न यह भी है कि क्या वन नेशन, वन इलेक्शन को अमलीजामा पहनाया जा सकता है अथवा नहीं? यहां यह भी प्रश्न उठता है कि क्या विपक्षी दलों की इस कंसेप्ट(वन नेशन वन इलेक्शन) पर सहमति मिल सकेगी ? क्या केंद्र सरकार वैधानिक व संवैधानिक जरूरतों को पूरा कर पायेगी ? बहरहाल, विपक्षी दल सरकार के इस कदम को ठीक नहीं मान रहें हैं और उनका यह मानना है कि यह उनके राजनीतिक हितों के सर्वथा खिलाफ है। सच तो यह है कि विपक्षी दल सरकार के इस कंसेप्ट यानी कि वन नेशन वन इलेक्शन को मानने को तैयार नजर नहीं आतें हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में आठ सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन भी कर दिया है। यह कमेटी वन नेशन वन इलेक्शन के फायदों और नुकसानों का संपूर्ण अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

बताया जा रहा है कि यह समिति यह भी सिफारिश करेगी कि क्या संविधान में संशोधन के लिए राज्यों के अनुमोदन की आवश्यकता होगी अथवा नहीं होगी। सरकार ने इस संबंध में 18 सितंबर 2023 से संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने की घोषणा भी की है, और मीडिया के हवाले से यह खबरें लगातार आ रहीं हैं कि इस विशेष सत्र में वन नेशन वन इलेक्शन से संबंधित विधेयक लाया जा सकता है। पाठकों को यहां जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 1951 से लेकर 1967 तक देश में लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते थे, लेकिन वर्ष 1967 के बाद स्थिति बदल गई। देश की क्षेत्रीय पार्टियों का मानना है कि लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से राष्ट्रीय मुद्दे हावी हो जाते हैं तथा क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाते हैं। इसका लाभ राष्ट्रीय पार्टियों को ज्यादा मिलेगा। क्षेत्रीय पार्टियों का यह भी मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन होने से उनकी राजनीति की सेहत पर बहुत ही विपरीत व गलत प्रभाव पड़ेगा। एक साथ चुनाव कराने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा तथा संविधान में संशोधन करने की जरूरत भी होगी। कई विधानसभाओं के कार्यकाल को बढ़ाना पड़ेगा तथा कई विधानसभाओं का कार्यकाल घटाना पड़ेगा। वैसे कुछ विषय विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि

वन नेशन, वन इलेक्शन लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही सराहनीय कदम इसलिए, कहा जा सकता है क्यों कि इससे चुनावों पर होने वाले खर्च में अभूतपूर्व कमी आएगी।

इससे पूरे देश में प्रशासनिक व्यवस्था में दक्षता बढ़ेगी और देश के विभिन्न संसाधनों की बचत हो सकेगी। इसके साथ ही विकास की गति भी धीमी नहीं पड़ेगी। इतना ही नहीं, इससे केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों और कार्यक्रमों में निरंतरता सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। लेकिन वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों का यह भी मानना है कि इसमें(वन नेशन, वन इलेक्शन) बहुत सी चुनौतियां भी हैं। जैसे इसके लिए राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को लोकसभा के साथ जोड़ने के लिए, जैसा कि ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि विभिन्न संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो विभिन्न संसदीय प्रक्रियाओं में भी संशोधन को जामा पहनाना होगा।

कुछ लोग इस मत के हैं कि एक साथ चुनाव कराने का यह घाटा होगा कि क्षेत्रीय दल भी स्थानीय मुद्दों को मजबूती से नहीं उठा पायेंगे। क्षेत्रीय दल चुनाव खर्च और चुनाव रणनीति के मामले में राष्ट्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भी असमर्थ होंगे। इतना ही नहीं देश के संघवाद के लिए एक साथ चुनावों से उत्पन्न चुनौतियों की भी आशंका है। अतः कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है एक साथ चुनाव कराने के अपने अपने फायदे और नुकसान दोनों ही हैं। यह तो अब समय के घेरे में ही है कि वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित की गई समिति सरकार इस संबंध में क्या और कैसी(वन नेशन वन इलेक्शन के पक्ष या विपक्ष में) रिपोर्ट प्रस्तुत करती है ?

(आर्टिकल का उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है।)

मक्खा-मक्खी का खेल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वाट्सप के मैसेजस पढ़ने से फोकट का ज्ञान बहुत मिलता है। ज्यादातर तो यह बंटाधार करता है, लेकिन कभी-कभार हम जैसे दसवीं में पाँच बार लुढ़क्की मारने वाले की किस्मत भी चमका देता है। हुआ यूँ कि हम उन दिनों खुली भैंस की माफिक जहाँ-तहाँ वाट्सप के अलग-अलग समूहों वाले खेत चरने का शौक रखते थे। कई वाट्सप खेत के मालिक वही होते थे लेकिन मुद्दे की फसल बदल जाती थी। वाट्सप मक्खी उड़ाऊ बैच के लिए बड़ी काम की चीज़ है। अगर आप में मक्खी उड़ाने का टैलेंट है तो आ जाओ वाट्सप के मैदान में। आपको ऐसे-ऐसे मक्खी उड़ाऊ मिलेंगे कि नानी याद आ जाएगी।

एक दिन हमारा पाला एक बुढ़ऊ मक्खा से पड़ गया। यहाँ हम नर मक्खी या मादा मक्खी कहने के पचड़े में नहीं पड़ना चाहते। वैसे भी हम दसवीं फेल हैं और ऊपर से इतने दिनों से खाली बैठने का कुछ तो फायदा उठाना चाहिए। हमने नर मक्खी के लिए मक्खा शब्द का आविष्कार कर दिया। आज न्यूटन होते तो हमारे आविष्कार को देखकर अवश्य खुश होते। हाँ तो मैं बात कर रहा था बुढ़ऊ मक्खा के बारे में। बुढ़ऊ मक्खा ऊपर से बूढ़े नजर आते हैं, लेकिन अंदर से अभी भी जवान हैं। पहले कुछ दिन एक दो वाट्सप समूहों के लड्डुओं पर भिनभिनाए लेकिन वहाँ बात नहीं बनी। वहाँ से उन्हें उड़ा दिया गया। अब उन्हें लगा कि ऐरे-गैरे लड्डुओं पर बैठने का कोई फायदा नहीं। इसलिए खुद का एक लड्डू ढूँढ़ निकाला। बुढ़ऊ मक्खा ने अपने संग तीन-चार रंगीन मक्खियों को जोड़ लिया। इन तीन-चार रंगीन मक्खियों में एक इंटरनेशनल भी थी। भिनभिनाना गली, मोहल्ला, गाँव, शहर, राष्ट्र से ऊँचा उठ चुका था। अब भिनभिनाने का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो चुका था। अब इनका हर दिन एक ही काम था – भिनभिनाना। बुढ़ऊ मक्खा भिनभिनाता तो रंगीन मक्खियाँ उनकी तारीफ में भिनभिनाना शुरु कर देतीं। रंगीन मक्खियाँ भिनभिनाती तो बुढ़ऊ मक्खा लार टपकाते भिनभिनाना शुरु कर देते। अब रोज का यही तमाशा था।

बुढ़ऊ मक्खा अलग-अलग वाट्सप लड्डुओं की रंगीन मक्खियों को अपने लड्डू पर भिनभिनाने का न्यौता देते। भिनभिनाने को लड्डू मिले तो रंगीन मक्खी भला कैसे मना करतीं। बुढ़ऊ मक्खा में लड्डू ढूँढ़ निकालने का टैलेंट तो था लेकिन रंगीन मक्खियाँ इन सबमें फिसड्डी थीं।

श्रीकृष्ण ने दुर्योधन नहीं, विदुर के यहां क्यों किया भोजन

श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही उनकी सीख को जीवन में उतार लिया जाए तो हमारे सभी दुख दूर हो सकते हैं। श्रीकृष्ण से जुड़ी कई कथाएं हैं। इन कथाओं में जीवन प्रबंधन के सूत्र हैं। एक कथा में भगवान बताया है कि हमें किन लोगों के घर खाना नहीं खाना चाहिए। महाभारत में द्युत क्रीड़ा में युधिष्ठिर दुर्योधन और शकुनि से सब कुछ हार गए थे। उस समय ये तय हुआ था कि जब पांडव 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा कर लेंगे, तब उन्हें उनका हारा हुआ राज्य लौटा दिया जाएगा। युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव और द्रौपदी का 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा हो गया था। शर्त के मुताबिक, दुर्योधन को पांडवों का राज्य लौटाना था। इसके लिए श्रीकृष्ण पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर पहुंचे। भगवान ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों ने वनवास पूरा कर लिया है, अब उन्हें उनका राज्य लौटा दो। श्रीकृष्ण की बात सुनने के बाद दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया।
श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन दुर्योधन नहीं माना, उसने कहा कि वो पांडवों को एक गांव भी नहीं देगा। दुर्योधन की जिद के आगे धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोणाचार्य भी कुछ बोल नहीं सके। इसके बाद श्रीकृष्ण दरबार से जाने लगे तो दुर्योधन ने उनसे कहा कि आप हमारे अतिथि हैं, आप बिना भोजन किए न लौटें, मैं आपको मेरे महल में भोजन के लिए आमंत्रित करता हूं।
श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं किसी के यहां खाना खाते समय दो बातें ध्यान रखता हूं। पहली, मुझे बहुत भूख लगी हो। दूसरी, सामने वाला मुझे बहुत प्रेम से खिला रहा हो। अभी ये दोनों ही बातें नहीं हैं, न तो मुझे भूख है और न ही तुम मुझे प्रेम से निमंत्रण दे रहे हो। जैसा तुम्हारा स्वभाव है, इसमें भी कोई षड़यंत्र हो सकता है। इतना कहकर श्रीकृष्ण वहां से चले गए और बाद में भगवान ने विदुर के यहां भोजन किया था।

श्रीकृष्ण की सीख- इस कथा में भगवान ने सीख दी है कि जब हम किसी के घर खाना खाते हैं तो उस व्यक्ति के विचार और उसकी नीयत पर ध्यान जरूर देना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति के विचार अच्छे नहीं हैं, नीयत साफ नहीं है, वह अधर्म करता है तो उसके यहां भोजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि हम जैसा अन्न खाते हैं, वैसे ही हमारे विचार हो जाते हैं। ध्यान रखें खाने का हमारे मन पर सीधा असर होता है।

जन्माष्टमी की पूजा विधि

1. सबसे पहले गणेशजी को स्नान करवाएं। वस्त्र अर्पित करें। फल-फूल, चावल आदि चीजें चढ़ाएं। धूप-दीप जलाएं।
2. क्लीं कृष्णाय नमः मंत्र बोलते हुए श्रीकृष्ण की पूजा करें। शुद्ध जल और पंचामृत से अभिषेक करें।
3. भगवान को जनेऊ चढ़ाएं। चंदन, चावल, अबीर और गुलाल चढ़ाएं। नए कपड़े पहनाकर आभूषण से सजाएं।
4. हार-फूल, फल और तुलसी पत्र चढ़ाएं। सूखे मेवे, मिठाई, माखन-मिश्री का नैवेद्य लगाएं और पान चढ़ाएं।
5. धूप-दीप दिखाएं और नारियल पर पैसे रखकर भगवान को दक्षिणा अर्पित करें। भगवान को झूला झूलाएं।
6. चंद्रमा को अर्घ्य दें। बलराम, यशोदा माता और गाय की मूर्ति की इसी तरह पूजा करें।
7. कर्पूर जलाकर आरती करें। इसके बाद परिक्रमा करें। पूजा में हुई अनजानी भूल के लिए क्षमा याचना करें।
8. आखिरी में प्रसाद लें और बांट दें। फिर भजन-कीर्तन करें।

जन्माष्टमी के दिन अपना लें मोरपंख का ये उपाय

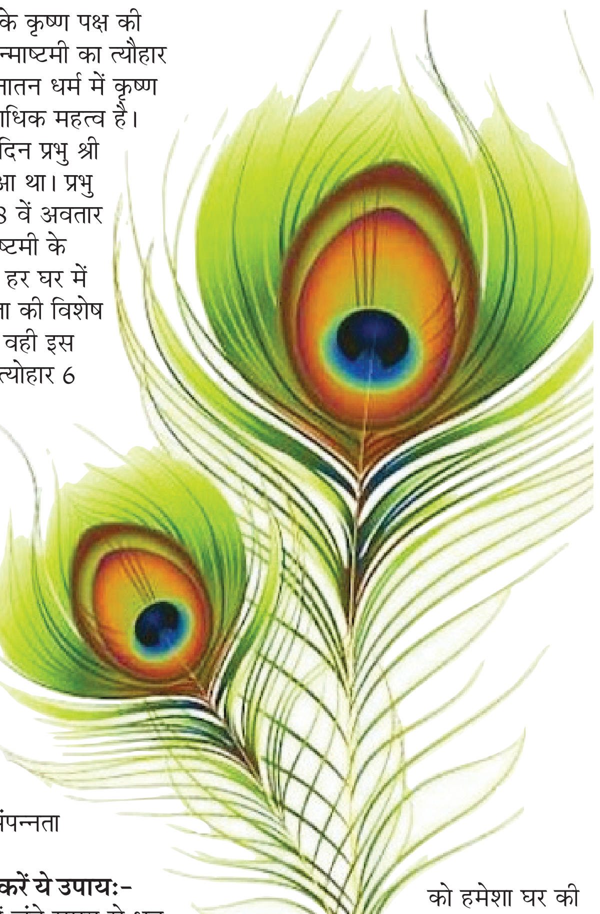

प्रत्येक वर्ष भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया जाता है। सनातन धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी का अत्याधिक महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु श्री कृष्ण तका जन्म हुआ था। प्रभु कृष्ण विष्णु जी के 8 वें अवतार माने जाते हैं। जन्माष्टमी के दिन मंदिर से लेकर हर घर में कृष्ण जन्म और पूजा की विशेष तैयारी की जाती है। वही इस बार जन्माष्टमी का त्योहार 6 सितंबर और 7 सितंबर दोनों ही दिन मनाया जाएगा। वही प्रभु श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के लिए भक्त मोरपंख अर्पित करते हैं। मान्यता है कि जन्माष्टमी के दिन मोरपंख से जुड़े कुछ उपाय करने से जीवन में आर्थिक संपन्नता आती है।

धन लाभ के लिए करें ये उपायः-
यदि आपके हाथ में लंबे समय से धन नहीं टिक रहा है तो जन्माष्टमी के दिन कृष्ण पूजन में पांच मोर पंख रखें तथा फिर 21 दिनों तक उन्हें पूजा स्थान पर रखें तथा बाद में धन रखने के स्थान या तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

मोर पंख में होता है सभी देवी-देवताओं का वास
ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, मोर पंख में सभी देवी देवताओं एवं नौ ग्रहों का वास होता है। इसलिए इसे घर में रखा अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यदि घर मोरपंख होता है तो घर में आर्थिक संपन्नता आती है तथा संकटों से बचाव होता है। अगर आपके घर पर मोरपंख नहीं है तो इस जन्माष्टमी पर आप मोरपंख घर ला सकते हैं।

घर की दक्षिण पूर्व दिशा में रखें
वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर में मोरपंख को हमेशा घर की दक्षिण पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। यह भगवान कुबेर का स्थान माना गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

श्रीकृष्ण के मुकुट में लगाएं मोरपंख
आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जन्माष्टमी पर प्रभु श्रीकृष्ण के मुकुट में मोरपंख लगाएं और इसे 40 दिन बाद अपने धन स्थान पर रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है।

वैवाहिक जीवन से जुड़ी दूर होंगी परेशानियांः-
यदि आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी चल रही है तो जन्माष्टमी के दिन बेडरूम में मोरपंख रख दें।
फिर यह मोरपंख पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार पर लगाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से दांपत्य जीवन सुखद होता है।

जन्माष्टमी के दिन कर लें तुलसी का ये छोटा सा उपाय

प्रत्येक वर्ष भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया जाता है। सनातन धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी का अत्याधिक महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु श्री कृष्ण तका जन्म हुआ था। प्रभु कृष्ण विष्णु जी के 8वें अवतार माने जाते हैं। जन्माष्टमी के दिन मंदिर से लेकर हर घर में कृष्ण जन्म और पूजा की विशेष तैयारी की जाती है। वही जन्माष्टमी की दो तारीखों को लेकर चल रही असमंजस अब समाप्त हो गई है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थल तथा वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में 7 सितंबर को जन्माष्टमी मनाई जाएगी। वही हिंदू धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, प्रभु श्री कृष्ण को तुलसी का पौधा अति प्रिय है। दरअसल ऐसी मान्यता है कि तुलसी का विवाह प्रभु श्री कृष्ण के ही रूप से हुआ था। इसलिए ऐसा माना जाता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां प्रभु श्री कृष्ण का आर्शीवाद हमेशा बना रहता है। देशभर में जनमाष्टमी का उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

मान्यता है कि इस दिन किए उपाय बेहद शुभ लाभदायी होते हैं, जिन्हें करने से प्रभु श्री कृष्ण की खास कृपा प्राप्त होती है। आइये बताते है तुलसी के कुछ उपाय।।।

जन्माष्टमी के दिन कर लें ये खास उपायः-

समस्याओं से मिलेगा जल्द छुटकाराः-
धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति जन्माष्टमी के दिन तुलसी के इन उपायों को कर लेता है तो उसके जीवन के सारे दूख दूर हो जाते हैं। इस दिन तुलसी के सामने खड़े हो कर प्रभु श्री कृष्ण को अलग-अलग नाम जैसे गोपाल, गोविंद, देवकीनंदन एवं दामोदर का उच्चारण कर साथ में ओम् नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का उच्चारण करें।

आर्थिक स्थिति में आएगा सुधारः-
जन्माष्टमी के दिन अगर भक्त श्री कृष्ण के भोग में तुलसी का पत्ता रखता है तो उस प्रसाद को पूरा माना जाता है। ऐसा करने से श्री कृष्ण तथा मां लक्ष्मी दोनों की ही कृपा हमेशा बनी रहती है।

वैवाहिक जीवन गुजरेगा सुखमयः-
अगर जन्माष्टमी के दिन तुलसी का पौधा घर में लगाया जाए तो इससे वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है। इसके अतिरिक्त यह उपाय उनके लिए भी लाभदायी हैं जिनकी शादी में अब तक बाधा आ रही थी।

ऐसे पूरी होगी मनोकामनाः-
ऐसा मान्यता है कि जिन्हें बिजनेस में तरक्की चाहिए तो उन्हें जन्माष्टमी के दिन तुलसी पर लाल रंग की चुनरी चढ़ानी चाहिए। इससे व्यापार में कामयाबी तो प्राप्त होगी ही साथ ही व्यक्ति मनोकामना भी पूरी हो जाएगी।

शरीर पर श्रीकृष्ण के ये निशान होना है बहुत शुभ

प्रत्येक वर्ष भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया जाता है। सनातन धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी का अत्याधिक महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु श्री कृष्ण तका जन्म हुआ था। प्रभु कृष्ण विष्णु जी के 8वें अवतार माने जाते हैं। जन्माष्टमी के दिन मंदिर से लेकर हर घर में कृष्ण जन्म और पूजा की विशेष तैयारी की जाती है। वही इस बार जन्माष्टमी का त्योहार 6 सितंबर और 7 सितंबर दोनों ही दिन मनाया जाएगा. ऐसी मान्यताएं हैं कि भगवान श्री कृष्ण के शरीर पर कुछ खास निशान थे, जिन्हें बहुत ही शुभ माना जाता है। दरअसल इस तरह के निशान अगर किसी इंसान के शरीर पर हों तो यकीनन वो दुनिया का सबसे खुशहाल, स्वस्थ और समृद्ध इंसान हो सकता है। आइए बताते हैं इन निशानों के बारे में।

अर्ध चंद्र- ऐसा कहा जाता है कि श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर अर्ध चंद्र का निशान था। केवल यही नहीं बल्कि यही अर्ध चंद्र भगवान शिव के मस्तक पर भी सजा हुआ है। कहा जाता है कि जिन लोगों के शरीर पर ये अर्ध चंद्र होता है, वो करियर के मामले में ऊंचाइयों को छूते हैं।

शंख- श्री कृष्ण के पैर के तलवे पर शंख जैसा भी एक निशान था। कहते हैं भगवान विष्णु के एक हाथ में भी शंख होता है, जिसकी ध्वनि से अंतर्आत्मा और चेतना जागृत होती है। ऐसे में शरीर पर शंख जैसा निशान जीवन में सफलता और सुख-शांति का प्रतीक समझा जाता है।

मछली जैसा निशान-
श्री कृष्ण की हथेली और पैर पर मछली जैसा निशान भी था। वहीं हिंदू धर्म में मछली को भगवान विष्णु को अवतार समझा जाता है। कहते हैं कि शरीर पर ये निशान प्रतिष्ठा का प्रतीक होता है।

त्रिभुज- अगर किसी इंसान के पैरों पर त्रिभुज का निशान हो तो ऐसे लोगों की जीवन में दिलचस्प लोगों से मुलाकात होती है।

तीर-कमान- पैर पर तीर-कमान जैसा निशान भी बहुत शुभ समझा जाता है। जी हाँ और ऐसे लोग जीवन में खूब संघर्ष करते हैं और जीत हासिल करते हैं।

हाथ पर तिल- यदि किसी इंसान के हाथ पर तिल हो तो ऐसे इंसान को साधारण समझने की भूल ना करें। ऐसे लोग मेहनती और विनम्र स्वभाव के होते हैं। इनका दांपत्य जीवन भी बहुत खुशहाल होता है।

बगल में तिल- अगर किसी इंसान के बाएं हाथ के बगल में तिल हो तो ऐसे लोग जीवन में बड़ी कामयाबी हासिल करते हैं।

कान पर तिल- जिन लोगों के कान पर तिल होता है, वो बहुत लकी होते हैं और ऐसा कहते हैं कि जिन लोगों के कान पर तिल होता है उन्हें जीवन में बिना किसी संघर्ष के ही सबकुछ मिल जाता है।

जन्माष्टमी के दिन जरूर कर लें ये एक काम घर में होगी धनवर्षा

प्रत्येक वर्ष भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया जाता है। सनातन धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी का अत्याधिक महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु श्री कृष्ण तका जन्म हुआ था।
प्रभु कृष्ण विष्णु जी के 8वें अवतार माने जाते हैं। जन्माष्टमी के दिन मंदिर से लेकर हर घर में कृष्ण जन्म और पूजा की विशेष तैयारी की जाती है। वही इस बार जन्माष्टमी 6 और 7 सितंबर दो दिन मनाई जाएगी। इस दिन लड्डू गोपाल मतलब श्रीकृष्ण की उपासना की जाती है।
मथुरा, वृंदावन ही नहीं बल्कि पूरे भारत में कृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है। धार्मिक ग्रथों के मुताबिक, श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के ही अवतार माने जाते हैं।
प्रभु श्रीकृष्ण की पूजा का खास महत्व माना जाता है। आइए आपको बताते हैं कि जन्माष्टमी के दिन कौन से विशेष उपाय करने चाहिए।
* जन्माष्टमी के दिन दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर प्रभु श्रीकृष्ण का अभिषेक करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी घर में बरकत लाती हैं।
* जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल की पूजा करते वक्त उनकी पसंदीदा चीजें जैसे मोरपंख, गाय का दूध, खीर एवं मिठाई उन्हें चढ़ाएं। ऐसा करने से घर की सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी।
* जन्माष्टमी के दिन पीले चंदन या केसर में गुलाब जल मिलाकर माथे पर टीका लगाएं, ऐसा करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है।
* जन्माष्टमी के दिन श्रीकृष्ण को जटा वाला नारियल तथा 11 बादाम चढ़ाएं। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

माखनः-
धार्मिक ग्रंथो में जो उल्लेख प्रपात होता है, उसके अनुसार यह कहा जाता है कि बचपन में प्रभु श्री कृष्णा मटकियों में रखा हुआ माखन चुरा कर खाते थे। यही वजह है कि उनका एक नाम माखनचोर भी है। जन्माष्टमी पर श्री कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए उन्हें माखन का भोग अवश्य चढ़ाएं।
*** मिश्रीः-**कन्हैया को जब भी माखन का भोग लगाया जाता है उसके साथ मिश्री अवश्य चढ़ाई जाती है। माखन के साथ खाई गई मिश्री उसके स्वाद को बढ़ा देती है। जब भी आप माखन का भोग लगाएं उसके साथ मिश्री रखना कभी ना भूलें।

पंजीरीः-
जन्माष्टमी पर पंजीरी का प्रसाद विशेष रूप से वितरित किया जाता है। रात में जब प्रभु श्री कृष्ण का जन्म होता है तब उन्हें सबसे पहले पंजीरी ही चढ़ाई जाती है।

सुपरहिट पापा मम्मी की बेटी ने खुद मारी पैर पर कुल्हाड़ी, ठुकराए करोड़ी प्रोजेक्ट्स

फिल्मी दुनिया में अक्सर सितारों के बच्चे भी मूवीज में ही भाग्य आजमाते हैं. कई फिल्मी परिवारों की पीढ़ियां फिल्म जगत से जुड़ी हुई हैं. लेकिन कई उदाहरण ऐसे भी हैं, जहां माता पिता तो इंडस्ट्री के टॉप सितारों में शुमार थे लेकिन उनके बच्चे सफलता का स्वाद नहीं चख पाए. ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने शुरुआती दौर में खूब कोशिश की लेकिन गलत फिल्मों का चयन उनके लिए नुकसानदायी साबित हुआ. हम यहां जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, उनके माता पिता दोनों ही बॉलीवुड के महान सितारे हैं. दोनों ने ही बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं और दोनों आज भी फिल्मी दुनिया का हिस्सा हैं. वहीं, इस एक्ट्रेस का भाई भी सुपरहिट एक्टर है और हाल ही उसने एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है.

फोटो देखकर शायद आप इस एक्ट्रेस को पहचान गए होंगे. हम यहां बात कर रहे हैं धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की लाडली ईशा देओल की. ईशा देओल का जन्म 2 नवम्बर 1981 को हुआ था. ईशा, धर्मेंद्र और हेमा की पहली बेटी हैं और उन्होंने अपने करियर की शुरुआत लीड एक्ट्रेस के तौर पर 2002 में 'कोई मेरे दिल से पूछे' से की थी.

ईशा देओल ने 'ना तुम जानो ना हम', 'क्या दिल ने कहा', 'कुछ तो है', 'चुरा लिया है तुमने', 'धूम' जैसी कई फिल्मों के जरिए अपने करियर को संवारने की कोशिश की लेकिन हमेशा उनके हाथ निराशा ही लगी. अपने पापा मम्मी की तरह वे कभी ब्लॉकबस्टर सफलता का स्वाद नहीं चख सकीं. इसके बाद ईशा ने धीरे धीरे फिल्मों से दूरी बना ली. उन्होंने 2012 में बिजनेसमैन भरत तख्तियानी से शादी की थी और इनके 2 बच्चे हैं.

ईशा देओल ने अपने करियर में कई गलत फिल्मों का चुनाव किया. साथ ही कई ऐसी फिल्में भी ठुकराईं, जो उनके करियर को उछाल दे सकती थीं. हाल ही ईशा ने बॉलीवुड बबल को एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने खुद बताया कि कई अच्छे प्रोजेक्ट्स को उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था.'

ईशा के अनुसार, फिल्म 'ओमकारा' में उन्हें बिपाशा बसु वाला किरदार दिया गया था लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था. हालांकि उन्होंने माना कि बिपाशा ने अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया था. इसके अलावा उन्होंने रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल' के लिए भी इनकार कर दिया था. दोनों ही फिल्में काफी सफल रही थीं और यदि ईशा ये करतीं तो उनके करियर कहीं और होता.

ईशा का कहना था, 'ना सिर्फ ये दोनों बल्कि और भी कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिनके लिए मैंने मना किया और वे काफी अच्छे रहे. अगर मैं लिस्ट बताउंगी तो लोग मुझे चप्पल मारेंगे.' फिलहाल ईशा बीते दिनों वेब सीरीज हंटर टूटेगा नहीं तोडेगा में नजर आई थीं. वहीं, उनके भाई सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' ने बीते दिनों खूब धमाल मचाया था.

कौन है रिद्धि डोगरा?

इस 19 साल छोटी एक्ट्रेस ने निभाया है जवान में शाहरुख खान की मां का किरदार

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जवान' 7 तारीख को सिनेमाघरों में रिलीज होने को पूरे तरीके से तैयार है। फैंस लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। यहीं कारण है कि एडवास बुकिंग के दौरान ही इस फिल्म की 70 प्रतिशत टिकट बुक हो चुकी हैं। इस फिल्म में शाहरुख की मां का किरदार रिद्धि डोगरा ने निभाया है। चलिए जानें रिद्धि डोगरा के लाइफ से जुड़ी कुछ खास बातें।

'जवान' में शाहरुख की मां का किरदार किसने निभाया है

इस फिल्म में शाहरुख की मां का किरदार उनसे 19 साल छोटी एक्ट्रेस ने निभाया है। जिनका नाम रिद्धि डोगरा है, वह अभी केवल 38 साल की है। ऐसे में वह शाहरुख से करीब 19 साल छोटी हैं। इसके बावजूद भी उन्होंने इस फिल्म में उनकी मां का किरदार को बखूबी से निभाया है।

रिद्धि डोगरा को 'जवान' में पहचानना हुआ मुश्किल

फिल्म के ट्रेलर रिलीज होने के बाद लोगों को पता चला कि इस फिल्म में वह शाहरुख की मां का किरदार निभा रही हैं। ट्रेलर में उन्हें पहचानना काफी ज्यादा मुश्किल हो रहा था। फिल्म के ट्रेलर में रिद्धि बूढ़ी महिला के किरदार में नजर आई थीं। सफेद साड़ी पहने उनके इस लुक की चर्चा काफी ज्यादा हो रही हैं।

कौन है रिद्धि डोगरा?

रिद्धि डोगरा टीवी, ओटीटी और फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने कई हिट सीरियल्स, वेब सीरीज और फिल्मों में काम किया है। हालांकि इतने बड़े स्टार के साथ काम करते उन्हें पहली बार देखा गया हैं। रिद्धि डोगरा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में टीवी सीरियल 'झूमे जिया रे' से डेब्यू किया था। वहीं कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस सलमान की फिल्म ' टाइगर 3' में भी नजर आने वाली हैं।

रिद्धि डोगरा

'जवान' की एडवांस बुकिंग देखते ही बदले कमाल खान के सुर, पहले बताया 'बकवास', अब फिल्म को बता रहा 'मास्टरपीस'

शाहरुख खान और नयनतारा की मच अवेटेड फिल्म 'जवान' कल देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. 'जवान' का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही इस फिल्म का क्रेज ऑडियंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. किंग खान की इस फिल्म की एडवांस बुकिंग को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि ये पहली पैन इंडिया हिट फिल्म बन सकती है और शाहरुख अपनी ही फिल्म 'पठान' की ताबड़तोड़ कमाई के भी सारे रिकॉर्ड्स तोड़ सकते हैं. फिल्म को लेकर दर्शकों के उत्साह का अंदाजा फिल्म की एडवांस टिकट बुकिंग से ही लगाया जा रहा है और इन सब के बीच अब बॉलीवुड के एक विवादित एक्टर और डायरेक्टर ने फिल्म को लेकर दी अपनी राय पर यू-टर्न मार लिया है. कमाल खान ने ट्विटर पर 'जवान' को लेकर अपनी राय रखते हुए इस फिल्म को बकवास और साउथ इंडियन मसाला फिल्म बताया था.कमाल खान अपने ट्वीट में लिखते हैं, " मुझे सेंसर बोर्ड के सदस्य के हवाले से मिली खबर के मुताबिक 'जवान' एक बिना मतलब के बकवास फिल्म है. ये बस एक टोटल साउथ इंडियन मसाला फिल्म है". अब कुछ ही घंटों के अंदर इस एक्टर के सुर बदले-बदले से लग रहे हैं. कुछ घंटों बाद ही अब कमाल खान ने एक और ट्वीट करते हुए शाहरुख खान और नयनतारा की इस फिल्म को 'मास्टरपीस' बता डाला है. वह लिखते हैं, " मुझे एक बॉलीवुड के दोस्त ने फोन करके बताया कि 'जवान' एक मास्टरपीस है. इसके बाद मैं अब काफी कंफ्यूज हूं कि किसपर भरोसा करूं?". अब अगर फिल्म की एडवांस बुकिंग की बात करें तो 'जवान' के अबतक कुल 391,000 टिकट बिक चुके हैं जिसके हिसाब से फिल्म ने 20 करोड़ से ज्यादा कमाई कर डाली है. दिल्ली और मुंबई के कई सिनेमाघरों में फिल्म का सुबह 6 बजे का शो भी हाउसफुल हो चुका है.

"मनीषा रानी नहीं बन सकती एक्ट्रेस", पूजा भट्ट की इस बात पर बिहार की 'रानी' ने दिया करारा जवाब

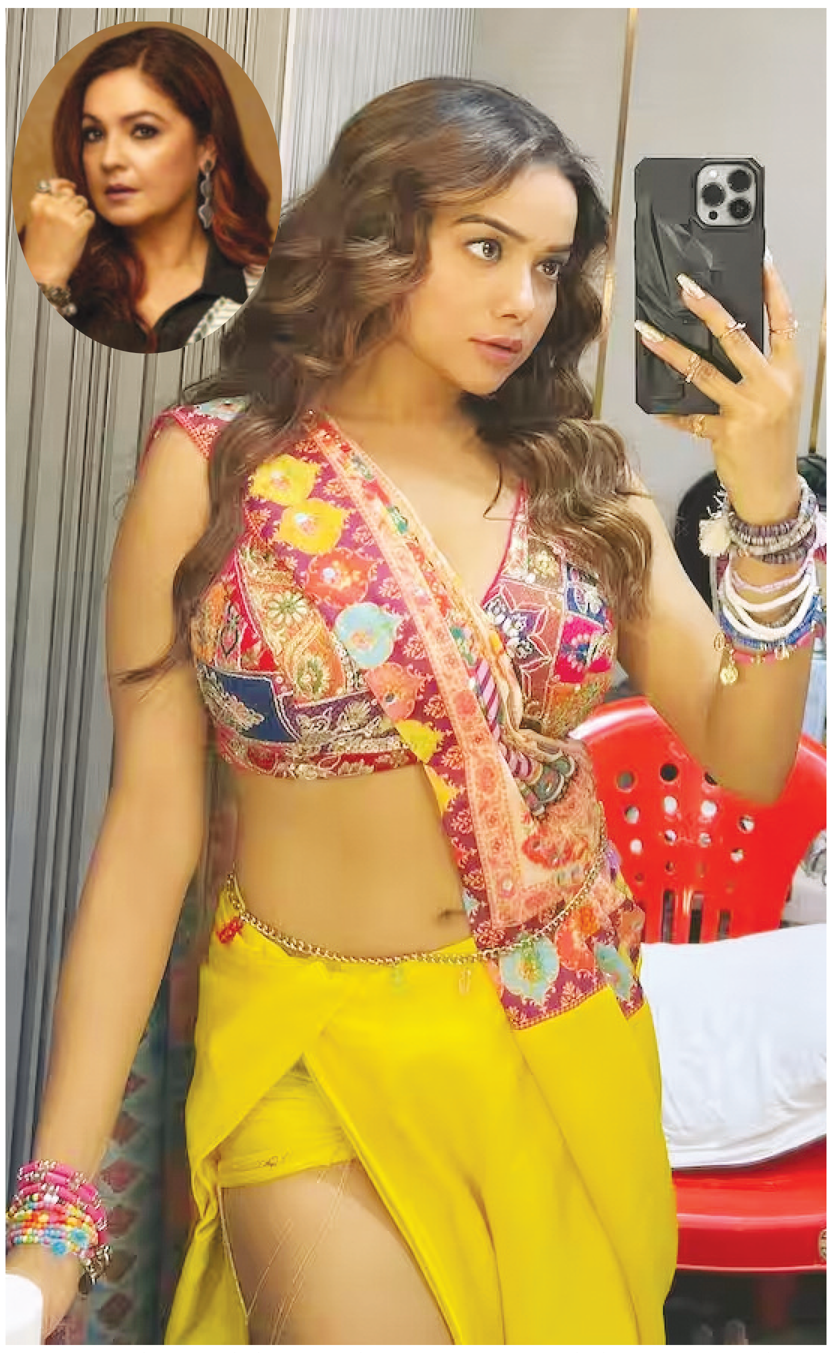

बिग बॉस ओटीटी 2 शो में पूजा भट्ट ने एक बार मनीषा रानी को लेकर कहा था कि वो कभी भी हीरोइन नहीं बन सकती हैं. जिसपर अब उन्होंने एक्ट्रेस का करारा जवाब दिया है. बिग बॉस के घर में अपनी अदाओं और चुलबुले अंदाज से लोगों का दिल जीतने वाली मनीषा रानी बहुत जल्द टोनी कक्कड़ के साथ एलबम में नजर आने वाली हैं. इन दिनों एक्ट्रेस अपने नए गाने 'जमना पार' का जमकर प्रमोशन कर रही हैं. जो 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है. इसी बीच मनीषा रानी ने पूजा भट्ट को मुंहतोड़ जवाब दिया है. दरअसल जब ये दोनों बिग बॉस के घर में थीं तो पूजा ने कहा था कि, मनीषा एक्टिंग मैटेरियल नहीं हैं. जिसपर अब मनीषा ने भी चुप्पी तोड़ी है.

एक इंटरव्यू में मनीषा रानी ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है तो मैं सिर्फ ये ही कहना चाहूंगी कि मैं खुद पर कड़ी मेहनत करूं और उनको ये दिखा दूं कि मैं हीरोइम बन सकती हूं. बता दें कि बिग बॉस के घर में मनीषा रानी एक एंटरटेनिंग कंटेस्टेंट थी. जो शो में टॉप 5 तक भी पहुंची थी. लेकिन ट्रॉफी उनकी नहीं हो पाई. वहीं अब वो टोनी कक्कड़ के साथ गाने 'जमना पार' को लेकर लाइमलाइट में है. जिसको लेकर टोनी और मनीषा दोनों के फैंस काफी एक्साइटिड हैं.

हम इंडियन नहीं भारतीय हैं : कंगना ने किया देश का नाम बदलने का सपोर्ट, कहा- गुलामी के नाम से आजाद हो गए हैं..जय भारत

देश का आधिकारिक नाम इंडिया से भारत किए जाने के कयासों के बीच एक्ट्रेस कंगना रनोट ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कंगना ने बताया कि उन्होंने 2021 में इस बात का अनुमान लगा लिया था कि जल्द ही देश नाम बदलकर इंडिया से भारत होना चाहिए।

देश का नाम भारत होना चाहिएः कंगना

कंगना ने मंगलवार को ट्विटर पर अपने पुराने इंटरव्यू का स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसमें दो साल पहले उन्होंने देश का नाम बदलने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था- 'हमें इंडिया नाम अंग्रेजों ने मिला है, इसलिए देश का नाम भारत होना चाहिए।' अपना पुराना ट्वीट शेयर करते हुए कंगना ने सभी को बधाई दी। उन्होंने लिखा- ' सभी को बधाइयां, हम सभी गुलामी के नाम से आजाद हो गएजय भारत।'

'इंडिया' नाम में प्यार करने जैसा क्या है?ः कंगना

कंगना ने एक और ट्वीट में लिखा- 'इंडिया' नाम में प्यार करने जैसा क्या है? सबसे पहले वो(विदेशी आक्रमणकारी) सिंधु का उच्चारण नहीं कर सके, तो उन्होंने नाम को बिगाड़कर 'इंडस' या 'हिंदोस' कर दिया। महाभारत काल से कुरुक्षेत्र के महायुद्ध में भाग लेने वाले सभी राज्य 'भारत महाद्वीप' के नाम से जाने जाते थे। तो वे हमें इंदु सिंधु क्यों कह रहे थे?'

पुरानी अंग्रेजी में इंडियन का मतलब केवल एक गुलाम होता थाः कंगना

कंगना ने आगे कहा- 'भारत नाम इतना सटीक है, 'इंडिया' का अर्थ क्या है? वो हमें रेड इंडियन कहते थे, क्योंकि पुरानी अंग्रेजी में इंडियन का मतलब केवल एक गुलाम होता था।

उन्होंने हमें इंडियन नाम दिया क्योंकि वह हमारी नई पहचान थी, जो हमें अंग्रेजों ने दी थी। पुराने जमाने की डिक्शनरी में भी इंडियन का मतलब गुलाम बताया जाता था, लेकिन अब इसे बदल दिया गया है। यह हमारा नाम नहीं है, हम भारतीय हैं, इंडियन नहीं।'

गदर 2 के बजट पर बोले अनिल शर्मा : कास्ट और क्रू ने ना के बराबर पैसा लिया, लोग फ्री में काम करने के लिए तैयार हुए

डायरेक्टर अनिल शर्मा इन दिनों गदर 2 की सक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं। वहीं अब हाल ही में अनिल ने बताया कि आखिर कैसे फिल्म के बजट में कटौती करते हुए उन्होंने 60 करोड़ रुपए में इस फिल्म को तैयार किया। एक इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने कहा- 'जब मैं कहता हूं कि मेरे पास गदर 2 के लिए पर्याप्त बजट नहीं था, तो मेरा मकसद किसी पर उंगली उठाना नहीं होता है। मैं मानता हूं कि फिल्म को उस वक्त में रिलीज करने का फैसला किया गया था, जब इंडस्ट्री एक बुरे दौर से गुजर रही थी।' अनिल ने आगे कहा- 'जी स्टूडियोज ने शुरुआत में लगभग 40 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दे दी थी। जबकि फिल्म को बनाने के लिए करीब 100 करोड़ का बजट होना जरूरी था। शूटिंग के दौरान जब प्रोड्यूसर्स को अहसास हुआ कि फिल्म के लिए लोगों के बीच क्रेज है, तो उन्होंने इसका बजट बढ़ाकर 60 करोड़ रुपए कर दिया।'

उन्होंने आगे कहा- 'गदर एक ब्रांड था। सनी देओल एक ब्रांड थे, लेकिन उस समय इंडस्ट्री इतना अच्छा परफॉर्म नहीं कर रही थी। इसलिए उन्होंने मुझे फिल्म के लिए उतना बजट नहीं दिया, जितना मुझे चाहिए था। फिर भी उन्होंने मुझे 60 करोड़ रुपए दिए थे, जो उस समय के हालत के हिसाब से ठीक था।' बजट में कटौती के बारे में बात करते हुए अनिल ने कहा- 'हम सभी ने मिलकर फिल्म के बजट में कटौती करते हुए फिल्म बनाने का फैसला किया। लोगों ने कम से कम फीस ली। वर्कर्स ने ना के बराबर पैसे लिए। हमने सिर्फ उतना ही पैसा लिया, जिससे हम अपना घर चला सकें। इतना ही हमारे लिए काफी था।'

अनिल ने कहा- 'हमने सारा पैसा फिल्म बनाने में ही खर्च कर दिया, जैसा गदर एक प्रेम कथा के साथ हुआ था। मुझे नहीं पता शूटिंग के लिए भीड़ कहां से आई थीं। हमने लोगों से फ्री में काम करने की रिक्वेस्ट की। अलग-अलग जगह से लोगों को लेकर आए। हमने पहले ही कह दिया था कि हम सिर्फ खाना देंगे, इससे ज्यादा और कुछ नहीं। 5000-6000 लोगों की भीड़ ने फिल्म में बिना पैसे लिए काम किया। लोग मुफ्त में काम करने के लिए सहमत हुए, क्योंकि उन्हें पिछली गदर बहुत पसंद आई थी।'

हिंदी भाषा को लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा कुछ ऐसा, हर कोई हो रहा उनका कायल

एक्टर पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कॉमेडी मूवी 'फुकरे 3' को लेकर चर्चा में हैं। इसी ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर उन्होंने हिंदी भाषा को लेकर काफी प्यारी बातें कही हैं, जिसे सुनने के बाद हर कोई उनका कायल हो रहा है। क्योंकि अक्सर लोग इंग्लिश और हिंदी भाषा के बारे में काफी कुछ कहते रहते हैं। इस पर उनसे भी सवाल किया गया, तो उन्होंने अपना रिएक्शन दिया।

फुकरे फ्रैंचाइजी का हिस्सा बने पंकज त्रिपाठी को दस साल पूरे हो चुके हैं और उन्होंने इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर की। इसके साथ ही अभिनेता ने उनकी हिंदी भाषा पर पकड़ को लेकर भी सवाल किया गया, जिस पर उन्होंने ऐसा जवाब दिया कि सभी तालियां बजाने लगे। जब ट्रेलर लॉन्च के दौरान पंकज त्रिपाठी से उनकी हिंदी भाषा पर पकड़ को लेकर सवाल किया गया। 'फिल्म में मुझे स्क्रिप्ट देवनागरी में ही मिली थी। मुझे देवनागरी में ही स्क्रिप्ट दी गई थी। क्योंकि देवनागरी में मैं याद कर लेता हूं एक बार पढ़कर। रोमन में मुझे मुश्किल होता है। हिंदी सिनेमा का हिस्सा हैं। हिंदी हार्टलैंड से आते हैं। हम हिंदी ही खाते हैं, हिंदी पीते हैं, हिंदी ही बिछाते हैं। बाकी अन्य भाषाओं से भी उतना ही प्यार है। उतना ही सम्मान है। कोई भी भाषा हो। लेकिन हिंदी हमारी भाषा है।' अब इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों ने पंकज त्रिपाठी की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'पंकज जी हमारी राष्ट्रीय भाषा के लिए इतना सम्मान दिखाने के लिए शुक्रिया।' हर किसी का दिल पंकज ने अपन बातों से जीत लिया। बता दें, पंकज त्रिपाठी हाल ही में फिल्म ओएमजी 2 में नजर आए थे, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है। इसके अलावा इस साल वो फुकरे 3, स्त्री 2, मेट्रो 2, मिर्जापुर 3, कड़क सिंह (अनिरुद्ध रॉय चौधरी की फिल्म), क्रिमिनल जस्टिस 4 जैसी फिल्में और वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं।

इंडिया का नाम भारत रखने पर जैकी श्रॉफ का रिएक्शन : बोले- भारत बोलना गलत नहीं, नाम बदलेंगे हम थोड़ी बदलेंगे

दिल्ली के प्रगति मैदान में 9-10 सितंबर के बीच G20 बैठक होने जा रही है। इस बैठक के डिनर में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन से एक इन्विटेशन कार्ड भेजा गया है, जिसमें प्रसिडेंड ऑफ इंडिया की जगह प्रसिडेंड ऑफ भारत लिखने पर विवाद छिड़ गया।

विपक्षी दलों का कहना है कि केंद्र सरकार देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करना चाहती है। ऐसे में बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ ने इस पर अपना रिएक्शन दिया है।

बोले- हम थोड़ी बदलेंगे

मंगलवार को जग्गू दादा दिल्ली के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां उनसे नाम बदलने को लेकर उनकी राय पूछी गई। जैकी ने कहा- 'भारत बोलना कोई बुरी बात तो नहीं है। इंडिया है तो इंडिया है, भारत है तो इंडिया है। मेरा नाम जैकी है, मुझे कोई जॉकी बोलता है, कोई जैकी बोलता है। मेरे नाम को इतना तोड़ देते हैं पर मैं नहीं बदलूंगा। हम कैसे बदलेंगे? नाम बदलेंगे हम थोड़ी बदलेंगे। भारत भारत है'।

अमिताभ बच्चन ने भी दिया रिएक्शन

इससे पहले अमिताभ बच्चन ने इस पर आप प्रतिक्रिया दी थी। अमिताभ बच्चन ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा- भारत माता की जय। अब उनके इस ट्वीट को देश के नाम को इंडिया से भारत किए जाने को लेकर साइलेंट सपोर्ट करने का तरीका बताया जा रहा है। उनका या ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

तेजी से बालों की लंबाई बढ़ाएगा घर पर 3 चीजों से बना यह सीरम

क्या आप भी चाहती हैं कि आपने बाल लंबे और घने हों? क्या आपको भी दूसरी महिलाओं के बाल देखकर जलन होती है? ऐसा आपके साथ ही नहीं, बल्कि कई महिलाओं के साथ होता है। बाल बढ़ाने के लिए हम न जाने क्या-क्या करते हैं। महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, मगर उसके बाद भी अच्छा रिजल्ट नहीं मिल पाता है।

मगर आज हम आपको हेयर सीरम की मदद से बालों को लंबा और घना बनाने के तरीके के बारे में बताएंगे। आपने सुना होगा कि हेयर सीरम बालों को मैनेजेबल बनाने का काम करता है, लेकिन आपको बता दें कि हमारे बताए गए इस नुस्खे से आप लंबे और घने बालों के साथ शाइन भी पाएंगी। यह सीरम कैसे बनाना है, इससे पहले चलिए हेयर सीरम के बारे में विस्तार से जानें।

क्या होता है हेयर सीरम?

यह एक लिक्विड फॉर्मूला है, जो बालों को डैमेज होने से बचाता है। यह बालों को ऑयली दिखाने की बजाय चमकदार बनाता है। हेयर सीरम में ऐसे अर्क होते हैं, जो बालों को मुलायम और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह न केवल बालों को पोषण देता है बल्कि मजबूती और चमक भी प्रदान करता है।

हेयर सीरम के फायदे

एक अच्छी गुणवत्ता वाला सीरम रेशमी फिनिश प्रदान करता है। यदि आपके बाल बहुत ज्यादा रूखे और फ्रिजी दिखते हैं, तो हेयर सीरम आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। हेयर सीरम का उपयोग करने से आपके बालों में जान वापस आ जाती है, जिससे आपके बाल मुलायम लगने लगते हैं। जब आपके बाल रंगों और स्टाइलिंग उपकरणों से डैमेज होते हैं, तो उन्हें बेहतर बनाने के लिए भी इसका

इस्तेमाल किया जाता है। हेयर सीरम भी बालों को स्वस्थ और चमकदार बनाता है। यह बालों को नमी प्रदान करे के साथ पोषण देता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे बाल चिपचिपे नहीं होते।

लंबे बालों के लिए हेयर सीरम बनाने की सामग्री-

4 बड़े चम्मच चावल
2 बड़े चम्मच मेथी दाना
1.5 बड़े चम्मच प्याज के बीज
4 गिलास पानी

लंबे बालों के लिए हेयर सीरम बनाने का तरीका-

सबसे पहले चावल को पानी में 26-28 घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

दूसरे दिन इस चावल के पानी को छानकर अलग गिलास में रख लें। अब इसमें मेथी दाना, प्याज के दाने डालकर फिर 24 घंटे भिगोएं।

अगले दिन यह एक चिपचिपा सीरम बन जाएगा। आप चाहें, तो इसमें एसेंशियल ऑयल डालकर मिलाएं और इसे एक छोटी बोतल में स्टोर करें।

कैसे लगाएं लंबे बाल के लिए बना सीरम

जैसे आप सामान्य रूप से हेयर सीरम का प्रयोग करती हैं, इसका इस्तेमाल भी वैसे ही करें। इससे पहले कि आप हेयर सीरम का उपयोग करना सीखें, आपको अपने हेयर टाइप की पहचान करनी होगी और अपनी आवश्यकताओं के लिए सही हेयर सीरम चुनना होगा।

सीरम को हमेशा गीले बालों पर ही लगाना चाहिए। अपने बालों को धोने के बाद, उन्हें तौलिए से सुखाएं और फिर घर पर बनाया हुए सीरम लगाएं।

इसके साथ ही ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा मात्रा में सीरम न लें। इसके लिए 2 पंप अपने हाथों में सीरम लेकर उन्हें बालों की लेंथ पर अच्छी तरह से लगाएं। बालों पर लगाने से पहले इसे हथेली में रगड़ें और फिर लगाएं।

हेयर सीरम लगाते वक्त न करें ये गलतियां-

ज्यादा सीरम लगाने से बाल सपाट और चिपचिपे हो सकते हैं, इसलिए इसका कम से कम इस्तेमाल करें।

जड़ों पर हेयर सीरम लगाने से बचना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बालों का वजन कम हो सकता है, जड़ें चिपचिपी दिखाई दे सकती हैं और उत्पाद स्कैल्प जमा हो सकता है। चूंकि बालों के सिरे प्राकृतिक रूप से ड्राई होते हैं, इसलिए सिरों से लेकर मिड तक हेयर सीरम लगाना सबसे अच्छा होता है।

हेयर सीरम लीव-इन उत्पाद हैं जो बालों की सतह पर बालों को नमी देने, मुलायम बनाने और उनकी सुरक्षा करने का काम करते हैं। इसे धोने से यह लेप निकल जाता है, इसलिए इसे लगाने के बाद सिर न धोएं।

ओह! तो इन वजहों से ड्राई हो रही है आपकी स्किन

सर्दियों के मौसम में ड्राई स्किन की समस्या आम होती है लेकिन अगर आप बेमौसम भी स्किन में डलनेस और ड्राइनेस का अनुभव करती हैं तो इसके पीछे कुछ खास कारण हो सकते हैं। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं इस बारे में। सुंदर और खिली-खिली त्वचा हर महिला की चाहत होती है, लेकिन खराब जीवनशैली के कारण ऐसा होना मुमकिन नहीं हो पाता है। महिलाएं सबसे ज्यादा डल और ड्राई स्किन से परेशान रहती हैं। वैसे तो सर्दियों के मौसम मे ड्राई स्किन की समस्या होती है लेकिन कुछ ऐसे लोग भी हैं जो हर मौसम में इससे परेशान रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि ड्राई स्किन होने का कारण क्या है ये पता किया जाए। अगर आपकी त्वचा हमेशा ड्राई और डल नजर आती है तो हम आपको इसके कारण बता रहे हैं। जानी मानी डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. डल और ड्राई स्किन के मुख्य कारणों की जानकारी दे रही हैं। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से ड्राई स्किन होने के मुख्य कारण।

खराब लाइफस्टाइल

जंक फूड खाने की आदत और पर्याप्त नींद (क्वालिटी नींद लेने के लिए अपनाएं ये टिप्स) नहीं लेने के चलते भी स्किन में में ड्राईनेस की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल जब हम सोते हैं तो हमारे स्किन सेल्स डैमेज त्वचा को रिपेयर करने का काम करते हैं, ऐसे में हमारे त्वचा की ऑयल ग्लैंड्स से ऑयल निकलता है। ये त्वचा को नमी देता है। अगर आप ठीक से नींद नहीं लेती हैं तो स्किन ड्राई नजर आने लगती है।

डिहाइड्रेशन

डिहाइड्रेशन के कारण भी आपकी स्किन ड्राई हो सकती है। पानी की कमी के कारण त्वचा की चमक धीरे धीरे खोने लगती है। ऐसे में कोशिश करें कि दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं। कैफीन का जरूरत से ज्यादा सेवन करना डिहाइड्रेशन में योगदार कर सकता है, जिसके

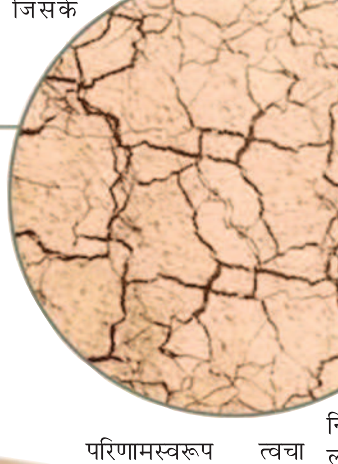

परिणामस्वरूप त्वचा फीकी और शुष्क हो सकती है।

स्मोकिंग और शराब का सेवन

बहुत अधिक मात्रा में स्मोकिंग और शराब का सेवन करने से भी स्किन में ड्राईनेस की समस्या हो सकती है। अल्कोहल के सेवन से शरीर के कुछ प्राकृतिक विटामिन लेवल कम हो जाते हैं जो स्किन सेल्स ग्रोथ और उसके काम पर असर डालता है।

जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी

जरूरी विटामिन्स जैसे विटामिन ए, सी, ई और जरूरी फैटी एसिड की कमी के कारण त्वचा में रूखापन और चमक की कमी हो सकती है।

खराब स्किन केयर रूटीन

एक्सपर्ट के मुताबिक इसका सबसे बड़ा कारण है त्वचा की ठीक देखभाल ना करना। बहुत सारे लोग स्किन केयर रूटीन को फॉलो नहीं करते हैं। स्किन को मॉइश्चराइज ना करने की वजह से स्किन ड्राई और डल हो सकती है।

कई लोग ऐसे होते हैं जो बिना सनस्क्रीन के ही धूप में निकल जाते हैं और सूरज की हानिकारण यूवी किरणें त्वचा को डल और डिहाइड्रेट करती है। सनबर्न (सनबर्न की समस्या से कैसे निपटें) के कारण त्वचा को नुकसान पहुंचता है और रूखापन बढ़ सकता है। हमेशा धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

ओवर एक्सफोलिएशन

ओवर एक्सफोलिएशन की वजह से आपकी त्वचा डल और ड्राई हो सकती है। त्वचा का नेचुरल ऑयल खत्म हो सकता है, इसके साथ ही स्किन की प्रोटेक्टिव बैरियर को नुकसान पहुंच सकता है।

इस कारण नमी खो जाती है और त्वचा सुस्त दिखाई देती है। सही स्किन केयर रूटीन को फॉलो करके और खुद को हाइड्रेट रख कर आप स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रख सकती हैं। इसके बावजूद आपकी स्किन डल और ड्राई नजर आती है तो आपको डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लेनी चाहिए।

पुराने बैडमिंटन रैकेट को इन तरीकों से करें रियूज

बड़ों से लेकर बच्चों तक, बैडमिंटन खेलना कई लोगों को पसंद होता है, लेकिन जब बैडमिंटन रैकेट पुराना हो जाता है तो आप उसे घर के एक कोने में रख देती होंगी। आज हम आपको बताएंगे कि आप पुराने रैकेट को कैसे रियूज कर सकती हैं। इसके लिए आपको अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा और आप पुराने रैकेट को फिर से यूज भी कर पाएंगी।

1)पुराने बैडमिंटन रैकेट से बनाएं मिरर

आप पुराने बैडमिंटन रैकेट से आसानी से हैंड मिरर बना सकती हैं। इसके लिए आपको पुराने बैडमिंटन रैकेट के नेट वाले पार्ट को कैंची की मदद से हटाना होगा और फिर एक कार्डबोर्ड को रैकेट के उस पार्ट पर लाना होगा जिससे आपने नेट हटाया है। कार्डबोर्ड को रैकेट से जोड़ने के लिए आप फेविस्टिक की मदद ले सकती हैं। इसके बाद इसके ऊपर हलके वजन का मिरर लगा दीजिए। इसके बॉर्डर को आप पेंट या फिर किसी लेस से सजा भी सकती हैं। इन स्टेप्स को फॉलो करके आप आसानी से हैंड मिरर बना सकती हैं।

2)पुराने बैडमिंटन रैकेट से बनाएं एक्सेसरीज ऑर्गेनाइजर

आप पुराने बैडमिंटन रैकेट से बेहद आसानी से एक्सेसरीज ऑर्गनाइजर बना सकती हैं। इसके लिए आपको बस रैकेट के नेट वाले पार्ट को साफ करना होगा और इसके बॉर्डर को सजाना होगा ताकि यह दिखने में सुंदर लगे और आप इसे कमरे में कहीं भी टांग सकती हैं और इसके नेट वाले भाग में एक्सेसरीज जैसे ब्रेसलेट, इयररिंग्स टांग सकती हैं।

रैकेट के नेट के अलावा आप इसके हैंडल पर कुछ पिन लगाकर उनके ऊपर भी इयररिंग्स टांग सकती हैं।

3)पुराने बैडमिंटन रैकेट से बनाएं टेबल बॉर्डर

आप पुराने बैडमिंटन रैकेट का यूज करके किसी भी छोटी टेबल का बॉर्डर बना सकती हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले एक साइज के चार या फिर तीन पुराने बैडमिंटन रैकेट को लेना होगा और फिर इसे टेबल के चारों तरफ अपोजिट करके लगाना होगा। इसे टेबल से जोड़ने के लिए आप

फर्निचर फेविकोल का यूज कर सकती हैं। इसके अलावा आप टेबल को सपोर्ट देने के लिए पुराने बैडमिंटन रैकेट को यूज कर सकती हैं।

4)पुराने बैडमिंटन रैकेट से बनाएं डेकोरेटिव आइटम्स

महंगे डेकोरेटिव आइटम्स को खरीदने से बेहतर है कि आप पुराने बैडमिंटन रैकेट का यूज करके डेकोरेटिव आइटम बनाएं। इसके लिए आपको रैकेट के नेट वाले हिस्से पर किसी फूल की डिजाइन में पेंट करना होगा। इसके लिए आप कोई व्हाइट बोर्ड का यूज भी कर सकती हैं और फिर इसे नेट वाले हिस्से में चिपका सकती हैं या फिर आप किसी कलरफुल मोटे धागे से रैकेट पर डिजाइन बना सकती हैं। इसके बाद आपको इसके हैंडल पर लेस से डेकोरेट करना होगा। डेकोरेटिव आइटम बनाने के बाद आप इसे घर में कहीं पर भी टांग सकती हैं।

5)पुराने बैडमिंटन रैकेट से बनाएं नेट

आप पुराने बैडमिंटन रैकेट से मच्छरों या कीड़ों को दूर करने वाला नेट बना सकती हैं। इसके लिए आपको एक नेट लेना होगा और बैडमिंटन के बॉर्डर पर जोड़ना होगा। इसके बाद आपको बीच वाले रैकेट के हिस्से को हटा देना होगा। इस प्रकार से आप पुराने बैडमिंटन रैकेट का यूज करके मच्छरों या कीड़ों को पकड़ सकती हैं।

घर में मौजूद इन चीजों में उगाएं पौधे, नहीं करना पड़ेगा गमले खरीदने के लिए खर्च

घर में मौजूद कोई भी चीज बेकार नहीं होती है। आप छोटी से छोटी चीज को भी फेंकने की बजाए दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं। खासतौर पर अपने घर के गार्डन के लिए आप पुरानी चीजों को अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि आप किन पुरानी चीजों को गमलों की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

दूध के पैकेट में उगाएं पौधें

दूध के पैकेट बहुत मजबूत होते हैं, जिनमें आप आसानी से पौधे उगा सकते हैं। आपको बस पैकेट को काटकर पानी की मदद से धोना है। इसके बाद पैकेट में मिट्टी और खाद डालकर पौधा लगाएं। छोटे पौधों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है।

खराब बाल्टी में पौधें कैसे लगाएं?

घर में अक्सर बाल्टी टूट जाती है या पुरानी हो जाती है, जिसे हम फेंक देते हैं। आप चाहें तो इन बाल्टियों का इस्तेमाल भी गमले की तरह कर सकते हैं। बाल्टी बहुत मजबूत होती है। इसलिए आप इसमें आसानी से कोई भी पौधा लगा सकते हैं। (गमले की पुरानी मिट्टी का ऐसे करें दोबारा इस्तेमाल)

कोल्ड ड्रींक की बोतल या कैन में लगाएं पौधें

कोल्ड ड्रींक की बोतलें हम सभी के घर में खाली होती हैं। हम कुछ बोतलों नें पानी डाल लेते हैं और बाकी फेंक देते हैं। बोतल को

बीच में से काटकर आप उसे भी गमले की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। प्लास्टिक की बोतल पर पेंट कर उसे सुंदर लुक भी दी जा सकती है।

दही के कप में लगाएं पौधें

इन सभी चीजों के अलावा आप दही के कप में भी पौधे लगा सकते हैं। दही के कप के अलावा घर में टूटे हुए डिब्बों आदी किसी में भी आप पौधें उगा सकते हैं।

दाल, चावल, चीनी में लगने लगे हैं कीड़े? इन हैक्स से सुरक्षित रखें घर का राशन

मौसम बदलते ही अनाज में कीड़े लगने की समस्या बहुत बढ़ जाती है। दाल, चावल, मसाले, रवा आदि में सफेद इल्ली और काले घुन होने लगते हैं। ऐसे में कुछ स्टेप्स जरूर फॉलो करें जो आपका सामान बर्बाद होने से बचाएंगी। किचन की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक होता है कि दाल या चावल में कीड़े लग जाएं।

अगर किचन के किसी एक डिब्बे में कीड़ों ने हमला कर दिया, तो पूरी अलमारी में कीड़े लगने का खतरा बना रहता है। छोटी-छोटी इल्लियां और काले रंग के घुन दोनों ही अनाज को खराब करने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि एक बार कीड़े लग गए, तो उन्हें साफ करने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी होती है। आप ऐसा भी नहीं कर सकतीं कि अनाज में यूं ही कोई केमिकल की गोली डाल दें क्योंकि ऐसा करने से आपकी सेहत पर भी असर पड़ सकता है।

ऐसे में यह जरूरी है कि आप पहले से ही अपने अनाज को सुरक्षित करके रखें। आज जिन हैक्स की बात हम करने जा रहे हैं, वो अनाज को कीड़ों से बचाएंगे भी और साथ ही साथ अगर उनमें कीड़े लग गए हैं, तो उन्हें भगाएंगे भी।

सूखी नीम की पत्तियों को अनाज में डालें

सबसे आसान तरीका अनाज से कीड़े हटाने का यही हो सकता है कि आप सूखी हुई नीम की पत्तियों को उसमें डालकर रख दें। गेहूं, दाल और चावल के लिए तो ये तरीका काफी उपयोगी साबित होता है।

हां, आपको क्वांटिटी थोड़ी ज्यादा रखनी होगी। एक-दो पत्तियों से काम नहीं चलेगा। अगर आप नीम की पत्तियों को अनाज में रख रही हैं, तो ध्यान रखें कि किसी भी हालत में पत्तियां गीली ना हों।

अगर आप किसी भी कारण से गीली पत्तियों को रख देंगी, तो फंगस भी हो सकती है। इसलिए सूखी नीम की पत्तियों को ही अनाज में डालें।

माचिस के डिब्बे से दूर करें कीड़ों की समस्या

हो सकता है कि इस होम रेमेडी के बारे में सुनकर आपको थोड़ा अजीब लगे। पर शायद आपको पता नहीं कि ये रेमेडी आपके कितने काम आ सकती है। दरअसल, माचिस के डिब्बे में सल्फर होता है जिससे कीड़े डरकर भागते हैं। इस सल्फर की वजह से अनाज खराब ना हो इसलिए किसी कपड़े में बांधकर माचिस का डिब्बा रखें। ध्यान रखें कि जिस भी डिब्बे में इसे रख रही हैं उसमें किसी तरह का मॉइश्चर ना हो। माचिस के डिब्बे में बारूद भी होता है इसलिए अगर आप ये ट्रिक आजमा रही हैं, तो अनाज को हमेशा दो-तीन बार धोकर ही इस्तेमाल करें।

काली मिर्च की मदद से खत्म होंगे अनाज के कीड़े

काली मिर्च भी ऐसी चीज है जिससे कीड़े दूर भागते हैं। हां, आप अनाज के बीच में साबुत काली मिर्च रख सकती हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इसे रखते हुए किसी कपड़े में बांध दें वर्ना काली मिर्च अनाज के स्वाद पर भी असर डाल सकती है। अगर एक-दो कीड़े ही दिख रहे हैं, तो आप इस तरीके को जरूर अपना कर देखें।

तेजपत्ता और लौंग दूर भगाएगा कीड़े

अनाज में कीड़े लगने से बचाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं और उसी में से एक आजमाया हुआ उपाय है तेजपत्ता और लौंग अनाज में रखने का। आप अनाज के डिब्बे में दो-तीन तेज पत्ता और 10-12 लौंग डाल दीजिए। अगर कीड़े लग गए हैं, तो वो खत्म होने लगेंगे और अगर कीड़े नहीं लगे हैं, तो वो आएंगे ही नहीं।

अनाज से कीड़े निकालने के लिए क्या नहीं करना है?

अनाज में कीड़े लगना आम बात है और इसके लिए हम तरह-तरह के उपाय भी कर लेते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ रिस्की चीजें अपना लें।

मार्केट में सल्फास जैसी जहर वाली गोलियां भी मिलती हैं जिन्हें लोग कपड़े में बांधकर अनाज में रख लेते हैं। ऐसा करने से आप खुद को बहुत रिस्क में डाल सकती हैं। इस तरह की गोलियां किसी भी तरह से सुरक्षित नहीं होतीं।

कुछ लोग तेल लगाकर अनाज को धूप में सुखा लेते हैं। यह तरीका 1-2 किलो क्वांटिटी के लिए तो सही है, लेकिन अगर आप बहुत ज्यादा इसका इस्तेमाल करेंगी, तो तेल पुराना होते ही अनाज में से बदबू आने लगेगी।

आप अनाज को धूप में सुखाकर कीड़ों की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं, लेकिन ऐसे किसी मौसम में ना सुखाएं जिसमें जरा भी मॉइश्चर या नमी हो। अगर अनाज में बहुत ज्यादा कीड़े लग गए हैं, तो उसे बचाकर ना रखें। उसे फेंकने में ही भलाई है।

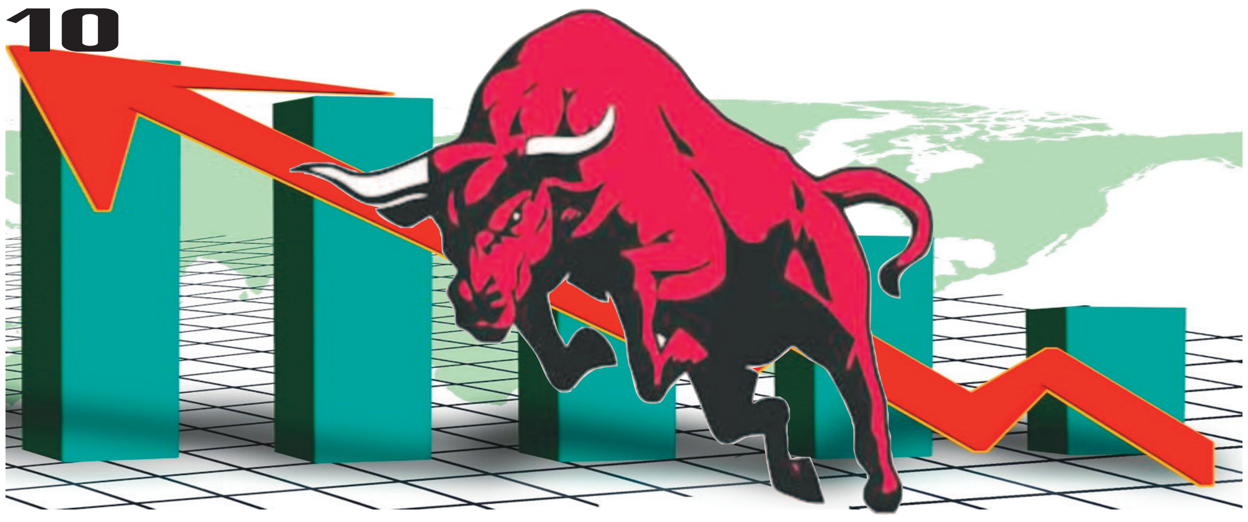

टमाटर और प्याज के बाद अब चीनी पर महंगाई की मार

त्योहारों के पहले छह साल के उच्चतम स्तर पर भाव

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बीते एक पखवाड़े में चीनी की कीमतों में 3% से अधिक की वृद्धि के साथ कीमतें छह वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में व्यापारियों और उद्योग जगत के अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि देश के प्रमुख चीनी उत्पादक क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण घबराहट की स्थिति बनी है, जो आगामी सीजन में उत्पादन में गिरावट का संकेत देती है। अगर ऐसा होता है तो त्योहारों के पहले चीनी की कीमतों पर इसका असर दिख सकता है। टमाटर और प्याज की कीमतों में राहत मिलने बाद अब चीनी के बढ़ते भाव लोगों की परेशानी फिर बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्तूबर से शुरू होने वाले नए सीजन में चीनी उत्पादन 3.3% घटकर 31.7 मिलियन मीट्रिक टन हो सकता है क्योंकि कम बारिश से दक्षिणी भारत के पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है, इनका कुल भारतीय उत्पादन में आधे से अधिक का हिस्सा है।

हिमाचल में अदाणी का बागवानों ने किया बायकॉट

> तीनों सीए स्टोर खाली > अब तक 400 मीट्रिक टन सेब मिला > प्रियंका गांधी ने साधा निशाना

अदाणी पर मार्केट रेट गिराने की साजिश का आरोप

- अदाणी के रेट ओपन करते ही गिरते है सेब के भाव
- तो अदाणी ने अधिकतम 96 रुपए का रेट किया ओपन
- इस बार भी जब 150 रुपए किलो सेब बिक रहा था
- इसके बाद सेब के बाजार भाव में आई गिरावट

सेब नहीं मिलने पर अब अदाणी ने 110 रुपए तक बढ़ाए दाम

शिमला, 6 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सेब बागवानों ने अदाणी से मुंह मोड़ लिया है। अदाणी ग्रुप हिमाचल में 14-15 साल से सेब कारोबार कर रहा है। यह पहला मौका है, जब अदाणी को उसके तीन सीए (कंट्रोल एटमॉस्फेयर) स्टोर की कुल क्षमता का अब तक 2 प्रतिशत सेब भी नहीं मिल पाया है। इसकी वजह सेब की कम फसल के साथ-साथ 95% से भी ज्यादा बागवानों द्वारा अदाणी का बायकॉट करना है।

इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर अदाणी के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि आपदा की घड़ी में जब बागवानों को मदद की जरूरत है। ऐसे वक्त में अदाणी बागवानों की परेशानियां बढ़ा रहा है और प्रधानमंत्री इस लूट को रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहे। दरअसल अदाणी पर बागवान सेब के रेट गिराने के आरोप लगा रहे।

इससे नाराज ज्यादातर बागवान इस बार अदाणी को सेब नहीं दे रहे। अदाणी ग्रुप से जुड़े सूत्रों की माने तो पांच सितंबर तक तीनों स्टोर पर लगभग 400 मीट्रिक टन सेब मिल पाया है, जबकि अदाणी के रामपुर के बिथल, रोहडू और ठियोग के सैंज सीए स्टोर में 25 हजार मीट्रिक टन सेब रखने की क्षमता है। बीते साल तीनों स्टोर पूरी तरह भरे थे। मगर, अभी 2 प्रतिशत चैंबर भी पूरे नहीं भरे।

अदाणी पर मार्केट रेट गिराने की साजिश के आरोप

अदाणी समूह पर बागवान पिछले कई सालों से सेब के मार्केट रेट गिराने के आरोप लगाते रहे हैं। पिछले चार-पांच सालों से अदाणी ने जब भी सेब के रेट ओपन किए है, उसके चार-पांच दिन के भीतर ही सेब के बाजार भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस बार भी अदाणी ने अगस्त के आखिरी सप्ताह में रेट ओपन किए। जिस दिन अदाणी ने सेब के रेट दिए, उस दिन तक हिमाचल की मंडियों में प्रीमियम सेब 140 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा था। बावजूद इसके अदाणी ने अधिकतम 96 रुपए का रेट ओपन किया। इसके बाद बागवानों ने अदाणी का जबरदस्त विरोध किया।

तब जाकर अदाणी ने दो बार सेब खरीद के रेट जरूर बढ़ाए। मगर, अभी भी अदाणी के रेट प्रदेश की मंडियों के बराबर नहीं है।

मंडियों में उतरकर सेब खरीदेगा अदाणी

स्टोर खाली रहने के बाद अदाणी अब मंडियों में उतकर सेब की खरीद करेगा। यह पहला अवसर होगा, जब अदाणी को स्टोर भरने के लिए मंडियों में जाना पड़ रहा है। मंडियों में किस तरह सेब की खरीद की जाए, इसे लेकर एक-दो दिन में अदाणी प्रबंधन फैसला करेगा।

इसलिए विरोध कर रहे बागवान

प्रोग्रेसिव ग्रोवर एसोसिएशन के अध्यक्ष लोकेंद्र बिष्ट ने बताया कि हिमाचल की मंडियों में अभी भी प्रीमियम सेब 120 से 130 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है, जबकि अदाणी अधिकतम 110 रुपए प्रति किलो के हिसाब से सेब खरीद रहा है। यही वजह है कि बागवान चार-पांच सालों से अदाणी का विरोध कर रहे है। बीते साल भी बागवानों ने लंबी लड़ाई इनके खिलाफ सड़कों पर लड़ी है। अब भी बागवान निजी घरानों के कारोबार के लिए कायदे-कानून तय करने की मांग कर रहे है।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की कीमत में उछाल

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 06 सितंबर 2023 को सोना सस्ता और चांदी महंगी हुई है. सोने की कीमत 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 72 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 59262 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 72250 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 59356 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 59262 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना सस्ता और चांदी महंगी हुई है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-42 बजे
चंद्र-	वृष	में	कन्या..	06-48 बजे
मंगल	कन्या	में	तुला...	08-53 बजे
बुध-	सिंह	में	वृश्चिक.	11-02 बजे
गुरु-	मेष	में	धनु.....	13-18 बजे
शुक्र-	कर्क	में	मकर..	15-23 बजे
शनि-	कुंभ	में	कुंभ....	17-14 बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	18-51 बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	20-28 बजे
			वृष--	22-12 बजे
			मिथुन..	00-14 बजे
			कर्क...	02-25 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- 06-06
सूर्य अस्त- 18-21
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **16 -14** तक उपरान्त नवमी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष, गुरुवार **07 September**
नक्षत्र - रोहिणी **-10-24** तक उपरान्त मृगशिरा
योग - वज्र - **22 - 01** - तक उप सिद्ध
करण- कौलव **-16 -14** - तक उप- तैतिल
विशेष:- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वैष्णव
व्रत -त्योहार - श्रीजाम्भोजी जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:47 से 15:19 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ..	06:06 - 07:37	शुभ	अमृत	18:21 - 19:52	शुभ
रोग	07:37 - 09:09	अशुभ	चंचल	19:52 - 21:19	शुभ
उत्पात	09:09 - 10:42	अशुभ	रोग	21:19 - 22:47	अशुभ
चंचल	10:42 - 12:14	शुभ	काल.	22:47 - 00:14	अशुभ
लाभ	12:14 - 13:47	शुभ	लाभ	00:14 - 01:42	शुभ
अमृत	13:47 - 15:19	शुभ	उत्पात	01:42 - 03:09	अशुभ
काल	15:19 - 16:52	अशुभ	शुभ.	03:09 - 04:37	शुभ
शुभ.	16:52 - 18:21	शुभ	अमृत	04:37 - 06:06	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा ।अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें ।अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा ।आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें ।अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा। आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा । कई सारी विशेष घटनाएँ और ऑफिस की पार्टीज आपके पाचन को खराब कर सकती हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं।आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे | खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा ।भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

जी20 शिखर सम्मेलन के कारण दिल्ली-हवाई अड्डे से रद्द होंगी उड़ानें

एयरलाइन ने यात्रियों को दी जानकारी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि यात्रियों को जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ाने रद्द होने के बारे में सूचित कर दिया गया है। इंडिगो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, 'नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन 2023 के मद्देनजर इंडिगो आठ से 11 सितंबर 2023 के बीच दिल्ली से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बार की छूट की पेशकश कर रहा है।'

कंपनी ने कहा, 'ग्राहकों को पैसे वापस लेने के साथ ही उड़ानें पुनर्निर्धारित या रद्द करने का विकल्प दिया जा रहा है। यात्रियों को उड़ान रद्द होने और समय-सारणी में बदलाव के बारे में पहले से सूचित कर दिया गया है।' इसमें उन उड़ानों की संख्या की जानकारी नहीं दी गई, जिनके प्रभावित होने की आशंका है। जी20 शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा।

देश में यूपीआई के जरिये लेनदेन 100 अरब तक पहुंचने की क्षमता : एनपीसीआई

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पास यूपीआई के जरिये 100 अरब से भी अधिक लेनदेन करने की क्षमता है। यह देश में यूपीआई से मौजूदा समय में होने वाले मासिक लेनदेन का 10 गुना होगा। 2016 में एकीकृत भुगतान मंच के तौर पर यूपीआई की शुरुआत के बाद से इससे होने वाले लेनदेन की संख्या अगस्त में 10 अरब के पार पहुंच गई है।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ दिलीप असबे ने मंगलवार को कहा, देश में 35 करोड़ लोग यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं। इनकी संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी की गुंजाइश है। अगर सम्मिलित प्रभाव को देखें तो हम मौजूदा स्थिति से 10 गुना ज्यादा लेनदेन तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, असबे ने 100 अरब के लक्ष्य को हासिल करने की समयसीमा का उल्लेख नहीं किया।

सिंगापुर से लिमिट बढ़ाने पर चर्चा

एनपीसीआई एकल लेनदेन सीमा को 1,000 एसजीडी (सिंगापुर डॉलर) से बढ़ाकर 5,000 एसजीडी से अधिक करने के लिए सिंगापुर से बातचीत कर रहा है। एनपीसीआई प्रमुख ने कहा, देश में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल 10 गुना बढ़ सकता है, लेकिन इसके लिए बैंकों की ओर से सही मंच मुहैया कराना जरूरी होगा। वैश्विक भुगतान कार्ड कंपनी वीजा हर महीने 22.5 अरब लेनदेन प्रसंस्करण करती है। इसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी मास्टरकार्ड से 11 अरब से अधिक लेनदेन होते हैं।

ग्राहकों के उत्तराधिकारियों को नॉमिनी बनाना सुनिश्चित करें वित्तीय संस्थान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों व अन्य वित्त संस्थानों से सुनिश्चित करने को कहा है कि उनके ग्राहक उत्तराधिकारी के रूप में नॉमिनी का पंजीकरण कराएं। इससे बिना दावे वाली रकम घटाने में मदद मिलेगी। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में सीतारमण ने कहा, मैं चाहती हूं कि बैंकिंग प्रणाली, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड सुनिश्चित करें कि जब कोई ग्राहक पैसे का लेनदेन करता है तो वह उत्तराधिकारी को नामित करें और पूरी जानकारी दर्ज करें। बैंकिंग प्रणाली में ही 35,000 करोड़ रुपये से अधिक ऐसी राशि है, जिस पर किसी का कोई दावा नहीं है।

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये को मंजूरी, कैबिनेट की बैठक में फैसला

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज केंद्रीय कैबिनेट ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के लिए एक योजना को मंजूरी दी है। इस योजना में 2030-31 तक 4,000 मेगावाट की बीईएसएस परियोजनाओं के विकास की परिकल्पना की गई है, जिसमें बजटीय सहायता के रूप में पूंजीगत लागत का 40% तक वित्तीय सहायता के रूप में दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कोष वर्ष 2030-31 तक पांच किस्तों में जारी किया जाएगा। इससे 4,000 मेगावाट घंटे का ऊर्जा भंडार तैयार करने में मदद मिलेगी। ठाकुर ने कहा कि व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण से 9,500 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। भारत ने अगले कुछ वर्षों में अपनी आधी ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा और गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। भंडारण प्रणाली की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिमाचल और उत्तराखंड में औद्योगिक विकास के लिए 1165 करोड़ रुपये की मंजूरी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए औद्योगिक विकास योजना, 2017 के तहत अतिरिक्त निधि की आवश्यकता के रूप में 1164.53 करोड़ रुपये को मंजूरी दी है।

'दुनिया में भारतीय फिनटेक क्षेत्र का बढ़ रहा महत्व'

ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में आरबीआई गवर्नर बोले

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2023 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम न केवल भारत में बल्कि कई अन्य देशों में फिनटेक क्षेत्र में एक बड़े परिवर्तन के कगार पर हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक फिनटेक क्षेत्र, वर्तमान में लगभग 245 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वार्षिक राजस्व उत्पन्न करता है, जो वैश्विक वित्तीय सेवाओं के राजस्व का केवल 2% है। 2030 तक इस वार्षिक राजस्व के $1.5 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। भारतीय फिनटेक उद्योग की ओर से वर्ष 2030 तक 200 अरब डॉलर का राजस्व सृजित करने का अनुमान है। इसका मतलब है कि 2030 तक, भारत का फिनटेक क्षेत्र संभावित रूप से वैश्विक फिनटेक उद्योग के कुल राजस्व में लगभग 13% का योगदान दे सकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2023 में अपने संबोधन में कहा, ये अनुमान भारतीय फिनटेक क्षेत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हैं।

सेंसेक्स 100 बढ़कर 65,880 पर बंद

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स निफ्टी-50 का टॉप गेनर रहा

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (6 सितंबर) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 100 अंक की तेजी के साथ 65,880 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 36 अंक की मामूली तेजी रही, यह 19,611 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में तेजी और 16 में गिरावट देखने को मिली।

जुपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स लिमिटेड का आईपीओ ओपन हुआ

जुपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स लिमिटेड का आईपीओ आज से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 6 सितंबर से 8 सितंबर तक अप्लाय कर सकते हैं। 18 सितंबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट होंगे। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 695-735 प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 695-735 प्रति शेयर तय किया है। रिटेल निवेशकों को मिनिमम एक लॉट, यानी 20 शेयर्स के लिए अप्लाय कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 735 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,700 लगाने होंगे। कंपनी आईपीओ के जरिए 869.08 करोड़ जुटाना चाहती है।

हल्दीराम में 51% हिस्सेदारी नहीं खरीदेगा टाटा

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। स्नैक्स कंपनी हल्दीराम ने टाटा ग्रुप की कंपनी को 51% हिस्सेदारी बेचने की खबरों का खंडन किया है। स्टॉक एक्सचेंजों ने हिस्सेदारी खरीदने से जुड़ी खबरों को लेकर टाटा कंज्यूमर से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में कंपनी ने कहा कि वह इस तरह की किसी भी बातचीत में नहीं है। इससे पहले दिन में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि टाटा कंज्यूमर इंडियन फूड स्नैक मैन्युफैक्चरर हल्दीराम की 51% हिस्सेदारी खरीद सकती है। हालांकि दोनों के बीच 10 अरब डॉलर के वैल्यूएशन को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। टाटा ग्रुप की कंपनी को ये वैल्यूशन काफी ज्यादा लग रहा है। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, भारत के 6.2 अरब डॉलर के स्नैक मार्केट में हल्दीराम की लगभग 13% हिस्सेदारी है। लेज चिप्स के लिए मशहूर पेप्सी का भी लगभग 13% हिस्सा है। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। कंपनी के पास लगभग 150 रेस्तरां हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी।

'इंडिया बनाम भारत' पर क्यूं बरपा है हंगामा

74 साल पहले कैसे चुना गया देश का नाम, क्या अब बदला जा सकता है

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। जी 20 समिट में शामिल वर्ल्ड लीडर्स के लिए राष्ट्रपति भवन में 9 सितंबर को डिनर का आयोजन किया गया है। इसके लिए भेजे आमंत्रण पत्र में परंपरा से हटकर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा है। इसके अलावा आसियान-इंडिया सम्मेलन में भी 'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' लिखा है। इससे विवाद पैदा हो गया है।

74 साल पहले 18 सितंबर 1949 को संविधान सभा में देश के नाम पर चर्चा हुई थी। अंबेडकर की ड्राफ्ट कमेटी ने सुझाव दिया था- India, that is, Bharat. इस पर काफी बहस हुई। आखिरकार सारे संशोधन खारिज कर दिए गए और यही नाम स्वीकार कर लिया गया। भारतीय संविधान के हिंदी अनुवाद में लिखा गया है- भारत, अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा। बता दें कि प्राचीनकाल से भारत के अलग-अलग नाम रहे हैं। जैसे जम्बूद्वीप, भारतखंड, हिमवर्ष, अजनाभवर्ष, भारतवर्ष, आर्यावर्त, हिन्द, हिन्दुस्तान और इंडिया। हालांकि, इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित नाम भारत रहा है।

भारत शब्द का ओरिजिन

पौराणिक काल में भरत नाम के कई रेफरेंस मिलते हैं। जैसे- राजा दशरथ के बेटे और राम के छोटे भाई भरत। नाट्यशास्त्र के रचयिता भरतमुनि, पुरुवंश के राजा दुष्यंत और शकुंतला के बेटे भरत जिनका जिक्र महाभारत में भी है। महाभारत में भरत को सोलह सर्वश्रेष्ठ राजाओं में गिना गया है। पौराणिक मान्यताओं को आधार मानने पर भारत नाम के पीछे दुष्यंत के बेटे भरत का ही जिक्र आता है। ऋग्वेद की एक शाखा ऐतरेय ब्राह्मण में भी दुष्यंत के बेटे भरत के नाम पर ही भारत नामकरण का तर्क है। इसमें भरत को एक चक्रवर्ती राजा यानी चारों दिशाओं को जीतने वाला राजा कहा गया। ऐतरेय ब्राह्मण में इसका भी जिक्र है कि भरत ने चारों दिशाओं को जीतने के बाद अश्वमेध यज्ञ किया जिसके चलते उनके राज्य को भारतवर्ष कहा गया।

मत्स्यपुराण में मनु को प्रजा को जन्म देने और उसका भरण-पोषण करने के कारण भरत कहा गया। जिस क्षेत्र पर मनु का राज था उसे भारतवर्ष कहा गया। जैन धर्म के धार्मिक ग्रंथों में भी भारत नाम का जिक्र मिलता है। कहा जाता है कि भगवान ऋषभदेव के बड़े बेटे महायोगी भरत के नाम पर देश का नाम भारतवर्ष पड़ा।

विष्णु पुराण में एक श्लोक है उत्तर यत्समुद्रस्य हिताद्रेश्चैव दक्षिणम। वर्ष तत भारतम नाम भारती यत्र सन्ततिः।। यानी, जो समुद्र के उत्तर व हिमालय के दक्षिण में है, वह भारतवर्ष है और हम उसकी संतानें हैं।

सिन्धु नदी को ग्रीक भाषा में इंडस नाम से जानते थे। इंडस शब्द लैटिन भाषा से लिया गया है। यूनान के इतिहासकार हेरोटोस ने 440 ईसा पूर्व इंडिया शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने तुर्की और ईरान से इंडिया की तुलना करते हुए कहा था कि इंडिया स्वर्ग जैसा है। जहां की मिट्टी उपजाऊ है और जिस क्षेत्र में काफी ज्यादा आबादी रहती है। वर्ल्ड हिस्ट्री वेबसाइट के मुताबिक 300 ईसा पूर्व पहली बार यूनान के राजदूत मेगस्थनीज ने सिंधु नदी के पार के इलाके के लिए इंडिया शब्द का इस्तेमाल किया।

मेगस्थनीज एक प्राचीन ग्रीक हिस्टोरियन, डिप्लोमेट और इंडियन एथनोग्राफर थे। उन्हें मौर्य साम्राज्य के वक्त भारत का ऐंबैस्डर कहा जाता है।

हिन्द और हिन्दुस्तान शब्द का इतिहास भी लगभग 2500 साल पुराना है। माना जाता है कि बाहर से आने वाले लोग 'स' को 'ह' बोलते थे। इसलिए सिंध बन गया हिंद। आगे चलकर इस सभ्यता से जुड़े लोगों को हिंदू कहकर पुकारा जाने लगा और इस क्षेत्र को हिंदुस्तान। 262 ईस्वी में ईरान के सासानी सम्राट शापुर प्रथम के नक्श-ए-रुस्तम शिलालेख में हिन्दुस्तान का उल्लेख है। यह भी माना जाता है कि हिंदुकुश की पहाड़ियों के पीछे का क्षेत्र हिंदुस्तान कहा जाता था। अरबों ने इस देश को अल हिन्द कहा और तुर्की के आक्रांताओं, दिल्ली के सुल्तानों और बादशाहों ने अपने भारतीय प्रभुत्व वाले भू-भाग का हिन्दुस्तान के रूप में उल्लेख किया।

इतिहासकार इयान जे बैरो ने अपने आर्टिकल 'फ्रॉम हिन्दुस्तान टु इंडियाः नेम्स चेंजिंग इन चेंजिंग नेम्स' में लिखा है कि 18वीं शताब्दी के मध्यकाल से इसके अंत तक दुनिया के दूसरे हिस्से में हिंदुस्तान शब्द का इस्तेमाल अक्सर मुगल सम्राट के शासन वाले क्षेत्रों के लिए किया जाता था। 19वीं सदी में अंग्रेजों ने इंडिया शब्द का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शुरू कर दिया।

इसके बाद अंग्रेजों के असर की वजह से रियासतों के राजा भी अपने राज्यों में भारत नाम बोलने के लिए इंडिया शब्द का इस्तेमाल करने लगे थे। 1857 ईस्वी तक भारत के एक बड़े क्षेत्र पर अंग्रेजों यानी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का कब्जा हो गया। 1857 के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने उन इलाकों पर अधिकार कर लिया जो ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार क्षेत्र में थे। इसी समय इंडिया नाम का इस्तेमाल देश और दुनिया में तेजी से बढ़ा।

भारत का संविधान मूल रूप से अंग्रेजी में लिखा गया था। जो भी ड्राफ्ट पेश किया गया और बहस के दौरान जो भी प्रस्ताव रखे गए वो अंग्रेजी में थे। संविधान सभा की बहस के दौरान 17 सितंबर 1949 को 'संघ का नाम और राज्य क्षेत्र' खंड चर्चा के लिए पेश हुआ। जैसे ही अनुच्छेद 1 पढ़ा गया- 'India, that is Bharat, shall be a Union of States', संविधान सभा में इसे लेकर मतभेद उभर आए। फॉरवर्ड ब्लॉक के सदस्य हरि विष्णु कामथ ने अंबेडकर कमेटी के उस मसौदे पर आपत्ति जताई जिसमें देश के दो नाम इंडिया और भारत थे। कामथ ने कहा कि इंडिया दैट इज भारत कहना बेढंगा है। अंबेडकर ने संविधान प्रारूप बनाने में कई भूलें मानी हैं। इसे भी भूल मान लेना चाहिए। उन्होंने संशोधन प्रस्ताव में कहा कि इसे ऐसे किया जा सकता है- भारत, जिसका अंग्रेजी नाम इंडिया है। एक अन्य सदस्य सेठ गोविंद दास ने कहा कि वेदों, महाभारत, कुछ पुराणों और चीनी यात्री ह्वेन-सांग के लेखों में भारत देश का मूल नाम था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद संविधान में इंडिया को प्राथमिक नाम के रूप में नहीं रखा जाना चाहिए।

संयुक्त प्रांत के पहाड़ी जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हरगोविंद पंत ने स्पष्ट किया कि उत्तर भारत के लोग भारतवर्ष नाम चाहते हैं और कुछ नहीं। कॉन्स्टीट्यूशन कमेटी ने कोई भी संशोधन प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए और हमारे संविधान में देश का नाम भारत और इंडिया दोनों रखे गए। भारतीय संविधान की हिंदी कॉपी में आर्टिकल 1(1) में लिखा है, 'भारत अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा'। यानी भारत और इंडिया दोनों को बराबर माना गया है।

G20 के डिनर आमंत्रण में 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखना क्या गैर-संवैधानिक है?

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील विराग गुप्ता के मुताबिक ये गैर-संवैधानिक नहीं है। भारत का संविधान मूल रूप से अंग्रेजी में लिखा गया। इसके आर्टिकल 1 (1) में लिखा है- 'India, that is Bharat, shall be a Union of States'। संविधान की हिंदी कॉपी में लिखा है 'भारत अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा'। यानी हमारे देश का नाम भारत और इंडिया दोनों है। इन दोनों का इस्तेमाल संवैधानिक है। अगर इन दोनों नामों के इतर कोई हिंदुस्तान, आर्यावर्त या जंबूद्वीप लिखने लगे, तो इसे संविधान के खिलाफ माना जाएगा। 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखकर एक परंपरा का निर्वहन नहीं किया गया है। इसे इसी रूप में देखना चाहिए, न कि संविधान के उल्लंघन के रूप में। इस पर कॉन्ट्रोवर्सी राजनीतिक है। चूंकि विपक्षी दलों के गठबंधन ने अपना नाम इंडिया रख लिया है, इसलिए मोदी सरकार ने इस नाम का इस्तेमाल कम कर दिया है। भारत नाम पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। विपक्ष इस पर आपत्ति जता रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा, 'ये खबर वाकई सच है। राष्ट्रपति भवन ने 9 सितंबर को जी20 डिनर के लिए जो इनविटेशन भेजा है, उसमें परंपरा से उलट प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ Bharat लिखा गया है।' दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'इंडिया नाम के अलायंस बनने के बाद ये देश का नाम बदल रहे हैं। अगर कल इंडिया अलायंस ने मीटिंग करके अपना नाम भारत रख लिया तो क्या ये भारत का नाम भी बदल देंगे और क्या ये भारत का नाम बीजेपी रख देंगे।'

विराग गुप्ता के मुताबिक अगर देश का अंग्रेजी नाम इंडिया खत्म करके सिर्फ भारत करना है तो इसके लिए संविधान संशोधन करना पड़ेगा। संविधान संशोधन की प्रक्रिया आर्टिकल 368 में दी गई है। संसद के पास ये शक्ति है कि वो संविधान संशोधन कर सकती है। इसके लिए एक विधेयक लाना होगा और दो-तिहाई बहुमत से पारित करना पड़ेगा। यानी लोकसभा में 356 और राज्यसभा में 157 सदस्यों का समर्थन चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में 13 जजों की खंडपीठ ने केशवानंद भारती केस में ऐतिहासिक फैसला दिया था कि संविधान संशोधन से संविधान के बुनियादी ढांचे में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए।

इस पूरे मामले को एक और तरीके से समझना चाहिए। सरकार ने हाल ही में तीन बड़े कानूनों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसमें इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता रखा है। इसका गैर-हिंदी भाषी राज्यों में विरोध हो रहा है। अगर सरकार ने इंडिया नाम खत्म किया तो इसका भी कई राज्य पुरजोर विरोध कर सकते हैं। ऐसे में अगर इंडिया नाम हटा दिया गया तो संविधान से लेकर तमाम संस्थाओं तक में इसे बदलना पड़ेगा। मसलन कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ भारत हो जाएगा, सुप्रीम कोर्ट ऑफ भारत हो जाएगा। इसी तरह तमाम वैश्विक संगठन जैसे- यूनाइडेट नेशंस की लिस्ट में इंडिया नाम ही चलता है। वहां भी संशोधन करने पड़ेंगे। बता दें कि 2012 में कांग्रेस सांसद रहे शांताराम नाइक ने राज्यसभा में एक बिल पेश किया था। इसमें उन्होंने मांग की थी कि संविधान की प्रस्तावना में अनुच्छेद एक में और संविधान में जहां-जहां इंडिया शब्द का उपयोग हुआ हो, उसे बदल कर भारत कर दिया जाए। उन्होंने इस मौके पर 'भारत माता की जय' के आजादी के नारे और 'जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़ियां करती है बसेरा, वो भारत देश है मेरा' गीत भी गाया था। उन्होंने कहा कि इंडिया शब्द से एक सामंतशाही शासन का बोध होता है, जबकि भारत से ऐसा नहीं है। शांताराम नाइक गोवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

2014 में योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में एक निजी विधेयक पेश किया था। इसमें संविधान में 'इंडिया' शब्द के स्थान पर 'हिन्दुस्तान' शब्द की मांग की गई थी, जिसमें देश के प्राथमिक नाम के रूप में 'भारत' का प्रस्ताव किया गया था।

जून 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें संविधान में दर्ज 'इंडिया दैट इज भारत' को बदलकर केवल भारत करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि इंडिया ग्रीक शब्द इंडिका से आया है। इसलिए इस नाम को हटाया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अपील की थी कि वो केंद्र सरकार को निर्देश दे कि संविधान के अनुच्छेद-1 में बदलाव कर देश का नाम केवल भारत कर दिया जाए।

उस वक्त सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने याचिका को खारिज करते हुए इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि संविधान में पहले से ही भारत का जिक्र है। संविधान में लिखा है 'इंडिया डैट इज भारत। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस याचिका को संबंधित मंत्रालय में भेजा जाना चाहिए और याचिकाकर्ता सरकार के सामने अपनी मांग रख सकते हैं।

भारत, इंडिया, हिंदुस्तान अलग-अलग नाम की टाइमलाइन

साल	नाम	सोर्स	क्या जिक्र किया
440 ईसा पूर्व	इंडिया	ग्रीक इतिहासकार हेरोडोटस	इंडिया के पूर्व में एक भूभाग है, जो पूरी तरह से रेत से बना है। एशिया के पूर्व में जहां सूर्योदय होता है, इंडिया उसके सबसे करीब है।
400-300 ईसा पूर्व	होदू	हिब्रू बाइबिल	फारस के राजा अहासुरस ने होदु (इंडिया) से कुश (इथियोपिया) तक 127 प्रांतों पर शासन किया।
300 ईसा पूर्व	इंडिया/ इंडिके	ग्रीक इतिहासकार मेगस्थनीज	इंडिया जो पूर्व और दक्षिण में समुद्र से घिरा है। वहीं, पश्चिम में सिंधु नदी से लगा यह देश उत्तर दिशा में पर्वतों से घिरा है।
200 ईसा पूर्व	जम्बूद्वीप	चाणक्य अर्थशास्त्र	जम्बूद्वीप की पूर्वी सीमा ब्रह्मपुत्र और पश्चिमी सीमा सिंधु नदी के मुहाने पर है। इसकी दक्षिणी सीमा हिंद महासागर या रामसेतु की ओर है।
पहली शताब्दी ईसा पूर्व और नौवीं शताब्दी ईस्वी के बीच (अनुमानित)	भारतवर्ष	विष्णुपुराण	उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतम् नाम भारती यत्र सन्ततिः।। समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों को भारती कहते हैं।
262 ईस्वी	हिन्दुस्तान	नक्श-ए-रुस्तम	ईरान के सासानी सम्राट शापुर प्रथम के नक्श-ए-रुस्तम शिलालेख में हिन्दुस्तान का उल्लेख है।
1020 ईस्वी	हिंद	अल बरुनी	हिंद पूर्व में चिन और माचिन से, पश्चिम में सिंध (बलूचिस्तान) और काबुल से और दक्षिण में समुद्र से घिरा हुआ है।

Source: worldhistory.org

विनोद वर्मा के बेटों-बहनोई से ईडी की पूछताछ

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में ईडी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के बाद उनके दोनों बेटों और बहनोई को पूछताछ के लिए दफ्तर बुलाया है। विनोद वर्मा बुधवार को खुद अपने बेटे पुनर्वसु, तथागत और बहनोई तुकेंद्र वर्मा को साथ लेकर राजधानी के पुजारी पार्क इलाके में स्थित ईडी के दफ्तर पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को उनकी पत्नी को भी बुलाया गया है और वे उन्हें लेकर जाएंगे। वर्मा ने कहा कि बच्चों को जिस तरह स्कूल छोड़ने जाता था, वैसे ही आज बच्चों को ईडी दफ्तर छोड़ने आया हूं। उन्होंने कहा कि पूछताछ में हम पूरा सहयोग कर रहे हैं। बस जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। ईडी ने मुख्यमंत्री के सलाहकार वर्मा और सीएम के दो ओएसडी के यहां 23 अगस्त को छापा मारा था। इसके बाद 28 अगस्त को उन्हें पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया गया था अब बेटों को बुलाया है।

ईडी ने अब मेरे परिवार को बुला लिया है। मैं दोनों बेटों पुनर्वसु, तथागत और बहनोई तुकेंद्र वर्मा को ईडी के दफ्तर छोड़ आया हूं। कल मेरी पत्नी जया को बुलाया गया है। केंद्र सरकार के इशारे पर एजेंसियां चाहे जो कर ले वे @bhupeshbaghel जी और उनकी टीम के हौसले नहीं तोड़ सकती। छापे के बाद विनोद वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर ईडी के सारे आरोपों को सिरे से खारिज किया था। उन्होंने ईडी की छापेमारी का आधार एक मैगजीन में छपी मनोहर कहानी को बताया है। ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मामले में गिरफ्तार आरोपी चंद्र भूषण वर्मा से अपने संबंधों को सिरे से खारिज किया। साथ ही ईडी की कार्रवाई को डकैती बताया है।

लोहा, कोयला पत्थर की हुई लूट

रांची, 6 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में भ्रष्ट, निकम्मी और विकास विरोधी सरकार है। इससे बहुत उम्मीद नहीं की जा सकती है। विकास की उम्मीद बेमानी है। राज्य में कोई ऐसा सेक्टर नहीं जहां लूट न हुई हो। यहां लोहा, कोयला, पत्थर की लूट हुई है।

राज्य में 10 हजार करोड़ के घोटाले उजागर हुए हैं। ये बातें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कही। वे सरिया में बगोदर विधानसभा क्षेत्र की संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। बाबुलाल मरांडी ने कहा कि गरीबों और आदिवासियों की बात करने वाला मुख्यमंत्री ही जब लूट में शामिल हो तो उससे क्या उम्मीद कीजिएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीबों, आदिवासियों की जमीन को मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने नाम बदल बदल कर लूटा है। लूट की जांच ईडी, सीबीआई कर रही है। कई बड़े ऑफिसर गिरफ्तार हो चुके हैं लेकिन मुख्यमंत्री ईडी के दफ्तर जाने से घबरा रहे। सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगा रहे मुझे बचाइए।

संकल्प सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री कहीं दौड़ लगा लें बचेंगे नहीं। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है। जिसने लाल किले से न खाएंगे न खाने देंगे की कसम खाई है।

मरांडी ने कहा कि किसी भी ऑफिस में आज बिना पैसे का कोई काम नहीं होता। मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी पैसे देने पड़ते हैं। छोटे काम के लिए भी हजारों में घूस देने पड़ रहे। हेमंत सरकार सड़कों का मरम्मत भी नहीं करा रही है। स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। अस्पतालों में डॉक्टर्स नहीं है। राज्य सरकार तो केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए अनाज को भी लूटवा रही।

शिवनाथ नदी में पिकअप गिरने से 5 की मौत

मरने वाली महिला और 3 बच्चे चालक का परिवार नहीं, पिता ने पहचानने से किया इनकार

दुर्ग, 6 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिवनाथ नदी में मंगलवार देर रात पिकअप गिरने से महिला और तीन बच्चियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने महिला सहित चार लोगों के शव बरामद कर लिए हैं, लेकिन एक बच्ची का अभी पता नहीं चल सका है। खास बात यह है कि चालक के पिता ने महिला और बच्चों को पहचानने से इनकार कर दिया है।

बताया जा रहा है कि पिकअप सवार सभी लोग देर रात राजनांदगांव स्थित केजीएन ढाबा से खाना खाकर लौट रहे थे। तभी पुलगांव बाइपास पर पुराने पुल के पास बैलेंस बिगड़ने से हादसा हो गया। चालक की पहचान दुर्ग बोरसी निवासी ललित साहू (40) के रूप में हुई है। वो मूलतः सकरौद गुंडरदेही का रहने वाला था। गाड़ी में ललित के साथ एक महिला और दो बच्चों के शव भी मिले हैं।

एक बच्ची गरिमा (11 साल) का शव नहीं मिला है, उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने चारों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पहले माना जा रहा था कि मृतक एक ही परिवार के हैं, लेकिन ललित के पिता ने इससे इनकार कर दिया। बताया कि उसकी बहू और उसके बच्चे घर में ही हैं। इसके बाद पुलिस ने बाकी शवों की पहचान का प्रयास शुरू किया। कुछ देर बाद महिला और तीनों बच्चियों की पहचान तामेश्वरी देशमुख (33) पत्नी गिरीश देशमुख, यश लक्ष्मी (13), कुमुद (7) और गरिमा (11) के रूम में हुई। सभी सकरौद गुंडरदेही के रहने वाले थे। एसडीआरएफ की टीम ने सुबह करीब 8 बजे ही पिकअप को खोज निकाला था। ट्रैक्टर के जरिए खींचने से बार-बार रस्सी टूट जा रही थी। इससे पिकअप फिर पानी में चली जाती थी।

दुर्ग विधायक अरुण वोरा भी मौके पर मौजूद

दुर्घटना की सूचना मिलते ही विधायक अरुण वोरा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने इस दुर्घटना के लिए पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। उनके मुताबिक विधायक निधि से यहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए डेढ़ करोड़ के बजट की स्वीकृति दी गई। बावजूद इसके अब तक कैमरे नहीं लगाए गए।

डेंगू कैपिटल बनता राजधानी रांची

रिम्स में डेंगू के 18 मरीज इलाजरत, प्लेटलेट्स की बढ़ी मांग

रांची, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बदलते मौसम ने बीमारियों की रफ्तार में तेजी ला दी है। राज्य इन दिनों डेंगू और चिकनगुनिया की चपेट में है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 15 जिले डेंगू और 10 जिले चिकनगुनिया की चपेट में हैं।

जमशेदपुर में डेंगू के मरीजों की संख्या सर्वाधिक 475 है। रांची दूसरे स्थान पर है, जहां एक मरीज की मौत हो चुकी है। रांची में अगस्त तक 26 डेंगू और 47 चिकनगुनिया के मामले मिले थे। रांची के रिम्स और सदर अस्पताल में 20 मरीज इलाजरत हैं। सरकारी जांच व्यवस्था के साथ-साथ निजी लैब में हो रही जांच में डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं।

अमीषा पटेल ने रायपुरियंस को कहा- थैंक्यू

बोलीं- 22 सालों तक तारा और सकीना को दिल में जगह दी, गदर-3 के बारे में बताया

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर आर्ट, लिट्रेचर एंड फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में शामिल होने बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल पहुंची। उन्होंने इस फेस्टिवल की विनर रही फिल्मों को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अमीषा पटेल ने कई सवालों के जवाब भी दिए।

फिटनेस को लेकर यंगस्टर्स को क्या कहना चाहेंगी?

अच्छा हेल्दी खाइए, जिम जाइये, वॉक कीजिये। इन सबसे बेहद जरूरी अच्छी लाइफ स्टाइल जीना होगा। आजकल के छोटे बच्चों से लेकर पेरेंट्स टीवी मोबाइल आईपैड में बिजी रहते हैं। उनका बाकी चीजों में ध्यान ही नहीं रहता। उनके लिए ये बहुत जरूरी है कि वो फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाएं।

रायपुर आर्ट, लिट्रेचर एंड फिल्म फेस्टिवल समारोह में बेस्ट फिल्म के साथ अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड दिए गए। मलयालम फिल्म मेलेनियन म्यूज को बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवॉर्ड दिया गया। इसके डायरेक्टर जितिन जियॉर्ज जेवियर हैं। इस प्रोग्राम में चीफ गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल रहीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिल्म फेस्टिवल के ऐसे आयोजन मेरे दिल के करीब है। इससे रायपुर में सभी को सिनेमैटिक एक्सपीरियंस मिल रहा है।

रायपुर में तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। इसका समापन मंगलवार को लाभांडी के एक निजी होटल में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से नेचर फ्रेंड्स सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की ओर से किया गया था।

50 जगहों पर लगा इमरजेंसी कॉल बॉक्स

रांची, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आप राजधानी रांची में हों और किसी तरह की अनहोनी हो गई तो अब बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं है। राजधानी की पुलिस अब हर हाल में आपकी मदद करेगी। बस आपको करना इतना है कि जिस लोकेशन में आपके साथ दुघर्टना घटी है वहां के इमरजेंसी कॉल बॉक्स में लगे बटन को दबाना है। इस बटन के दबाते ही पुलिस आपकी मदद को आ जाएगी। जी हां, अब राजधानी रांची में इमरजेंसी कॉल बॉक्स सिस्टम की शुरुआत हो चुकी है। पुलिस कर्मियों को इसकी ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। यह इमरजेंसी कॉल बॉक्स शहर के 50 डिफरेंट लोकेशन में लगाए गए हैं। इसे लगाने का मकसद लोगों की मदद करने साथ-साथ अपराधियों की धरपकड़ भी करना है। इमरजेंसी एक पीले रंग का एक बॉक्स है। इसमें एक बटन लगा हुआ है। अगर किसी को मदद चाहिए तो उसे उस हेल्प बटन को दबाना होगा। बटन दबाते ही बॉक्स से आवाज आने लगेगी।

'मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है बीजेपी'

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा- केंद्र की योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ मुसलमान को मिल रहा

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में विधानसभा चुनाव से पहले आयोजित अल्पसंख्यक सम्मेलन में शामिल होने आए बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी का कहना है कि बीजेपी कभी भी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की योजनाओं का सबसे ज्यादा फायदा मुसलमानों को ही मिल रहा है। यहां एकात्म परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सिद्दीकी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सांप्रदायिक कार्ड खेला है ,पीएम ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नफरत की राजनीति को खत्म कर दिया है। उनका कहना है कि मोदी विकास की राजनीति कर रहे हैं और इससे मुसलमानों को फायदा हो रहा है। अब ये मुसलमानों को देखना है कि कौन उनका इस्तेमाल कर रहा है और कौन उनके विकास के लिए काम कर रहा है। प्रदेश में मोदी मित्र अभियान का जिम्मा बीजेपी के ही अल्पसंख्यक मोर्चा को दिया गया है। इस अभियान का मकसद ज्यादा से ज्यादा मुसलमानों को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ना है। जमाल सिद्दीकी ने बताया कि पहले इस योजना से अल्पसंख्यक वर्ग के बुद्धिजीवियों को जोड़ा जा रहा है ताकी वे केन्द्र सरकार की मंशा को समझ सकें। वहीं प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों को साधने की रणनीति को लेकर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लोगों के बीच जाकर मोदी सरकार की उपलब्धियों और जनता को मिलने वाले लाभ के बारे में को बताएंगे, जिसे अपनी योजना बताकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपना प्रचार कर रही है।

बीजेपी में अल्पसंख्यकों के कम प्रतिनिधित्व और टिकट को लेकर जब उनसे सवाल किया गया कि छत्तीसगढ़ में जारी की गई पहली लिस्ट में एक ईसाई उम्मीदवार को भी टिकट मिली है। उन्होंने कहा कि जो काम करेगा और जनता का समर्थन मिलेगा उसे टिकट मिलेगी।

पहले स्कूल-कॉलेज से लेकर जिम और स्वीमिंग पूल बैन

अब अफगान महिलाओं के पार्क जाने पर रोक क्यों?

काबुल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में महिला विरोधी फरमानों की फेहरिस्त बढ़ती ही जा रही है। तालिबानी हुकूमत ने अब मध्य बामियान प्रांत में बंद-ए-अमीर नेशनल पार्क में महिलाओं के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। बंद-ए-अमीर अफगानिस्तान के सबसे लोकप्रिय राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है।

अफगानिस्तान में महिला विरोधी फरमानों की फेहरिस्त बढ़ती ही जा रही है। तालिबानी हुकूमत ने अब मध्य बामियान प्रांत में बंद-ए-अमीर नेशनल पार्क में महिलाओं के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। बंद-ए-अमीर अफगानिस्तान के सबसे लोकप्रिय राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। हालांकि, अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकार को सीमित करने का फैसला कोई नया नहीं है। बीते महीने ही तालिबान ने ब्यूटी सलून को बंद करने का आदेश दिया था। इस बीच हमें जानना जरूरी है कि अफगानिस्तान में हालिया फैसला क्या लिया गया है? इससे पहले कौन से फरमान जारी किए गए हैं? इन फैसलों पर नागरिक समाज क्या कहता है? तालिबान का इन मसलों पर क्या रुख है?

पहले जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालिया

फैसला क्या लिया गया है?

तालिबान हुकूमत ने अफगानिस्तान के मध्य बामियान प्रांत में बंद-ए-अमीर नेशनल पार्क में महिलाओं के जाने पर रोक लगा दी है। हर साल हजारों लोग बंद-ए-अमीर नेशनल पार्क का दौरा करते हैं और देश के मध्य बामियान प्रांत में नीलमणि-नीली झीलों और विशाल चट्टानों के नजारों का आनंद लेते हैं।

ताजा आदेश में कार्यवाहक नैतिकता मंत्री मोहम्मद खालिद हनाफी ने सुरक्षा बलों से महिलाओं को पार्क में प्रवेश करने से रोकने के लिए कहा है। हनाफी ने कहा कि महिलाओं के लिए दर्शनीय स्थलों की यात्रा करना जरूरी नहीं है। हनाफी ने तालिबान सुरक्षा बलों और बामियान प्रांत के बुजुर्गों से पार्कों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को लागू करने में मदद करने का आग्रह किया। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने तालिबान के निर्देशों की अवहेलना करने वाले लोगों और तालिबान द्वारा निर्धारित हिजाब नियमों का पालन न करने वाली महिलाओं की भी आलोचना की। प्रतिबंध की घोषणा तब की गई जब मंत्री हनाफी ने शिकायत की कि पार्क में आने वाली महिलाएं हिजाब पहनने के उचित तरीके का पालन नहीं कर रही हैं।

इससे पहले कौन से फरमान जारी किए गए हैं?

इससे पहले जुलाई में ही नैतिकता मंत्रालय ने एक महीने के भीतर ब्यूटी सलून को बंद करने का आदेश दिया था। मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सादिक आकिफ ने मंत्रालय के एक नोटिस का जिक्र करते हुए कहा था, 'महिलाओं के लिए ब्यूटी पार्लरों को बंद करने की समय सीमा एक महीने है।' 2001 में तालिबान के सत्ता से हटने के बाद काबुल और अन्य अफगान शहरों में ब्यूटी सलून खुल गए। करीब दो दशक बाद 2021 में तालिबान फिर सत्ता में आया, तब भी कई सलून खुले रहे। इससे एक ओर जहां कई महिलाओं को नौकरियां मिल रही थीं वहीं उनके ग्राहकों को भी सुविधाएं मिल रही थीं। यहां सलून आमतौर पर केवल महिलाओं के लिए होते हैं और उनकी खिड़कियां ढकी होती हैं ताकि ग्राहकों को बाहर से न देखा जा सके। काबुल निवासी सहर अपने बालों और नाखूनों को ठीक कराने के लिए एक सलून में जाती थीं। सहर ने कहा कि उन्हें लगता है कि बाहर सुरक्षित रूप से सामाजिक मेलजोल का अंतिम रास्ता अब बंद हो गया है।

एक अन्य महिला ने कहा, 'महिलाओं के लिए पार्क दोस्तों से मिलने के लिए एक अच्छी जगह थी। यह एक-दूसरे को देखने, अन्य महिलाओं, अन्य लड़कियों से मिलने और मुद्दों पर बात करने का एक अच्छा कारण था। महिला ने कहा, 'अब मुझे नहीं पता कि उनसे कैसे मिलूं, उन्हें कैसे देखूं, एक-दूसरे से कैसे बात करूं। मुझे लगता है कि यह हमारे और अफगानिस्तान के आसपास की महिलाओं के लिए बहुत कठिन होगा।'

स्कूल से कॉलेज तक की मनाही

पिछले साल, तालिबानी अधिकारियों ने अधिकांश लड़कियों के माध्यमिक विद्यालयों को बंद कर दिया। इसके साथ ही महिलाओं को विश्वविद्यालय से प्रतिबंधित कर दिया और कई महिला अफगान सहायता कर्मचारियों को काम करने से रोक दिया। इसके अलावा स्नानघर, जिम और पार्क सहित कई सार्वजनिक स्थान महिलाओं के लिए बंद कर दिए गए हैं। पश्चिमी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने संकेत दिया है कि महिलाओं पर प्रतिबंध तालिबान प्रशासन के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता की किसी भी संभावित प्रगति में बाधा बन रहे हैं। तालिबान का कहना है कि वह इस्लामी कानून और अफगान रीति-रिवाजों की अपनी व्याख्या के अनुसार महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करता है।

सबूतों के बावजूद वैश्विक आतंकियों को लिस्ट में शामिल किए जाने से रोकना दोहरा रवैया

भारत का चीन पर निशाना

जेनेवा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने चीन और पाकिस्तान को निशाने पर लेते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से कहा कि बिना कारण बताए विश्व स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों को काली सूची में डालने के साक्ष्य-आधारित प्रस्तावों को रोकना अनुचित है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, 'यूएनएससी प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विश्वनीयता को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक साक्ष्य-आधारित सूची प्रस्तावों को बिना कोई उचित कारण बताए रोकना अनावश्यक है। जब आतंकवाद से निपटने के लिए परिषद कि प्रतिबद्धता की बात आती है तो इसमें दोहरेपन की बू आती है।' उन्होंने कहा कि प्रतिबंध समितियों के कामकाज के तरीकों में पारदर्शिता और सूची से हटाने में निष्पक्षता पर जोर दिया जाना चाहिए। साथ ही यह किसी राजनीतिक विचारों पर आधारित नहीं होना चाहिए। चीन ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के मामले में भारत और उसके सहयोगियों के प्रयासों में बार-बार रुकावट डाली है। इस साल जून में चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की

1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को एक वैश्विक आतंकवादी के तौर पर नामित करने के लिए भारत और अमेरिका के एक प्रस्ताव में अड़ंगा डाला था, जो 26/11 मुंबई आतंकी हमले में शामिल होने के आरोप में वांछित था। कंबोज ने कहा, 'हमें एक ऐसी सुरक्षा परिषद की आवश्यकता है जो आज संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करें। ऐसी सुरक्षा परिषद जहां अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया और प्रशांत के विकासशील देशों और गैर-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों की आवाजों को यहां पर उचित स्थान मिले।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर देश वास्तव में परिषद को अधिक जवाबदेह और अधिक विश्वसनीय बनाने में रुचि रखते हैं, तो हम उनसे खुलकर सामने आने और संयुक्त राष्ट्र में एकमात्र स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से समयबद्ध तरीके से इस सुधार के लिए एक स्पष्ट मार्ग का समर्थन करने का आह्वान करते हैं। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इस परिषद में सुधार होना चाहिए।' सुरक्षा परिषद में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन ये पांच स्थायी सदस्य हैं, जिन्हें पी5 के नाम से जाना जाता है। सुरक्षा परिषद के दस निर्वाचित सदस्यों को आमतौर पर ई10 कहा जाता है। कंबोज का मानना है कि सहायक निकायों में ई-10 की सहमति को पी5 की ओर से सम्मान दिया जाना चाहिए।

क्लस्टर बमों से 2022 में 353 लोगों की मौत

रूस-यूक्रेन जंग में यूज हो रहे, पाकिस्तान ने भारत पर इससे हमले का आरोप लगाया था

कीव, 6 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन जंग के बीच दुनिया में क्लस्टर बमों के इस्तेमाल में 8 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। क्लस्टर म्यूनिशन्स कोएलिशन कैंपेन ऑर्गेनाइजेशन ने आज एक रिपोर्ट जारी करके बताया- पिछले साल, यानी 2022 में क्लस्टर बमों के इस्तेमाल से एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। इनमें से 353 लोगों की मौत हो गई। ये सभी आम नागरिक थे। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं, जो खेलने के लिए इन्हें हाथों में उठा लेते हैं।

संस्था का कहना है कि क्लस्टर बम अटैक में घायल लोगों को गहरी चोट आती है, जो उन्हें उम्रभर परेशान करती है। कोएलिशन की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में अकेले सीरिया में क्लस्टर बम या उनके अवशेषों की चपेट में आने से 15 लोगों की जान गई और 75 अन्य घायल हुए थे। जुलाई ने अमेरिका ने बताया था कि वो यूक्रेन को क्लस्टर बम भेज रहा है। अमेरिका के इस फैसले का यूक्रेन का साथ देने वाले देशों ने भी विरोध किया था। पुतिन ने कहा था कि अमेरिका के सारे हथियार खत्म हो गए हैं, इसलिए वो अब यूक्रेन को प्रतिबंधित हथियार सप्लाई कर रहा है।

रूसी टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन हमारे खिलाफ क्लस्टर बमों का इस्तेमाल करेगा तो हम भी इसका कड़ा जवाब देंगे। रूस के पास भी क्लस्टर बम हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक जंग में उनका इस्तेमाल नहीं किया है।

चांद पर इस जगह उतरा था चंद्रयान 3

नासा के एलआरओ ने ली खास तस्वीर

वाशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के चंद्रयान-3 मिशन की हर तरफ चर्चा बनी हुई है। चांद की सतह पर सुरक्षित उतरने के बाद चंद्रयान-3 लगातार अपने काम में लगा हुआ है। नई-नई जानकारियां वैज्ञानिकों को मिल रही हैं। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इससे संबंधित तस्वीरें भी आए दिन जारी कर रहा है। इस बीच, अमेरिका की अतंरिक्ष एजेंसी नासा ने भी अब एक खास तस्वीर साझा की है।

27 अगस्त को ली थी तस्वीर

नासा ने चंद्रमा की जिस सतह पर चंद्रयान-3 उतरा रहा था, उस जगह की तस्वीर साझा है। यह तस्वीर चंद्रमा पर ऐतिहासिक लैंडिंग के ठीक चार दिन बाद 27 अगस्त को चांद की कक्षा में घूम रहे नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने खींची थी। बता दें, विक्रम लैंडर 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर उतरा था।

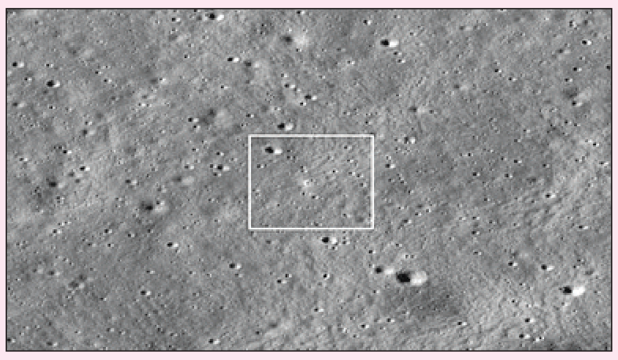

चंद्रयान-3 चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला अंतरिक्ष यान है।

इसरो भी कर चुका है तस्वीर साझा

इससे पहले, इसरो ने पांच सितंबर को विक्रम लैंडर की 3डी फोटो शेयर की थी। इसरो ने कहा था कि इस तस्वीर को देखने का असली मजा रेड और सियान रंग के 3डी ग्लास से आएगा। ये तस्वीर प्रज्ञान रोवर ने लैंडर से 15 मीटर दूर यानी करीब 40 फीट की दूरी से क्लिक की थी।

अब नासा ने की साझा

नासा ने सोशल मीडिया पर कहा कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से लगभग 600 किलोमीटर दूर है। लैंडिंग के चार दिन बाद एलआरओ ने लैंडर का एक तिरछा दृश्य यानी 42 डिग्री स्लीव कोण हासिल किया। साथ ही कहा कि लैंडर के आसपास दिख रही रोशनी लैंडर के धुएं के चांद की मिट्टी के संपर्क में आने से बनी है। नासा ने पांच सितंबर को यह फोटोग्राफ शेयर की है।

लैंडर और रोवर को स्लीप मोड में डाला

इसरो ने 4 सितंबर को विक्रम लैंडर को स्लीप मोड में डाल दिया था। इसके पहले 2 सितंबर को प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाला गया था।

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि 22 सितंबर 2023 को फिर से विक्रम लैंडर जाग सकता है। लैंडर ने स्लीप मोड में जाने से पहले पेलोड्स के जरिए चांद पर नई जगहों की जांच-पड़ताल की थी। उसके बाद ही विक्रम लैंडर को सोने का कमांड दिया गया। फिलहाल सारे पेलोड्स बंद हैं। सिर्फ रिसीवर ऑन है, ताकि वह बेंगलुरु से कमांड लेकर फिर से काम कर सके।

बाजरे की खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ आया नेपाल

संयुक्त राष्ट्र ने भी चलाया अभियान

काठमांडू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल बाजरे की खेती और खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार ही। इस बात की जानकारी कृषि और पशुपालन मंत्री बेदुराम भुशाल ने दी है। एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए बेदुराम भुशाल ने बाजरा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भारत को बधाई दी है और इस अन्न का नाम बदलकर इसे श्रीअन्न कर दिया। भुसाल ने बाजरे को एक मूल भोजन के रूप में दर्शाते हुए इसके उच्च पोषण मूल्यों का वर्णन किया। भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए अभियान शुरू किया है। नेपाल के कृषि मंत्री ने बताया कि इस अभियान में नेपाल नई दिल्ली के साथ हाथ मिलाने के लिए तत्पर है। साल

2021 में भारत ने यूएन में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव का 72 देशों ने समर्थन किया, जिसके बाद यूएन ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित कर दिया। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने नेपाल के कृषि और पशुपालन मंत्रालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बाजरा उत्पादन के क्षेत्र में भारत और नेपाल के सहयोग के महत्व के बारे में बताया।

जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध वाले विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे समर्थक

गवर्नर से की यह मांग

कैलिफोर्निया, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया राज्य विधानसभा में हाल ही में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित किया गया था। अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसोम के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। इस बीच, मंगलवार को कुछ लोग गवर्नर पर जल्द से जल्द हस्ताक्षर दबाव डालने के लिए भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

बता दें, अगर इस विधेयक पर गवर्नर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो यह कानून बन जाएगा। ऐसे में, कैलिफोर्निया जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला राज्य बन जाएगा। हालांकि, इस साल की शुरुआत में सिएटल जातिगत भेदभाव को गैरकानूनी घोषित करने वाला पहला अमेरिकी शहर बन गया है।

इन लोगों ने उठाई आवाज

इक्वेलिटी लैब्स के कार्यकारी निदेशक थेनमोझी सुंदरराजन ने कहा कि पूरे कैलिफोर्निया में 700 से अधिक वकालत बैठकें होने के बाद लोगों ने जाति समानता सुरक्षा के लिए जोरदार ढंग से बात की है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया

के एक नागरिक के रूप में मैंने भी पूरे जीवन जाति को सहन किया है। मैं जानता हूं कि जाति-उत्पीड़ित कैलिफोर्नियावासियों ने किस संघर्ष और प्रतिकूल परिस्थितियों का पहली बार अन्यायपूर्ण सामना किया है। जाति-उत्पीड़ित लोग बीस वर्षों से अधिक समय से भेदभाव से मुक्त जीवन जीने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं।

एमनेस्टी इंटरनेशनल यूएसए के गोविंद आचार्य का कहना कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का अंतर्निहित उल्लंघन है। जाति-आधारित भेदभाव और हिंसा मानवीय गरिमा और समानता के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एसबी 403 यह स्पष्ट करता है कि जाति-उत्पीड़ित समुदायों के अधिकारों को परिभाषित करना न्याय और सम्मान के लिए आवश्यक है।

वहीं, कैलिफोर्निया के श्री गुरु रविदासिया समुदाय के सदस्य और जाति समानता गठबंधन के लिए कैलिफोर्नियावासियों के एक प्रमुख आयोजक डॉक्टर निर्मल सिंह ने कहा कि मैं यह याद दिलाने के लिए भूख हड़ताल कर रहा हूं कि यह विधेयक मेरी दो बेटियों के लिए कितना महत्वपूर्ण है। मैं यह जानते हुए इस राज्य में नहीं रह सकता कि जातिगत भेदभाव बेरोकटोक जारी रह सकता है। हम अब उन सभी के लिए हड़ताल कर रहे हैं जो बोलने में सक्षम नहीं हैं।

यह लोग विधेयक के विरोध में

हालांकि, बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई और भारतीय अमेरिकियों ने विधेयक का विरोध किया है और तर्क दिया है कि यह विशेष रूप से हिंदू समुदाय को अपराधी बना देगा। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि कैलिफोर्निया ने दक्षिण एशियाई और हिंदुओं को गलत दिखाने और निशाना बनाने वाला कानून पारित करके अपने नस्लवादी अतीत को फिर से जागृत किया है।

उन्होंने कहा कि जब कोई राज्य विधायक किसी जातीय समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से किसी कानून को आगे बढ़ाता है, तो यह न केवल नस्लवादी है, बल्कि असंवैधानिक भी है।

ट्रम्प समर्थक को 22 साल की सजा

कैपिटल हिल हिंसा मामले में आरोपी था, 1100 से ज्यादा लोगों पर दर्ज हैं केस

वॉशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक समर्थक को कैपिटल हिंसा मामले में 22 साल की सजा सुनाई गई है। इस व्यक्ति का नाम एनरिक टेरियो है जो एक धुर-दक्षिणपंथी ग्रुप प्राउड बॉयस का पूर्व लीडर है। एनरिक पर 6 जनवरी 2021 को अमेरिका के कैपिटल हिल में हिंसा फैलाने के आरोप में राजद्रोह का केस दर्ज किया गया था।

कैपिटल हिल हिंसा मामले में ये अब तक की सबसे बड़ी सजा है। इस मामले में 1100 से ज्यादा लोगों पर केस दर्ज किए गए थे। इससे पहले पिछले हफ्ते एनरिक के एक साथी एथेन नॉर्डीन को 18 साल की सजा सुनाई गई थी, जो अब तक सबसे बड़ी सजा थी। कैपिटल हिंसा से जुड़े एक अलग मामले में मई में 18 साल की सजा सुनाई गई थी। वॉशिंगटन की जिला अदालत ने तीन घंटे तक चली लंबी सुनवाई के बाद एनरिक को दोषी ठहराया। प्राउड बॉयस ग्रुप के 5 लोगों को हिंसा से जुड़े देशद्रोह के मामलों में कोर्ट ने ये आखिरी सजा सुनाई है।

47 साल पहले दुष्कर्म मामले में दोषी करार शख्स को मिला न्याय

वकील बोले- इतिहास की सबसे लंबी गलत दोषसिद्धी

वाशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने जो अपराध किया भी नहीं, उसके लिए उसे करीब साढ़े सात साल जेल की सजा काटनी पड़ी। इतना ही नहीं, शख्स को अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए 47 साल लग गए। दरअसल, सन् 1975 में न्यूयॉर्क के एक व्यक्ति को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अब उसे नए डीएनए जांच के आधार पर बरी कर दिया गया है।

72 साल की उम्र में मिला न्याय

कहते हैं ना कि सच एक न एक दिन सामने आ जाता है। यह अमेरिका के इस मामले से सिद्ध भी हो गया। न्यूयॉर्क राज्य के ग्रीनबर्ग में करीब पांच दशक पहले लियोनार्ड मैक, जो अब 72 साल के हैं, उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने स्कूल जा रही एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। करीब 50 साल की लंबी लड़ाई के बाद दोषमुक्त होने पर मैक ने कहा कि आखिरकार मैं स्वतंत्र हूं।

बयान में कहा गया है कि

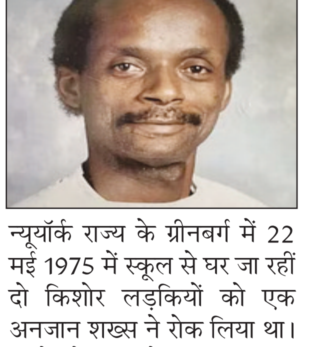

न्यूयॉर्क राज्य के ग्रीनबर्ग में 22 मई 1975 में स्कूल से घर जा रहीं दो किशोर लड़कियों को एक अनजान शख्स ने रोक लिया था। इनमें से एक के साथ दुष्कर्म किया, जबकि दूसरी लड़की भागकर स्कूल पहुंच गई और शिक्षक को पूरी बात बताई। शिक्षक ने तुरंत पुलिस को फोन किया। यह हमला श्वेत बहुल इलाके में हुआ था। ग्रीनबर्ग पुलिस विभाग ने तुरंत जांच शुरू की। उन्हें 20 साल के एक अश्वेत व्यक्ति की तलाश थी। इस दौरान पुलिस को पड़ोस में गाड़ी चला रहे लियोनार्ड मैक दिखे। हालांकि, वह संदिग्ध से अलग कपड़े पहने हुए थे, फिर भी पुलिस ने ढाई घंटे की तलाश के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया, क्योंकि मैक अफ्रीकी-अमेरिकी थे। वेस्टचेस्टर काउंटी अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि उस समय डीएनए जांच उपलब्ध नहीं था, जिसकी वजह से मैक को अपराधी मान लिया गया और उन्हें जेल की सजा काटनी पड़ी। हालांकि, इस बीच मैक अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए लड़ते रहे। अब डीएनए जांच से सच सामने आ गया है। मैक को अदालत ने बेगुनाह घोषित किया है। वहीं, एक अन्य अपराधी की पहचान कर ली है, जिसने अपना अपराध कबूल लिया है।जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने मैक की लगभग 50 वर्षों की लड़ाई का हवाला देते हुए कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में इनोसेंस प्रोजेक्ट के लिए डीएनए साक्ष्य द्वारा पलट दी गई सबसे लंबी गलत सजा है। गौरतलब है, नेशनल रजिस्ट्री ऑफ एक्सोनरेशन्स के अनुसार सन 1989 से अब तक 575 गलत तरीके से दोषी ठहराए गए लोगों को नए डीएनए परीक्षणों के आधार पर बरी कर दिया गया है।

चीनी नागरिक पर्यटक बनकर रख रहे अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर

वॉशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने लगभग 100 ऐसी घटनाओं पर नजर रखी है, जिसमें चीनी नागरिक पर्यटक के रूप में सैन्य ठिकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में कई बार पहुंचने की कोशिश की है। अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को देश के लिए जासूसी खतरा बताया है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रक्षा विभाग, एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए समीक्षा की थी, जिसमें बिना अनुमति के सैन्य अड्डों में घुसने वाले गेट क्रैशर्स भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया कि न्यू मैक्सिको में अमेरिकी मिसाइल रेंज में भी चीनी नागरिक घुसपैठ करते हुए पकड़े गए थे। वहीं फ्लोरिडा के सरकारी रॉकेट लॉन्च साइट के पास स्कूवा डाइवर बनकर गंदे पानी में तैरते हुए भी पाए गए। कुछ अधिकारियों का मानना है कि चीनी सरकार सुरक्षा संबंधित कुछ मामलों में अपने नागरिकों के द्वारा रिपोर्ट तैयार कर रही है। एफबीआई के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे सूचना और बौद्धिक संपदा अधिकार के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन ही है।' एक अन्य मीडिया सूत्र के अनुसार हाल ही में चीनी नागरिकों का एक समूह अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंचा।

वैगनर को आतंकी संगठन घोषित करेगा ब्रिटेन

लंदन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वैगनर चीफ प्रिगोजिन की मौत के बाद अब ब्रिटेन उनकी प्राइवेट आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित करने वाला है। बीबीसी के मुताबिक, इस फैसले के बाद ब्रिटेन में इस वैगनर ग्रुप से जुड़ना या उनका समर्थन करना गैर-कानूनी हो जाएगा। इसके लिए संसद में बिल भी लाया जा रहा है। इस ऑर्डर के तहत वैगनर की प्रॉपर्टी को आतंकियों की संपत्ति घोषित करने जब्त कर लिया जाएगा।

ब्रिटेन की होम सेक्रेटरी सुएला ब्रेवरमैन ने कहा- वैगनर ग्रुप रूस के राष्ट्रपति पुतिन का एक मिलिट्री टूल था। ये हिंसक और विनाशकारी है। यूक्रेन और अफ्रीका में उन्होंने जो किया वो दुनिया के लिए खतरा है। वैगनर की गतिविधियां अस्थिरता फैलाने वाली होती हैं, जो सिर्फ रूस के राजनीतिक मंसूबों को साधती हैं। सुएला ने कहा- वैगनर के लड़ाके आतंकवादी हैं। ये बात साफ है और अब ब्रिटेन के कानून में भी यही माना जाएगा। वैगनर आर्मी का नाम यूके में बाकी आतंकी संगठनों के साथ जोड़ा जाएगा। इनमें हमास और बोको हराम शामिल हैं।

कांग्रेस पर्यवेक्षक के बयान के विरोध में भाजयुमो का प्रदर्शन

पुलिस ने चौमूं हाउस सर्किल पर रोका, कार्यकर्ताओं ने की जमकर नारेबाजी

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा के बयान के विरोध में भाजयुमो की ओर से राजधानी जयपुर में प्रदर्शन किया जा रहा है। भाजयुमो के कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश मुख्यालय से निकलकर चांदपोल की तरफ जा रहे थे, तब पुलिस ने उनको चौमूं हाउस सर्किल पर रोक लिया था। इस दौरान भाजयुमो कार्यकर्ता पुलिस से उलझ गए थे।

बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची ने कहा- जब कांग्रेस की बैठक में भारत माता की जय के नारे लगाए जाते हैं तो कांग्रेस की पर्यवेक्षक अपने कार्यकर्ताओं को कहती है कि भारत माता की जय के नारे नहीं लगाए, कांग्रेस पार्टी के नारे लगाएं। यह साफ जाहिर होता है कि यह कांग्रेस पार्टी की मानसिकता और इनके नेताओं की मानसिकता कभी भारत के पक्ष में कभी नहीं है। ये हमेशा देश विरोधी लोगों के साथ खड़े रहते हैं। आपने पहले भी देखा होगा, जब कन्हैयाकुमार द्वारा जेएनयू के अंदर नारे लगाए जाते हैं, भारत तेरे टुकड़े होंगे इंशा अल्लाह के। तब भी कांग्रेस पार्टी का स्टैंड जेएनयू के लोगों के साथ था और कन्हैयाकुमार के साथ था।

कांग्रेस पार्टी के राज में राजस्थान के अंदर बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। युवा सुरक्षित नहीं है। आप जिस भी क्षेत्र के अंदर जाएंगे किसान सुरक्षित नहीं है। गरीब सुरक्षित नहीं है। तो आप किसी भी क्षेत्र में जाइए, कांग्रेस पार्टी ने खुद के गड्ढे खुद ही खोद रखे हैं।

भाजपा युवा मोर्चा ने मंगलवार शाम को स्टेच्यू सर्किल पर प्रदर्शन की घोषणा की थी, लेकिन हाईकोर्ट की रोक के कारण यहां धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने पर देर रात को प्रदर्शन की जगह बदल दी थी। लेकिन आज सुबह फिर से स्टेच्यू सर्किल पर ही प्रदर्शन की बात कही गई थी, लेकिन बाद में फिर जगह बदल दी गई।

कांग्रेस पर्यवेक्षक के बयान के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को ट्वीट करके कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा- कांग्रेस को देश के सम्मान एवं गौरव से जुड़े हर विषय से इतनी आपत्ति क्यों है?

भारत जोड़ो के नाम पर राजनीतिक यात्रा करने वालों को 'भारत माता की जय' के उद्घोष से नफरत क्यों है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के मन में न देश के प्रति सम्मान है, न देश के संविधान के प्रति और न ही संवैधानिक संस्थाओं के प्रति। उसे तो बस एक विशेष परिवार के गुणगान से मतलब है। कांग्रेस की देश विरोधी एवं संविधान विरोधी मंशा को पूरा देश भली भांति जानता है।

कांग्रेस पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा के बयान पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा- कांग्रेस का डीएनए और सोच दोनों गड़बड़ है। इन्हें भारत माता की जय बोलने से एतराज है, लेकिन गांधी परिवार की गुलामी से नहीं। इसलिए इनकी सोच राष्ट्रवाद वाली न होकर स्वार्थवाद वाली है। इनके लिए सत्ता मतलब धन कमाने का जरिया मात्र है।

हंगामे के बीच कुछ कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए। इन नारों के बीच पर्यवेक्षक अराधना मिश्र ने कहा- नारा ही लगाना है तो 'कांग्रेस जिंदाबाद' के लगाइए। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ कार्यकर्ता 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे तो कुछ हंगामा कर रहे थे। इस बीच पर्यवेक्षक उनसे 'कांग्रेस जिंदाबाद' के नारे लगाने को कह रही हैं।

पूर्व राजपरिवार ने वापस मांगा पुराना विधानसभा भवन

हाईकोर्ट ने मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला रखा सुरक्षित

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर शहर में पुरानी विधानसभा टाउन हॉल व होमगार्ड कार्यालय परिसर पर फिर से कब्जा लेने के लिए दायर अपीलों पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया है।

जस्टिस नरेन्द्र सिंह की अदालत ने पूर्व राजपरिवार की सदस्य पद्मिनी देवी व अन्य की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया। दायर अपीलों में कहा गया था कि टाउन हॉल व जलेब चौक परिसर स्थित लेखाकार कार्यालय को कोवेनेंट में निजी संपत्ति माना गया था और सरकार को उसके उपयोग के लिए लाइसेंस पर दिया गया था। इसके अनुसार जब तक सरकार इस संपत्ति को उपयोग में लेगी। तब तक वह ही इसका रखरखाव करेगी, लेकिन अब जिस उद्देश्य से यह संपत्तियां

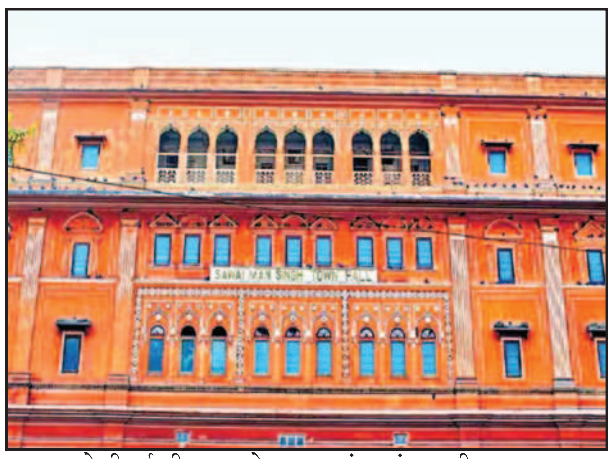

सरकार को दी गई थी। उस उद्देश्य से सरकार इनका उपयोग नहीं कर रही है। ऐसे में यह संपत्तियां वापस दिलाई जाए।

सरकार बना रही अंतरराष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम

पूर्व राजपरिवार की ओर से कहा गया अब टाउन हॉल का राजस्थान विधानसभा के लिए उपयोग होने के बाद राज्य सरकार यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम बनाना चाहती है। इसी तरह लेखाकार कार्यालय को दी गई संपत्ति का अब होम गार्ड कार्यालय के लिए उपयोग हो रहा हैं। लेकिन अब इसकी जरूरत नहीं रही है। जिस उद्देश्य के लिए संपत्तियां दी गई थी, वह पूरा होने के कारण अब पूर्व राज परिवार को वापस दे दिया जाए। इस मामले में एडीजे कोर्ट में टीआई-दावा पेश किया गया था, लेकिन अधीनस्थ कोर्ट ने अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया हैं।

सरकार ने कहा- यह संपत्तियां कोवेनेंट में मिली है

वहीं सरकार की ओर से कोर्ट में कहा गया कि कोवेनेंट में उपरोक्त संपत्तियां राज्य सरकार को देने के बारे में लिखा गया है। सरकार को यह संपत्ति कोवेनेंट से मिली है, ना की लाइसेंस के जरिए। कोवेनेंट को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। जिस दिन कोवेनेंट लिखा गया था, उस समय वहां विधानसभा अस्तित्व में ही नहीं थी। ऐसे में सरकार उपरोक्त परिसरों का कोई भी उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपीलों पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

ओवैसी माइनॉरिटी को बरगलाने के लिए आते हैं

मदरसा बोर्ड चेयरमैन चोपदार बोले - राजस्थान का मुस्लिम सच्चा कांग्रेसी

सीकर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार निजी कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए सीकर पहुंचे। उन्होंने मीडिया से रूबरू होते हुए असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। चोपदार ने कहा कि वह चुनाव के समय केवल राजस्थान की माइनॉरिटी को बरगलाने के लिए आते हैं।

मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार ने असदुद्दीन ओवैसी पर बोलते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी की B टीम है,जो केवल चुनाव के समय यहां आकर राजस्थान की माइनॉरिटी को बरगलाने का काम करते हैं। ऐसे तो वह कभी माइनॉरिटी के आंसू पूछने के लिए नहीं आते लेकिन राजस्थान की माइनॉरिटी गंगा-जमुनी तहजीब की है। उन्होंने कट्टरपंथी ताकत को कभी स्वीकार ही नहीं किया।

राजस्थान के मुस्लिम सच्चे कांग्रेसी है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से कांग्रेस सरकार डिलीट होने के बयान पर जवाब देते हुए चोपदार ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ क्या सरकार को डिलीट करेंगे, वह तो खुद असमंजस की स्थिति में है कि चुनाव जयपुर से लड़े या फिर चूरू से। चोपदार ने कहा मैं इस बार खुद तिजारा और झुंझुनूं सीट से आवेदन किया है। यदि पार्टी मुझ पर भरोसा जताती है तो मैं जरूर चुनाव जीतूंगा।

चलते कंटेनर में आग लगी, ड्राइवर जिंदा जला

1 घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड; लाखों की बाइक्स भी जली

अजमेर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के नेशनल हाईवे 8 पर बुधवार सुबह अचानक चलते कंटेनर में आग लग गई। इसके कारण कंटेनर में मौजूद ड्राइवर जिंदा जल गया। घटना सुबह 5.20 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटनास्थल से महज 100 मीटर दूरी पर तबीजी गैस प्लांट भी है। यहां भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद थी। लेकिन, अजमेर से दमकलों को बुलाया गया। जिन्हें घटनास्थल पर पहुंचने में 1 घंटा लगा। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। मांगलियावास थाना प्रभारी ने सुनील टाडा ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग की गाड़ी को बुलाया गया। कंटेनर में आग लगने से जयपुर फागी निवासी हनुमान माली की जिंदा जलने से मौत हो गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कंटेनर अजमेर से ब्यावर की तरफ जा रहा था। जिसमें नई बाइक लोड की गई थी। वह भी पूरी तरह से जल चुकी है। इस दौरान हाईवे पर सुबह-सुबह जाम की स्थिति हो गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क किनारे रखवाया। फिलहाल पुलिस ट्रक में आग लगने के कारणों की जांच में जुटी है। ड्राइवर की बॉडी को जेएलएन अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा कर परिजनों को सूचना दे दी गई है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

जनता बिजली के लिए परेशान, गहरी नींद में सरकार: दिलावर

विधायक ने वीडियो किया जारी, बोले,सरकार का अंतिम संस्कार हुए बिना जनता खुश नहीं हो सकती

कोटा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे नेताओं के जुबानी हमले तेज होते जा रहे हैं। कोटा जिले के रामगंजमंडी से बीजेपी विधायक मदन दिलावर ने वीडियो बयान जारी कर कांग्रेस पर निशाना साधा है। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस सरकार का अंतिम संस्कार हुए बिना जनता खुश नहीं हो सकती, जनता को चैन नहीं मिल सकता। कांग्रेस ने इस प्रकार का वातावरण राजस्थान में बना दिया है। प्रदेश की जनता बिजली के लिए परेशान है। लोगों के पास बिजली नहीं है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। खेतों में फसलें सूख रही हैं। इधर सरकार गहरी नींद में सो रही है। गांव में लाइट ही नहीं है, अंधेरा है। किसानों के पास बिजली नहीं है। बिजली नहीं होने से गर्मी के कारण रात में आराम से नहीं सो पा रहे हैं। क्या करोगे राजस्थान का? क्या जनता को मारोगे?

उन्होंने कहा कि राजस्थान को कितना लूटोगे। 20 हजार करोड़ रुपया जल जीवन मिशन में साफ कर दिया। सगे, संबंधी, मित्र, चंदा देने वाले लोग लूट कर ले गए। आप देखते रहे। कोटा में सीवरेज लाइन में भी भ्रष्टाचार हुआ है। अब तो धन कमाने के लिए कर्मचारियों के माध्यम से अस्मत मांगने वालों को संरक्षण देने लग गए हैं। राजस्थान का सत्यानाश करोगे क्या?

जलशक्ति मंत्री बोले- विधानसभा चुनाव नियत समय पर होंगे

सीएम गहलोत को कोर्ट ने माना अभियुक्त, अब करवानी पड़ेगी जमानत

बाड़मेर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वन नेशन वन वोट कमेटी बनने के बाद विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव एक साथ कराने की चर्चा पूरे देश में चल रही है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी के मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने प्रेस वार्ता में इस पर विराम लगा दिया। मंत्री बोले मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव अपने नियत समय के अनुसार ही होंगे। बाकी चीजों का आप इंतजार करे। मुझे लगता है इंतजार का फल मिठा होता है। वहीं, सजीवनी मुद्दे के सवाल पर शेखावत ने संजीवनी घोटाले में मैं तो अभियुक्त नहीं बना लेकिन मानहानि केस में कोर्ट ने सीएम को अभियुक्त मान लिया है। आज दोपहर में पेशी है। पट्टा बांधकर कई दिन तक बचने की कोशिश की थी। लेकिन अब फिजिकल जाकर अपनी जमानत करवानी ही पड़ेगी। कोर्ट ने उन्हें अभियुक्त स्वीकार कर लिया है।

जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने प्रेसवार्ता में विधानसभा व लोकसभा चुनावों के सवाल पर विश्वास के साथ कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव अपने नियत समय के अनुसार ही होंगे। बाकी लोकसभा चुनावों के सवाल पर इंतजार करने करने को कहा। इंतजार करने का फल मिठा होता है। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जब-जब राजस्थान सरकार के भ्रष्टाचार के मुद्दे की बात आती है तो संजीवनी घोटाले की बात याद आती है। संजीवनी के इस तरीके

कॉपरेटिव घोटाले में कहीं भी मेरे ओर मेरे परिवार की लिप्तता थी। तो साढ़े चार साल तक किसका इंतजार कर रहे थे। क्यूं नहीं उन्होंने उसके खिलाफ कार्रवाई और पूछताछ की गई। राजस्थान में संजीवनी के अलावा 14 कॉपरेटिव सोसासटियां है जो फेल हुई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उन 14 सोसायटी के निवेशकों का दर्द नहीं है। सीएम का दर्द है बेटे को जोधपुर की जनता ने नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 3 लाख से ज्यादा वोटों से हराकर भेज दिया। उस पेट के दर्द का इलाज कहीं और जगह कराने का प्रयास कर रहे है। बीते साढ़े चार साल में मेंरी कई भी लिप्तता होती तो मुझे एक बार नोटिस देकर बुलाते।

चीख-चीख कर मुख्यमंत्री अलग-अलग जगह पर दावें कर रहे है। मेरे ऊपर कालिख उछाले का काम करते है। मुझ तो एक बार भी पुलिस ने बुलाया नहीं कि आप जांच में आकर सहयोग करें। कोर्ट में उनके वकील ने न्यायाधीश के पूछने पर जवाब दिया कि किसी भी एफआईआर में नाम नहीं है। 100 से ज्यादा एफआईआर लिखी गई है। चार से ज्यादा चार्जशीट फाइल हो गई लेकिन किसी में भी नाम नहीं है। सीएम अपनी राजनीतिक स्वार्थ और पराजय को न पचा पाने के कारण अनर्गल टिप्पणियां कर रहे है। मैं तो अभियुक्त नहीं बना लेकिन मेरी दिवंगत मां पर टिप्पणी करने पर मैंने मानहानि का मुकदमा दर्ज किया। उसमें न्यायालय ने सीएम को अभियुक्त मान लिया है। मैं तो जमानत करवाने नहीं गया। मुख्यमंत्री जी जरूर जमानत करवाने के लिए जाने वाले है। आज दोपहर में पेशी है। पट्टा बांधकर कई दिन तक बचने की कोशिश की थी। लेकिन अब फिजिकल जाकर अपनी जमानत करवानी ही पड़ेगी। कोर्ट ने उन्हें अभियुक्त स्वीकार कर लिया है

गहलोत के योजनाओं पर साधा निशाना, सरकार अपने को सर्टिफिकेट दे रही है।मंत्री शेखावत ने कामधेनु पशु बीमा योजना पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा गोवंश कई है तो बाड़मेर-जैसलमेर और पश्चिमी राजस्थान के इलाके में है। लंपी की बीमारी से मरने वाली गायों के पशुपालकों को कितना मुआवजा मिला है। 10-20 फीसदी के लोगों को भी मुआवजा नहीं मिला है। इसलिए केवल अपनी एक योजना की घोषणा करके उसका धरातल पर किस स्तर पर हुआ है।

शादीशुदा प्रेमी से मिलने बांग्लादेश से राजस्थान आई युवती

टूरिस्ट वीजा लेकर 2200 कि.मी का सफर, बॉयफ्रेंड की पत्नी से बोली- दोनों साथ रह लेंगे

अनूपगढ़, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से एक युवती अपने शादीशुदा प्रेमी से मिलने राजस्थान के अनूपगढ़ पहुंच गई। छह महीने पहले दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया ऐप से हुई थी। युवती ने प्रेमी से मिलने के लिए करीब 2200 कि.मी का सफर तय किया। वह टूरिस्ट वीजा लेकर यहां पहुंची है।

रावला (अनूपगढ़) थाना अधिकारी रमेश कुमार ने बताया- उम्मे हबीबा उर्फ हनी (30) के पास टूरिस्ट वीजा मिला है। उसके पास से 2000 बांग्लादेशी मुद्रा (टका) भी मिली है। उम्मे अनूपगढ़ के रावला मंडी के गांव 13 डीओएल के रहने वाले रोशन सिंह (27) पुत्र हंसा सिंह से मिलने आई है। दोनों प्रेमी-प्रेमिका को थाने में रखा गया है। उम्मे से पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय पंचायत समिति सदस्य के पति गोपी भूकर ने बताया- बांग्लादेशी उम्मे हबीबा की दोस्ती हमारे गांव के रोशन से 6 महीने पहले 'याला वॉइस चैट' के माध्यम से हुई थी। दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों के बीच वीडियो कॉल पर भी बातें होती थीं। अपना प्यार पाने उम्मे हबीबा बांग्लादेश से भारत आई है।

3 सितंबर की सुबह हबीबा बीकानेर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। रोशन उसे लेने बीकानेर पहुंचा। हबीबा 2 दिन रोशन के घर पर रही। किसी ने इसकी सूचना रावला थाने में दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने उम्मे हबीबा और रोशन को थाने में बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। रोशन की बहन संतोष कौर (31) ने बताया- हबीबा 3 सितंबर की शाम को घर आ गई थी। वह ढाका से कोलकाता के रास्ते दिल्ली होते हुए बीकानेर पहुंची है। रोशन की मां कृष्णा बाई ने बताया- रोशन की शादी 2 साल पहले रोजड़ी क्षेत्र की रहने वाली सोमा बाई के साथ हो चुकी है। रोशन के 7 महीने का बेटा भी है। सोमा बाई 3 सितंबर को सुबह सिरसा में पूजा में शामिल होने के लिए गई हुई है। रविवार को हबीबा घर आई। वह हिंदी में बात कर रही थी। उसे पंजाबी भाषा समझ में नहीं आती। हबीबा वापस बांग्लादेश नहीं जाना चाहती। वह भारत में ही रहना चाहती है। हबीबा ने रोशन के परिजनों को बताया था कि बांग्लादेश से आने के कारण उसकी बदनामी हो गई है। उसने बताया कि वह ढाका की रहने वाली है। रोशन की बहन संतोष कौर बोली- हम तो चाहते हैं कि वह वापस चली जाए। हम भाई का घर बसा हुआ देखना चाहते हैं। हबीबा कहती है कि मैं वापस नहीं जाऊंगी। उसके पास 6 महीने का वैलिड वीजा है। अब वह वीजा पूरा होने के बाद ही जाएगी। संतोष कौर ने बताया कि हबीबा ने उन्हें बताया था कि उसके पांच भाई और एक बहन है। वह छठे नंबर की है। हबीबा के भाई मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

हबीबा ने रोशन की पत्नी सोमा से फोन पर बात की। उसने सोमा से कहा कि हम दोनों साथ रहेंगे। मैं यहां कोई गलत इरादे से नहीं आई हूं। मगर सोमा बाई ने उसे साफ-साफ शब्दों में कह दिया कि तुम यहां से वापस अपने देश चली जाओ। रोशन की मां ने बताया- रोशन और उसका छोटा भाई मलकीत मजदूरी करते हैं। वह खुद नरेगा में कार्य करती है। रोशन के पिता की मौत लगभग 1 साल पहले बीमारी के कारण हो चुकी है। रोशन केवल चौथी कक्षा तक पढ़ा हुआ है। वह भोला है। रोशन की बहनों और उसकी मां ने मीडिया और प्रशासन से अपील की है कि वह हबीबा को यहां नहीं रखना चाहते हैं। इसलिए प्रशासन और सरकार उसे वापस बांग्लादेश भेज दे।

मौके पर पहुंचे पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गोपी राम भूकर ने बताया कि एक बांग्लादेशी युवती की गांव में आने की सूचना मिलने पर प्रशासन को तत्काल अवगत करा दिया गया था। इस मामले में उनके व ग्रामीणों के द्वारा प्रशासन का सहयोग किया जाएगा। किसी भी तरह से इस बांग्लादेशी युवती को वापस उसके देश भेजने का प्रयास किया जाएगा।

हत्याकांड के आरोपियों ने इंस्पेक्टर के सीने में मारी गोली

जवाबी फायरिंग में 3 आरोपी भी घायल, 10 दिन पहले बाजार में किया था मर्डर

भरतपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक सर्किल इंस्पेक्टर को भी जान से मारने की कोशिश की गई। दोनों से ओर से हुई फायरिंग में डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम के इंस्पेक्टर के सीने पर गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट से उनकी जान बच गई। वहीं, तीन आरोपियों के पैरों में भी गोली लगी है। मामला भरतपुर का है।

दरअसल, भरतपुर में 27 अगस्त की शाम अजय झामरी (23) नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या करने वाले 3 बदमाशों के बारे में पुलिस को सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपियों को घेरा तो उन्होंने डीएसटी इंचार्ज मुकेश के सीने पर फायर कर दिया।

जवाबी फायरिंग में तीन बदमाशों तेजवीर, युवराज और बंटी खुशाल के दोनों पैरों में गोली लगी है। घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। इनमें से एक बदमाश बंटी खुशाल की हालत ज्यादा गंभीर है।

27 अगस्त की शाम करीब 4 बजे बयाना थाना इलाके के झामरी गांव का रहने वाला अजय किसी काम से भरतपुर आया था। वह हीरादास चौराहे पर चाय पीने के लिए आया था। तभी वहां पहुंचे तेजवीर, युवराज और बंटी ने अजय पर हमला कर दिया।

अजय जब भागने लगा तो उसके सिर पर गोली मार दी। गोली लगने से अजय की मौके पर ही मौत हो गई। तेजवीर ने 17 मई को भी अजय पर फायरिंग की थी, जिसमें उसके पैर में गोली लगी थी।मृतक अजय झामरी बयाना थाना इलाके के झामरी गांव का रहने वाला था और उस पर भी कई केस दर्ज थे।

भाई की मदद का आरोप

1 सितबंर को आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अजय के परिजन और ग्रामीण एसपी ऑफिस पहुंचे थे। अजय झामरी की मां ने एसपी मृदुल कच्छावा को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया था कि हत्यारे सोशल मीडिया पर वीडियो डाल रहे हैं। तेजवीर की बहन पुलिस कॉन्स्टेबल है और वह भाई की मदद की रही है। उन्होंने तेजवीर की बहन को भी सस्पेंड करने की मांग की थी।

खदान में भरे पानी में डूबने से किशोर की मौत

सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर निकाला शव, मंगलवार शाम से लापता था

दौसा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के पापड़दा थाना क्षेत्र के खवारावजी गांव के पहाड़ी इलाके में खदान में भरे बारिश के पानी में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किशोर के शव को पानी से बाहर निकाला गया।

फिलहाल युवक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया जाएगा। जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि खवारावजी कस्बा निवासी मोंटू मीणा (15) मंगलवार शाम को बिना बताए घर से चला गया। परिजनों ने उसे इधर-उधर काफी तलाश किया लेकिन पता नहीं चला।

बुधवार सुबह गांव के पहाड़ी इलाके में खदान के मुहाने पर किशोर की चप्पल व कपड़े पड़े मिले। इसकी सूचना पर पापड़दा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और किशोर को तलाश किया।

रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर निकाला शव

इसके बाद सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस-प्रशासन ने मौके पर मिले कपड़ों के आधार पर किशोर के खदान में डूबने की आशंका के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया तो कुछ घंटे बाद उसका शव खदान में भरे पानी में मिला।

टीम ने वॉटर बोट के सहारे शव को पानी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया है। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पुलिस प्रथम दृष्टया मान रही है कि युवक खदान में भरे पानी में नहाने गया हो, जहां उसका पैर फिसलने वह पानी में गिरने डूबकर मौत हो गई। ऐसे में पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

तेलंगाना की एनसीसी गर्ल कैडेट ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर हासिल की प्रसिद्धि

सिकंदराबाद,6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीनियर अंडर ऑफिसर (एसयूओ) गुरुगुबेली प्रेम कृतिका, वर्तमान में एक सीनियर विंग (एसडब्ल्यू) एनसीसी कैडेट, और केशव मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड साइंस हैदराबाद में बीएससी की छात्रा है। उन्होंने हाल ही में 05 से 19 अगस्त 2023 तक "यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी)" के तहत भारत के विभिन्न राज्यों के 10 एनसीसी कैडेटों के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में यूनाइटेड किंगडम का दौरा किया। उनकी वापसी पर, उन्हें एनसीसी निदेशालय एपी और में आमंत्रित किया गया था। सिकंदराबाद में तेलंगाना. एनसीसी निदेशालय (एपीएंडटी) के उप महानिदेशक (डीडीजी) एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने उनसे बातचीत की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने यूके में वाईईपी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में अपने अनूठे अनुभवों को साझा किया, साथ ही 2018 से जूनियर और सीनियर विंग कैडेट दोनों के रूप में एनसीसी में अपनी यात्रा भी साझा की। वह दो बार एनसीसी कैडेट के रूप में गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग ले चुकी हैं। उन्हें वर्ष 2020 में 17 एनसीसी निदेशालयों के जूनियर विंग कैडेटों के बीच "सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता" में चौथे स्थान पर रखा गया था। हालांकि, उन्होंने एनसीसी कैडेट के रूप में अपनी यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प किया था और वह स्टैंडर्ड में सीनियर विंग कैडेट के रूप में एनसीसी में फिर से शामिल हो गईं। उन्होंने 2023 में "रिपब्लिक डे परेड कैंप" के दौरान "बेस्ट सीनियर विंग कैडेट" पुरस्कार और "प्रधानमंत्री बैटन" जीतकर अपने खाते एक और उपलब्धि जोड़ ली। जी प्रेम कृतिका के पिता श्री जी प्रेम किरण ईसीआईएल हैदराबाद में उप महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं, और उनकी मां श्रीमती जी विद्या मनदाकिनी एक गृहिणी हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल नाचाराम सिकंदराबाद से दूसरी से 12वीं कक्षा तक की है। उन्होंने बारहवीं कक्षा में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 94.27 अंक हासिल किए। वह एक हरफनमौला खिलाड़ी हैं, क्योंकि उच्चतम स्तर पर एनसीसी गतिविधियों में गहराई से शामिल होने के बावजूद भी उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। वह हाल ही में स्नातक की पढ़ाई के लिए बीएससी (बायोटेक्नोलॉजी) की छात्रा के रूप में हैदराबाद के केशव मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड साइंस में शामिल हुई हैं। वह भविष्य में सिविल सेवाओं में शामिल होने की इच्छा रखती है और उसे विश्वास है कि उसका एनसीसी प्रशिक्षण एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास में मदद करेगा, जो उसे अपने भविष्य के प्रयासों में सफल होने में मदद करेगा।

श्री आईमाता मंदिर में रक्तदान शिविर 17 को

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजीनगर स्थित सीरवी समाज ट्रस्ट (तेलंगाना) हैदराबाद बालाजी नगर जवाहर नगर श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सान्निध्य में श्री आईमाताजी के 608वें अवतरण दिवस व छठां वार्षिक सम्मेलन पर रविवार 17 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि 100 नॉट आउट रक्तदाता सुशील भायल उपस्थित रहेंगे। एन.टी.आर ब्लड बैंक जुबलीहिल्स के अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख मे शिविर आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष किशनलाल पंवार व सचिव लालाराम काग ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि किसी जरुरतमंद की जान बचाने के लिए अधिक से अधिक संख्या मे रक्तदानकर सहयोग करें।

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में मना शिक्षक दिवस

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च शिक्षा और शोध संस्थान एवं शिक्षा महाविद्यालय, हैदराबाद में "शिक्षक दिवस समारोह एवं विशेष व्याख्यान" संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.संगीता व्यास उपस्थित थीं। उन्होंने अपने वक्तव्य मे मनुष्य जीवन में गुरु के स्थान एवं महत्ता को बताया। उन्होंने डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन के विचारों को व्यक्त करते हुए एक संदर्भ बताया 'जब डॉ सर्वेपल्ली राधकृष्णन राष्ट्रपति बने उस समय उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्म दिन मनाने की अनुमति माँगी तो राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने यह कहा कि 'मेरा जन्म दिन न मनाकर आप शिक्षक दिवस मनाइए।' इस तरह उन्होंने संपूर्ण शिक्षकों का गौरव बढाया। विशेष अतिथि मुहम्मद अब्दुल रहमान, प्रथम उपाध्यक्ष दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र एवं तेलंगाना ने गुरु के कारण मनुष्य जीवन के विकास पर प्रकाश डाला। श्रीमती जमीला बेगम, कोषाध्यक्ष दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र एवं तेलंगाना ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएँ अर्पित कीं। शेख मोहम्मद खासिम, प्रबंध निधिपालक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र एवं तेलंगाना ने कबीर के गुरु के प्रति लिखित उक्ति को बोल कर गुरु की महानता बताया। विशेष आमंत्रित डॉ.सी.एन.मुगुटकर, प्राचार्य, शिक्षा महाविद्यालय, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव को बताते हुए स्वयं अपने गुरुजनों को याद किया तथा अहिंदी प्रदेश के होते हुए भी किस प्रकार हमने गुरु के कारण हिन्दी सीख कर आज हम यहाँ तक पहुँच गये यह बताते हुए अपने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह के अध्यक्ष श्रीमती ए.जानकी, सचिव एवं सपर्क अधिकारी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएँ दीं। अतिथियों का स्वागत पी.जी. विभागाध्यक्ष प्रो. संजय एल मादार ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन पी.जी.विभाग के प्रवक्ता डॉ. शक्ति द्विवेदी ने किया।

जलवायु अनुकूल कृषि पर सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद स्थित मशहूर होटल नोवोटेल में कृषि अनुसंधान व शिक्षा विभाग (डीएआरई), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय व्दारा जलवायु अनुकूल कृषि (क्लाईमेट रिसायलेंट एग्रीकल्चर) विषय पर जी20 तकनीकी कार्यशाला का आयोजन हुवा। जिसमें राज्य कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार सुश्री शोभा करंदलाजे एवं सचिव डीएआरई व डीजी आईसीएआर डॉ. हिमांशु पाठक तथा डीडीजी (एनआरएम) आईसीएआर एंड एम्प अध्यक्ष, जी20 तकनीकी कार्यशाला, भारत डॉ. एसके चौधरी ने भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से जुडे लगभग 100 प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें जी20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय देशों के प्रतिनिधिगण एवं कृषि एवं जल शक्ति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, संबंधित रसायन और उर्वरक, और पृथ्वी विज्ञान के अधिकारीगण शामिल हैं। इसमें उपरोक्त उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में वैश्विक संदर्भ में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कृषि अनुसंधान के विभिन्न मुद्दों पर तत्संबंधितों के अमूल्य विचार प्रस्तुत किये गये। जिसमें जी20 इंडियन प्रेसीडेंसी का विषय जोकि, विश्व के लिए एक उज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एक पृथ्वी, एक परिवार है एवं एक भविष्य, जो हमारे बीच एकजुटता और सद्भाव की भावना को उजागर कर इसका उत्सव मनाता है। इस मामले में कृषि खाद्य प्रणाली, जलवायु अनुकूल कृषि पर जी20 कार्यशाला के दूसरे दिन अर्थात 5 सितंबर को, तत्संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अपस्केलिंग जैसे विषय क्षेत्रों पर तकनीकी प्रस्तुतियाँ प्रदान की गयी एवं जलवायु लचीली कृषि- केस अध्ययन और एम्प; अनुभव, नीति, वित्त औरजलवायु अनुकूल कृषि के लिए संस्थागत आवश्यकताओं को प्रस्तुत किया गया। इसके बाद डीडीजी (एनआरएम), आईसीएआर डॉ. एस.के. चौधरी की अध्यक्षता में समापन सत्र आयोजित हुवा। जिसमें डॉ. एस.के. चौधरी ने दोहराया कि जलवायु-अनुकूल फसल अपनाने से किस्मों, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, और क्षमता निर्माण प्रदान करता है। कार्यक्रम में विभिन् देशों जी20 देशों के प्रतिनिधियों ने जलवायु-लचीला अभ्यास पर अपने अपने विचार और राय व्यक्त किए। इसके बाद में, तत्संबंधित प्रतिनिधियों ने आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) हैदराबाद. का दौरा किया। जिसमें जलवायु-लचीली कृषि में बाजरा के महत्व को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रतिनिधियों को आईआईएमआर में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। इस अवसर प्रसिध्द शिल्पारामम, हैदराबाद पर कला रूपों, हथकरघा और के माध्यम से भारत की परंपराओं और संस्कृति, हस्तशिल्प. लोक नर्तकों द्वारा उक्त प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत किया गया। जिसमें सुश्री मंजुला रामास्वामी और टीम ने कृष्ण लीललु पर मंत्रमुग्ध भरतनाट्यम प्रस्तुत किया तथा इस समारोह में सहकारी तिलहन उत्पादक संघ लिमिटेड तेलंगाना राज्य के प्रबंध निदेशक एम. सुरेंद्र ने भाग लिया।

भाकृअनुप- भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में जी 20 देशों के कृषि वैज्ञानिकों का दौरा

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। "जलवायु लचीली कृषि" पर जारी जी 20 तकनीकी कार्यशाला के प्रतिनिधियों एवं हैदराबाद स्थित अन्य भाकृअनुप सहोदर संस्थानों के निदेशकों ने भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने उन्हें विभिन्न श्री अन्न के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. जयकृष्णा जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान), डॉ. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक (मानव संसाधन प्रबंधन) तथा सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन प्रबंधन/अंतर्राष्ट्रीय संबंध), भाकृअनुप, नई दिल्ली भी उपस्थित थे। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने उन्हें संस्थान में संचालित श्री अन्न के किस्म व संकर के अनुसंधान व विकास संबंधी गतिविधियों, जीन संग्रह, मूल्य-वर्धन, नवोद्यमी प्रोत्साहन के संबध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। आगंतुकों ने संस्थान के द्वारा संग्रहित श्री अन्न जननद्रव्यों, श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाओं, न्यूट्रीहब में संचालित स्टार्ट-अप प्रोत्साहन गतिविधियों एवं संस्थान द्वारा विकसित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों का अवलोकन एवं आस्वादन किया तथा संस्थान द्वारा श्री अन्न के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

वर्षगांठ पर विशेष पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएफएचसी लाजिस्टिक्स, स्पीडस्टेर ट्रांस सोल्युशन्स, एनकेएस ट्रांस लाजिस्टिक्स, एनकेएस इंफ्रा डेवलोपर्स की 28वीं वर्षगांठ पर वनस्थलीपुरम कार्यालय पर विशेष पूजा-अर्चना आयोजित की गई। इस अवसर पं. सुखेंद्र शास्त्री ने सर्व प्रथम गणेश जी की पूजा, बालाजी पूजा, हवन सुबह 10:15 बजे करवाया तथा बाद में सत्यनारायण कथा करवाई। इस अवसर पर भाजपा नेता गोविंद राठी, बाबूगुरु, मनोज जायसवाल, मनोज जयसवाल, सुरेश गोयल, अग्रवाल समाज अध्यक्ष वनस्थलीपुरम, संत सिंह, अध्यक्ष वनस्थलीपुरम गुरुद्वारा समिति, स्वामी सूर्यांश सिंह, लक्षजीत, गायत्री, पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी, पवन और इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक विनय कुमार विशेष अतिथि उपस्थित हुए। चेयरमैन एन.के. सिंह, निदेशक नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह ने अतिथियों का शॉल द्वार सम्मान किया गया। इस अवसर पर गोविंद राठी ने एन.के सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह को शॉल द्वार सम्मान कर बधाई दी।

रेलवे लाइन दिये जेने पर पीएम के चित्र का किया दुग्धाभिषेक

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शत-प्रतिशत केंद्र सरकार के फंड से निर्मल को रेलवे लाइन देने के अवसर पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निर्मल टाउन, निर्मल ग्रामीण, सारंगापुर, दिलावरपुर, नरसापुर, सोन, लक्ष्मण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र पर दुग्धाभिषेक किया गया। निर्मल शिवाजी चौक पर अभिषेक करते हुए। आज पूरे निर्वाचन क्षेत्र में खुसी की लहर दौड़ पड़ी जब पता चला की निर्मल में रेल सुविधा होगी। निर्मल के लोगों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा करने के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी को विशेष धन्यवाद किया गया। भाजपा नेता महेश्वर रेड्डी, अय्यनगारी भुमैय्या, राउला रामनाथ, मल्लिकार्जुन रेड्डी, राजू, सीनू, सहित अन्य।

एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी, बोइनपल्ली द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में भाग लेती हुईं मार्केट कमेटी चेयरपर्सन श्रीमती हरिका आनंद बाबू, वेंकन्ना, एएमसी सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, शंकर यादव, गिरीधर व अन्य।

महेंद्राहिल्स स्थित श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में भागवताचार्य रसिया बाबा एसं समाजसेवी गोविंद राठी ने दर्शन लाभ लिया। इस अवसर पर उन दोनों का स्वागत करते हुए पहाड़ी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया व उपस्थित सदस्यगण।

बजरंग सेना टीम तेलंगाना ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन बशीरबाग में सहायक पुलिस आयुक्त शिव मारुति से मुलाकात की और डीएमके मंत्री उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ हिंदू सनातन धर्म पर उनकी असंवैधानिक टिप्पणी के लिए शिकायत दर्ज कराई। उनके साथ महिला अध्यक्ष रजनी श्रीरामोजू, उपाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, महासचिव सूर्या शुक्ला, नगर अध्यक्ष एम.मनोज, नरेश, प्रवीण यादव मौजूद रहे।

केबीआर पार्क में बुधवार को आयोजित गणेशजी की पूजा-आरती में भाग लेते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा, सुरेश, ओमप्रकाश, रमाकांत इन्नाणी, सौरभ अग्रवाल, उमेश, कंचन, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल व अन्य।

शिक्षक दिवस पर बुधवार को न्यू बॉइनपल्ली बापूजी नगर साईंग्रामर हाईस्कूल में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय एमएमआरपीएस नेता अजित कल्याण और दुर्गय्या ने स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया।

ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया का 46वाँ अधिवेशन सम्पन्न

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया (लेखकों की संस्था) नई दिल्ली, काशी विश्वविद्यालय एवं सुलभ इंटरनेशनल नई दिल्ली की संयुक्त तत्वावधान में 46वाँ अधिवेशन "भारतीय ज्ञान परंपरा में राष्ट्रीय चेतना' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन वाराणसी शहर के अंतरराष्ट्रीय शिक्षण प्रशिक्षण सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी अनूप, विशेष अतिथि के तौर पर डॉ. उदय प्रताप सिंह (पूर्व अध्यक्ष हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज) एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक डॉ. सुनील बाबूराव कुलकर्णी तथा एजीआई के अध्यक्ष डॉ. श्याम सिंह शशि (पद्मश्री) वरिष्ठ साहित्यकार मंचासीन हुए। संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. बिन्देश्वरी पाठक को श्रद्धांजलि देते हुए दीप प्रज्वलन के साथ से कार्यक्रम आरंभ किया गया। देश एवं विदेश से पधारे करीब 150 साहित्यकारों की उपस्थिति में कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन संस्था के महासचिव डॉ. शिवशंकर अवस्थी ने किया। सभी अतिथियों ने यह स्वीकारा कि लेखनी को राष्ट्र के साथ जोड़कर देखना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों का जितना महत्व रहा है उतना ही लेखकों साहित्यकारों का भी रहा है। संयोजक डॉक्टर अशोक ज्योति ने सभी का स्वागत किया। द्वि दिवसीय संगोष्ठी के प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. अहिल्या मिश्र हैदराबाद ने की। संचालन डॉ. किरण पोपकर (गोवा) ने किया। इसमें प्रपत्र पढ़ने वाले डॉ नेहा भंडारकर (नागपुर), दीपक दीक्षित (हैदराबाद), अशोक पांडया, अशोक अश्रु (आगरा), लक्ष्मण प्रसाद डहरिया (छिंदवाड़ा), डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन (चेन्नई), डॉ अपराजिता शर्मा (उत्तर प्रदेश), श्रुति सिन्हा (आगरा) ने "महात्मा गांधी एवं राष्ट्रीय चेतना' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एक बहुभाषी कवि सम्मेलन भी डॉ. अहिल्या मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसमें एजीआई हैदराबाद चैप्टर से पधारे सदस्य अजित गुप्ता, ज्योति नारायण, शिल्पी भटनागर जी जगदीश्वर (नईदिल्ली), मोना वर्मा, राय बहादुर सिन्हा आदि के साथ सम्पूर्ण देश के लगभग पचपन कवियों ने विभिन्न भाषाओं में काव्य पाठ किया।

विद्यालय के स्तंभ होते हैं शिक्षक : गैबुवली

हिन्दी प्रचार सभा में शिक्षक दिवस मानया गया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में शिक्षक दिवस धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभा के रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे ने सबका स्वागत किया। इस अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली ने कहा कि शिक्षक विद्यालय के स्तंभ होते हैं। वह अपना समय देकर हमारे जीवन को संवारते हैं और आगे बढ़ाते हैं। शिक्षक ही भविष्य का निर्माण करते हैं। शिक्षक समाज का निर्माता है। सभा के संयोजक श्रुतिकांत भारती ने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों को एक उच्च जीवन देने की प्रेरणा दे सकता है। गुरु द्वारा ही छात्रों को सही मार्ग दर्शन मिलता है। संचालन समिति सदस्य एवं नगर जिला समिति सचिव विजया वाघमोडे ने कहा कि शिक्षकों को अपने छात्रों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाना चाहिए। क्योंकि बच्चे माता-पिता से ज्यादा समय शिक्षकों के साथ रहते हैं। सभा द्वारा संचालित धर्मवंत शिक्षण संस्थाएँ ट्रस्ट कॉलेज, मुफिदुल-अनाम बालिका विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के समस्त कार्यकर्ता एवं कई अध्यापक एवं प्राध्यापक उपस्थित हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

'इंडिया बनाम भारत ...

पीएम मोदी ने मीटिंग में जी-20 पर मंत्रियों से कुछ और बातें भी कीं. इसमें कहा कि 9 तारीख को आयोजित रात्रि भोज में हिस्सा लेने वाले मंत्री अपनी गाड़ियों से संसद भवन परिसर पहुंचे और बसों में बैठकर वेन्यू तक जाएं। रात्रि भोज में आमंत्रित मुख्यमंत्री भी अपने काफिले के साथ संसद भवन परिसर पहुंचेंगे और वहां से बसों में बैठकर ही जाएंगे। 9 तारीख को आयोजित रात्रि भोज के लिए मंत्रियों और मुख्यमंत्री को संसद भवन परिसर में शाम 5:50 तक पहुंचना होगा और 6:30 बजे तक वेन्यू पहुंच जाना होगा।

विशेष सत्र से ...

गणेश चतुर्थी (19 सितंबर) को नए संसद भवन में पहली बार आधिकारिक तौर पर काम शुरू होगा। सूत्रों के हवाले से बताया कि संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से 22 सितंबर को होने वाला है। पहले दिन का कामकाज पुरानी बिल्डिंग में ही होगा, लेकिन दूसरे दिन से सभी सांसद नए भवन में बैठेंगे।

फ्लोर लीडर्स के साथ मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा-'मोदी सरकार पहली बार बिना एजेंडा बताए संसद का विशेष सत्र बुला रही है। किसी भी विपक्षी दल से न तो सलाह ली गई और न ही जानकारी दी गई। यह लोकतंत्र चलाने का तरीका नहीं है। हर दिन, मोदी सरकार एक संभावित एजेंडा की कहानी मीडिया में पेश करती है, जिससे लोगों पर बोझ डालने वाले मुद्दों से ध्यान भटकाने का एक बहाना तैयार होता है। भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर, चीन के अतिक्रमण, सीएजी रिपोर्ट, घोटाले जैसे मुद्दों से ध्यान हटाकर लोगों को धोखा देना चाहती है।'

संसद के विशेष सत्र में कोई भी विधेयक पेश नहीं होगा। न ही जॉइंट सेशन बुलाया जाएगा। पांच दिन में 4-5 प्रस्ताव लाए जाएंगे, जिन पर चर्चा होकर उसे ध्वनि मत से पारित किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक दोनों ही सदनों की चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाए गए हैं, लिहाजा जॉइंट सेशन नहीं होगा। अगर जॉइंट सेशन होता तो लंबित पड़े किसी महत्वपूर्ण विधेयक जैसे महिला आरक्षण विधेयक या 'एक देश एक चुनाव' के पेश होने की संभावना बनती। सूत्रों का कहना है कि जी-20, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग, देश के तीसरी आर्थिक शक्ति बनने और इंडिया की जगह भारत का इस्तेमाल करने को लेकर सरकार प्रस्ताव पेश कर चर्चा के बाद उसे पारित करा सकती है।

विधायिका में महिलाओं को 33% आरक्षण के विधेयक को पास करने को विशेष सत्र का औचित्य नहीं है। यह विधेयक 2010 में राज्यसभा से पारित है। आम राय नहीं बनने से लोकसभा में नहीं लाया गया। लोकसभा में सरकार का बहुमत है, इसके लिए विशेष सत्र की जरूरत नहीं है।

भारतीय वर्ल्ड कप टीम की 3 खूबियां और 4 खामियां

टॉप ऑर्डर के नाम 80 शतक, एक भी लेफ्ट आर्म पेसर और ऑफ स्पिनर नहीं

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वनडे वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स वाली टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मेजबान टीम घरेलू मैदानों पर ट्रॉफी जीतने की दावेदार बताई जा रही है। हालांकि दुनिया की बाकी टीमों की तरह टीम इंडिया की भी अपनी खूबी और खामी है। इस स्टोरी में हम भारतीय दल की 4 खूबियां और 3 खामियां जानेंगे।

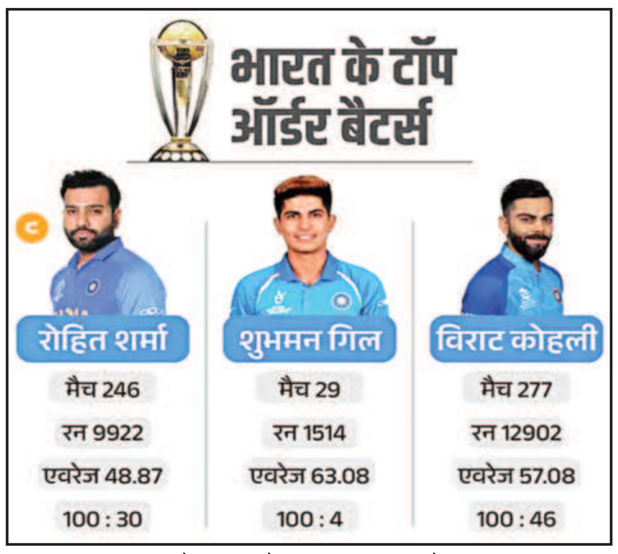

पहली खूबीः दुनिया का सबसे दमदार टॉप ऑर्डर

कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली भारत का टॉप ऑर्डर यानी टॉप-3 बनाते हैं। इनके नाम कंबाइंड रूप से 24 हजार से ज्यादा वनडे रन और शतक हैं। विराट ने 46, रोहित ने 30 और गिल ने 4 शतक जमाए हैं। इतने शतक वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली किसी भी टीम के टॉप ऑर्डर के नाम नहीं हैं।

दूसरी खूबीः दुनिया के टॉप-10 में शामिल दो गेंदबाज भारतीय

इस समय ICC वनडे रैंकिंग में टॉप-10 गेंदबाजों में से दो भारतीय टीम में हैं। मोहम्मद सिराज 670 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, कुलदीप यादव 622 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। इस समय ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के अलावा कोई और ऐसी टीम नहीं है जिसके दो गेंदबाज रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल हो। इनके अलावा टीम में शामिल मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह काफी अनुभवी हैं।

तीसरी खूबीः तीन लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज मौजूद

भारतीय टीम में ईशान किशन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के रूप में तीन ऐसे खिलाड़ी हैं जो लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज हैं। इनकी मौजूदगी से भारतीय टीम परिस्थितियों के हिसाब से मिडिल और लोअर मिडिल ऑर्डर में अच्छा लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन बना सकती है।

टीम की चार बड़ी खामियां...

पहली खामी- मिडिल ऑर्डर लय में नहीं

मिडिल ऑर्डर में श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव मौजूद हैं। इनके अलावा ईशान किशन के भी मिडिल ऑर्डर में खेलने की उम्मीद है। कागज पर ये सभी खिलाड़ी दमदार लगते हैं, लेकिन फिलहाल इनमें से ज्यादातर इंजरी और खराब फिटनेस से जूझते रहे हैं।

सूर्या 26 वनडे खेल चुके हैं, लेकिन उनका औसत 25 से भी कम है। अय्यर का औसत 40 से ऊपर का है, लेकिन वे लंबे समय तक इंजर्ड रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं, केएल राहुल भी इंजरी से उबर रहे हैं और वे एशिया कप के पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। ईशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में जरूर 82 रन की पारी खेली, लेकिन उनका मिडिल ऑर्डर में अनुभव काफी कम है।

दूसरी खामी- टीम में कोई भी लेफ्ट आर्म पेस बॉलर नहीं

वनडे क्रिकेट में जिस टीम के पास अच्छा लेफ्ट आर्म पेस गेंदबाज होता है वह टीम पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करती है। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। भारत ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। तब भारत के पास इरफान पठान और जहीर खान जैसे उम्दा लेफ्ट आर्म पेसर थे। भारत की मौजूदा वर्ल्ड कप टीम में एक भी लेफ्ट आर्म पेसर नहीं है।

तीसरी खामीः कोई ऑफ स्पिनर नहीं, कोई प्रॉपर लेग स्पिनर भी नहीं

जब प्रतिद्वंद्वी टीम में कई लेफ्ट आर्म बल्लेबाज होते हैं तो आपके पास मौजूद ऑफ स्पिनर काफी अहम हो जाता है। ऑफ स्पिनर की गेंद लेफ्ट हैंडर बैटर को छकाने में ज्यादा कामयाब होती है। भारतीय टीम में एक भी ऑफ स्पिनर नहीं है।

आजकल व्हाइट बॉल क्रिकेट में लेग स्पिनर (राइट हैंड लेग ब्रेक बॉलर) की भूमिका भी काफी बढ़ी है। भारतीय टीम में कोई लेग स्पिनर भी नहीं है। कुलदीप यादव जरूर एक रिस्ट स्पिनर हैं, लेकिन वे लेफ्ट हैंड रिस्ट स्पिनर हैं।

चौथी खामीः टीम का लोअर ऑर्डर बेहद कमजोर

इंग्लैंड इस समय मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन है। इंग्लैंड टीम की प्लेइंग-11 में शामिल सभी 11 खिलाड़ी थोड़ी-बहुत बैटिंग कर लेते हैं। किसी मैच में टीम के ऊपरी क्रम के बल्लेबाज फेल भी हो जाते हैं तो उसके लोअर ऑर्डर बल्लेबाज मोर्चा संभाल लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के लोअर ऑर्डर खिलाड़ी बल्लेबाजी की क्षमता रखते हैं।

भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं है। नंबर 9 से नंबर-11 तक के लिए भारत के पास कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे विकल्प हैं। ये सभी गेंदबाज तो अच्छे हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर इनसे रन बनाने की उम्मीद रखना बेमानी होगी। इनमें से किसी का भी बैटिंग रिकॉर्ड अच्छा नहीं है।

आखिर 10 सितंबर को कहां होगा भारत-पाकिस्तान का मैच?

कोलंबो, 6 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट फैंस का रोमांच एक बार फिर बढ़ने वाला है। भारत-पाकिस्तान के बीच सुपर-4 का मुकाबला 10 सितंबर को फिक्स हो गया है। भारतीय टीम ने नेपाल पर जीत के बाद सुपर-4 के लिए क्वालिफाई किया। जबकि पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद पहले ही सुपर-4 में पहुंच चुकी है। इस हाई प्रोफाइल मैच से पहले एक बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल, ये मैच कोलंबो में प्रस्तावित है। हाल ही कुछ रिपोट्र्स में कहा गया था कि इस मैच के साथ ही कोलंबो में प्रस्तावित अन्य मैचों को हंबनटोटा में शिफ्ट किया जा सकता है। हालांकि अब ऐसा होने की संभावना नहीं दिख रही है।

कोलंबो में ही मैचों की मेजबानी करने पर विचार

रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई क्रिकेट परिषद कोलंबो में ही मैचों की मेजबानी करने पर विचार कर रहा है। बारिश के चलते फिलहाल टूर्नामेंट को हंबनटोटा में शिफ्ट करने की योजना पर विचार बदला जा सकता है। कहा जा रहा है कि कोलंबो में मौसम बेहतर हो सकता है। मौसम की स्थिति में भी सुधार के संकेत नजर आ रहे हैं।

टीम इंडिया कोलंबो के लिए रवाना हुई। फिलहाल टीम मैनेजमेंट को कार्यक्रम में बदलाव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। उनका मानना है कि मैच कोलंबो में ही होंगे। कहा जा रहा है कि अगले दो दिनों के अंदर उन्हें फैसले के बारे में जानकारी दे दी जाएगी। शेड्यूल के अनुसार, कोलंबो में 6 मैच होने हैं। जिसमें 17 सितंबर को फाइनल मुकाबला भी शामिल है। पहला सुपर 4 मैच 9 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 10 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच होगा।

गौतम गंभीर का नाम लेकर यूजर ने कसा तंज

सहवाग ने राजनीति में आने पर तोड़ डाली चुप्पी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग जितना अपनी बेखौफ बल्लेबाजी के लिए फेमस रहे, उतने ही वे अपने बयानों को लेकर भी चर्चा में हैं। सहवाग ने अब एक नई चर्चा छेड़ दी है। दरअसल, उन्होंने विश्व कप में टीम इंडिया का नाम 'भारत' रखने की मांग की है। सहवाग ने इसके साथ ही खुद के पॉलिटिक्स जॉइन करने पर चुप्पी भी तोड़ दी है।

इंडिया अंग्रेजों द्वारा दिया गया नाम

सहवाग ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी वजह बताते हुए कहा था कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि नाम ऐसा होना चाहिए जो हममें गर्व पैदा करे। हम भारतीय हैं, इंडिया अंग्रेजों द्वारा दिया गया एक नाम है। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि हमारे मूल नाम 'भारत' को आधिकारिक तौर पर वापस पाने में बहुत समय लग गया है। मैं बीसीसीआई से आग्रह करता हूं कि इस विश्व कप में हमारे खिलाड़ियों के सीने पर 'भारत' हो।

सहवाग का ऐसा कहते ही उन पर इसके पक्ष और विपक्ष में कमेंट्स की बौछार होने लगी। इसी क्रम में एक यूजर ने उन पर तंज कसते हुए कहा- मैं हमेशा सोचता था कि आपको गौतम गंभीर से पहले सांसद बनना चाहिए था। सहवाग ने इस पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखकर जवाब दिया। इसके साथ ही उन्होंने खुद के राजनीति में भी आने पर चुप्पी तोड़ डाली।

मुझे राजनीति में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं

उन्होंने लिखा- मुझे राजनीति में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। पिछले दो चुनावों में दोनों बड़ी पार्टियों ने मुझसे संपर्क किया है। मेरा विचार है कि अधिकांश एंटरटेनर्स या प्लेयर्स को राजनीति में नहीं आना चाहिए क्योंकि अधिकांश अपने अहंकार और सत्ता की भूख की वजह से लोगों के लिए बामुश्किल समय निकाल पाते हैं।

हालांकि सहवाग ने आगे इसे स्पष्ट करते हुए लिखा- कुछ अपवाद जरूर हैं, लेकिन आम तौर पर ज्यादातर केवल अपनी 'पीआर' करते रहते हैं। मुझे क्रिकेट से जुड़ना और कमेंट्री करना पसंद है। मैं कभी भी 'पार्ट टाइम' सांसद बनना पसंद नहीं करूंगा।

जिंदगी भर की कमाई लगाएंगे तभी देख पाएंगे वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाक का मैच!

57 लाख में बिक रहा सिर्फ एक टिकट

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले का अगर आप भी लुत्फ उठाने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके बेहद काम की है। 14 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में बैठकर इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को एन्जॉय करने के लिए आपको अपनी जिंदगी भर की कमाई लगानी पड़ सकती है। चौंकिए मत, क्योंकि वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच की एक टिकट 57 लाख की मिल रही है।

57 लाख का एक टिकट

भारत और पाकिस्तान की टीम जब भी एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरती हैं, तो रोमांच अपने चरम पर होता है। फिर अगर स्टेज वर्ल्ड कप का हो, तो हर फैन इस मैच का लुत्फ ग्राउंड पर बैठकर उठाना चाहता है। हालांकि, इस बार कई फैन्स का दिल टूटने वाला है।

इसकी वजह यह है कि भारत-पाकिस्तान मैच की सिर्फ एक टिकट 57 लाख की बिक रही है। Viagogo प्लेटफॉर्म पर इंडिया-पाकिस्तान मुकाबले की एक टिकट की कीमत 57,62,676 है। भारत-पाक मैच के एक टिकट का शुरुआती प्राइस 57,198 है।

आसमान छू रहे भारत-इंग्लैंड मैच के भी टिकट

वर्ल्ड कप 2023 में भारत और इंग्लैंड के बीच भिड़ंत 29 अक्टूबर को होनी है। इस मुकाबले के टिकट के दाम भी आसमान छू रहे हैं। लखनऊ में खेले जाने वाले मैच की एक टिकट का शुरुआती प्राइस 27,285 है। वहीं, अगर आप इस मैच को ईस्ट अपर ब्लॉक-4 की रो एफ में बैठकर देखना चाहते हैं, तो आपको एक टिकट के लिए 2.85 लाख रुपये खर्च करने होंगे। बता दें कि बुक माय शो पर भारत के सभी मैचों की टिकट पहले ही बिक चुकी है।

5 अक्टूबर से होनी है टूर्नामेंट की शुरुआत

वर्ल्ड कप 2023 का आगाज 5 अक्टूबर से होना है। 12 साल बाद भारत एकबार फिर 50 ओवर के विश्व कप की मेजबानी करता हुए नजर आएगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड की भिड़ंत न्यूजीलैंड के साथ होनी है। टीम इंडिया अपने अभियान का आगाज 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी।

एशियाड के उद्घाटन समारोह में साड़ी की फिर वापसी

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ऑफिशियल ड्रेस जारी की

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय पुरुष खिलाड़ी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की ओर से तैयार किए गए पैजामा, कुर्ता और बंधेज जैकेट में नजर आएंगे तो महिलाओं पारंपरिक साड़ी में होंगी।

एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में एक बार फिर भारतीय नारियों की पारंपरिक पोशाक साड़ी नजर आएगी। 2016 के रियो ओलंपिक में साड़ी को भारतीय दल की पोशाक से बाहर कर दिया गया था, लेकिन पीटी उषा की अध्यक्षता वाले भारतीय ओलंपिक संघ ने महिलाओं के लिए साड़ी और पुरुषों के कुर्ता और बंधेज जैकेट को एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह की पोशाक बनाने का फैसला लिया। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हांगझोऊ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक जारी की।

खाकी रंग की होगी साड़ी और कुर्ता

एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय पुरुष खिलाड़ी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की ओर से तैयार किए गए पैजामा, कुर्ता और बंधेज जैकेट में नजर आएंगे तो महिलाओं पारंपरिक साड़ी में होंगी। साड़ी और कुर्ते का रंग खाकी होगा। रियो ओलंपिक से पहले आईओए ने साड़ी और पगड़ी को इस वजह से बाहर कर दिया था कि क्यों कि खिलाड़ियों का कहना था कि इनका उपयोग बाद में नहीं हो पाता है। साथ ही उद्घाटन समारोह के दौरान साड़ी बांधने में काफी दिक्कत आती है।

खेलो इंडिया के लिए मंजूर हुए 675 करोड़

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आधिकारिक पोशाक जारी करने के बाद कहा कि जैसा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि दबाव नहीं लेना है, बस अपना सर्वश्रेष्ठ करना है, पदक खुद आएंगे। यही खिलाड़ियों को एशियाड में करना है। खेल मंत्री ने इस मौके पर घोषणा की कि खेलो इंडिया के लिए अब 3170 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, सरकार ने 675 करोड़ रुपये की राशि इस स्कीम के लिए और मंजूर कर दी। इस राशि से खेलो इंडिया यूथ, यूनिवर्सिटी, विंटर गेम्स होंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। यही नहीं इस साल तक 1000 खेलो इंडिया सेंटर तैयार कर लिए जाएंगे, लेकिन मंत्रालय ने देश में 250 और खेलो इंडिया सेंटर स्थापित करने का फैसला लिया है। अब 1250 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

श्रीजेश, सविता बोले स्वर्ण जीतने की करेंगे कोशिश

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता और पीआर श्रीजेश आधिकारिक पोशाक पहनकर आए। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि एशियाड में सीधे ओलंपिक का क्वालिफिकेशन है। उनकी कोशिश रहेगी कि वे देश के लिए स्वर्ण जीतें और पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करें।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

टेम्बा बवुमा को सौंपी कमान, 7 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ पहला मुकाबला

जोहान्सबर्ग, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका के 15 सदस्यीय टीम की घोषणा हो गई है। वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में शुरू होना है। 15 सदस्यीय टीम की कमान टेम्बा बावुमा को सौंपी गई है। बावुमा सहित 8 खिलाड़ी पहली बार वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं। वहीं अफ्रीकी टीम में इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को भी जगह मिली है। गेराल्ड ने अब तक केवल दो वनडे (वेस्टइंडीज के खिलाफ) खेले हैं। उन्होंने दोनों मैच में कुल 5 विकेट लिए हैं। उन्हें डेब्यू मैच में तीन विकेट मिले थे।

विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेंगे

विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेंगे। उन्होंने पहले ही इसकी घोषणा कर दी थी। वहीं डी कॉक के अलावा टीम में बैटर रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्करम, डेविड मिलर और रासी वैन डेर डुसेन को भी शामिल किया गया है।

कागिसो राबाडा, एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी के कंधों पर तेज गेंदबाजी

कागिसो राबाडा, एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी के कंधों पर तेज गेंदबाजी का दारोमदार होगा। जबकि केशव महाराज और तबरेज शम्सी के कंधों पर स्पिन की जिम्मेदारी होगी।

7 अक्टूबर से साउथ अफ्रीका अपने अभियान की शुरुआत करेगी

साउथ अफ्रीकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। वहीं 29 सितंबर को अफगानिस्तान और 2 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, सिसंडा मगाला, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन।

विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड घोषित

मेक्सवेल समेत इन चोटिल खिलाड़ियों को मिली जगह

कैनबरा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। पिछले महीने सामने आई प्रोविजनल टीम में मूल रूप से 18 खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अब इसमें कटौती कर दी गई है। टीम में एरोन हार्डी, नाथन एलिस और तनवीर संघा को जगह नहीं दी गई है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने अपने चारों चोटिल खिलाड़ी ग्लेन मेक्सवेल, पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क को शामिल किया है।

टीम के पास नीदरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैचों के माध्यम से अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने के और अवसर होंगे। आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए विश्व कप टूर्नामेंट 8 अक्टूबर को शुरू होगा, जहां उनका मुकाबला चेन्नई में मेजबान भारत से होगा।

ऑस्ट्रेलिया टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा मिचेल स्टार्क।

देश की नामी एथलीट व्हेयर अबाउट में फेल

लगा अस्थायी प्रतिबंध, एशियाड में कई पदक जीत चुकी यह एथलीट

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बड़े खिलाड़ियों के व्हेयर अबाउट (टेस्टिंग के लिए पता, ठिकाना बताना) में फेल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बार देश की एक नामी स्प्रिंट एथलीट को व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया गया है। इस एथलीट ने देश को एशियाई खेलों में कई पदक दिलाए हैं। इस एथलीट को अगर प्रतिबंध से बचना है तो नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के सुनवाई पैनल के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी, वरना एथलीट पर दो साल का प्रतिबंध लग सकता है। अस्थायी प्रतिबंध में भी एथलीट किसी कंपटीशन में नहीं खेल सकती है।

नहीं दिया नोटिस का जवाब

सूत्रों के मुताबिक इस एथलीट को अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में व्हेयर अबाउट फेल्योर का तीसरा और अंतिम नोटिस भेजा गया, लेकिन उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया। सूत्र यह भी बताते हैं कि मामला सिर्फ व्हेयर अबाउट फेल्योर का नहीं बल्कि मिस टेस्ट (सैंपल के लिए दिए गए स्थान पर नहीं मिलना) का भी है। नियमों के इस एथलीट को साल में तीन बार (प्रत्येक चार माह) पर अपना व्हेयर अबाउट देना था। पहले और दूसरे क्वार्टर में व्हेयर अबाउट नहीं देने पर नोटिस भेजा गया। तीसरे क्वार्टर में भी व्हेयर अबाउट नहीं देने पर जवाब मांगा जाता है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर खिलाड़ी पर अस्थायी प्रतिबंध लगता है। एथलीट ने यहां भी जवाब नहीं दिया तो उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया।

राष्ट्रीय शिविर से भी चली गई

कुछ समय पहले तक यह एथलीट एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया की योजनाओं का हिस्सा थी, लेकिन कुछ दिन पूर्व यह एथलीट राष्ट्रीय शिविर से भी चली गई। एथलीट का चयन एशियाई खेलों के लिए भी नहीं हुआ था। नाडा ने हाल ही में बड़े खिलाड़ियों के व्हेयर अबाउट पर कड़ा शिकंजा कसा है। हाल ही में एशियाई खेलों की टीम में शामिल रहीं पदचालक भावना जाट और टोक्यो ओलंपिक में खेलने वाली पहलवान सीमा को भी व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया। दोनों ही खिलाड़ियों की नाडा पैनल के समक्ष सुनवाई चल रही है।

क्या है व्हेयर अबाउट?

किसी भी खिलाड़ी को डोप सैंपल देने के लिए वाडा या नाडा को कुछ अवधि का अपना दिन या रात्रि का समय दर्ज कराना होता। तीसरी बार व्हेयर अबाउट नहीं देने पर इसे उल्लंघन मानते हुए अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। इस अवधि के दौरान डोप टेस्टिंग टीम सैंपल लेने पहुंच सकती है। अगर टेस्ट नहीं दिया जाता है तो इसे मिस टेस्ट घोषित किया जाता है। तीन मिस टेस्ट पर खिलाड़ी पर अस्थायी प्रतिबंध लगता है।

गणेश मंडपम में डीजे की व्यवस्था को अनुमति नहीं : डीएस चौहान

सीपी ने गणेश उत्सव की व्यवस्था पर समीक्षा बैठक की

सिकंदराबाद,6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने 18 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आज नेरेडमेट में आयुक्त कार्यालय में राचकोंडा डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और सभी पुलिस स्टेशनों के एसएचओ के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि राज्य में मनाए जाने वाले सबसे बड़े त्योहारों में से एक गणेश उत्सव को लोग शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से मनाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि गणेश विसर्जन योजना के अनुसार हो और कोई गलती न हो। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के संबंध में निरीक्षक पहले से ही आयोजकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर लें। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए और इस संबंध में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में निकाय विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया कि समारोह बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाए। आगामी गणेश नवरात्रि समारोह के प्रबंधन और सुरक्षा से संबंधित रचाकोंडा पुलिस अधिकारियों को जीएचएमसी, अग्निशमन विभाग, जल निकासी विभाग, चिकित्सा विभाग, बिजली, परिवहन और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करनी चाहिए। सीपी ने कर्मचारियों को विसर्जन के लिए आने वाले लोगों के साथ विनम्र रहने और शांति और सुरक्षा के मामले में सतर्क रहने की सलाह दी। निरीक्षक सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर अपने कर्तव्यों का पालन करें। डायल 100 पर आने वाली कॉलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। सीसीटीवी पर फोकस करते हुए विजिबल पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक स्पीकर का इस्तेमाल रात 10 बजे तक ही किया जाना चाहिए. सुझाव दिया गया है कि अधिकारी मंडपम प्रबंधकों और समितियों को समझाएं कि मंडपम में डीजे की व्यवस्था की अनुमति नहीं है। यह सुझाव दिया गया है कि प्रबंधन को उचित उपाय करना चाहिए ताकि भक्तों की यात्रा को ध्यान में रखते हुए मंडपम में कतार बनाए रखने के लिए कम से कम एक स्वयंसेवक पूरे दिन गणेश मंडपम में मौजूद रहे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मंडपमों में शॉर्ट सर्किट को रोकने के लिए गुणवत्तापूर्ण तारों का उपयोग किया जाता है, मंडपम में गणेश मंडपम प्रबंधकों, समिति के विवरण, मंडपम के प्रभारी लोगों के विवरण और फोन नंबर के साथ फ्लेक्सी स्थापित की जानी चाहिए। उन्होंने विद्युत दुर्घटनाओं एवं आपूर्ति व्यवधान से बचने के लिए संबंधित थाने के अंतर्गत गणेश मंडप की प्रबंधन समिति का विवरण लेने और संबंधित विभागों से समन्वय करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गणेश मंडप के पास एक प्वाइंट बुक की व्यवस्था की जाए और जब पुलिस अधिकारी निरीक्षण के लिए आएं तो उस पर लिखकर हस्ताक्षर करें। यह सुझाव दिया गया है कि विनायक मंडपलों के पास किसी भी समस्या या झड़प के बिना उपाय किए जाने चाहिए और यदि समस्याग्रस्त क्षेत्र हैं, तो सुरक्षा बढ़ा दी जानी चाहिए। आवश्यक स्थानों पर विशेष पिकेट की व्यवस्था की जाये। सभी लोगों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने लोगों से गणेश उत्सव को भव्य और शांतिपूर्वक मनाने और सोशल मीडिया पर झूठी अफवाहों पर विश्वास नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि वे सोशल मीडिया पर झूठी पोस्टों पर नजर रखे हुए हैं। झूठी अफवाह फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गणेश शोभा यात्रा को बिना किसी व्यवधान के आयोजित करने के उद्देश्य से पुलिस कर्मियों, तैराकों, विसर्जन के लिए उपयोग की जाने वाली क्रेन, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था पर संबंधित विभागों के समन्वय से विसर्जन की सफलता के लिए अग्रिम योजना तैयार करने की सलाह दी जाती है। इसी तरह, ट्रैफिक समस्या से बचने के लिए रचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय में स्थिति पर नजर रखने की सलाह दी गई है। विसर्जन के अवसर पर जीएचएमसी अधिकारियों के समन्वय से तालाबों और अन्य विसर्जन जल निकायों पर स्ट्रीट लाइट, फ़्लड लाइट और आवश्यक क्रेन की व्यवस्था पहले से की जानी चाहिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गणेश विसर्जन वाले तालाब के तटबंधों पर टेंट, बिजली की रोशनी, बैरिकेड्स का निर्माण, अच्छी पानी की सुविधा, मोबाइल शौचालय और चिकित्सा सुविधाएं स्थापित की जानी चाहिए।

खैरताबाद गणेश की बड़े पैमाने पर तैयारियां जारी

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद गणेश उत्सव समिति इस साल भव्य उत्सव के लिए लगभग 70 लाख रुपये से 80 लाख रुपये खर्च करेगी। बजट आवंटन के बारे में जानकारी देते हुए समिति के प्रमुख आयोजकों में से एक, सिंगारी राज कुमार ने कहा कि कार्यक्रम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 दिनों की अवधि के लिए निजी सुरक्षा गार्ड नियुक्त किए जाएंगे।

आदिलाबाद से जनशक्ति लाई जाएगी और मूर्ति के निर्माण और स्थापना में सहायता के लिए कुशल बढ़ई को काम पर रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त, हम अपने समारोहों में कलात्मक उत्कृष्टता लाने के लिए मुंबई और ओडिशा कलाकारों को शामिल करेंगे। बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, लगभग 50 प्रतिशत, आयोजन की तैयारियों और निष्पादन में शामिल श्रमिकों को मुआवजा देने के लिए निर्देशित किया जाएगा। कुमार ने कहा कि हमारे उत्सव में भाग लेने वाले भक्तों और आगंतुकों की बड़ी संख्या को देखते हुए, हमें भोजन की उच्च लागत की उम्मीद है।

उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), जल बोर्ड और बिजली विभागों सहित विभिन्न सरकारी विभागों के समर्थन को भी स्वीकार किया। प्रसिद्ध खैरताबाद गणेश जैविक रंगों और मिट्टी की सामग्री का चयन करते हुए लगातार दूसरे वर्ष अपने पर्यावरण-अनुकूल रुख को बनाए रखने के लिए तैयार है। इस वर्ष की गणेश प्रतिमा 63 फीट ऊंची होगी, जो पिछले वर्ष की 50 फीट से उल्लेखनीय वृद्धि है।

रिश्वत मामले में संयुक्त निदेशक सहित दो अधिकारियों व निजी कंपनी प्रबंध निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने विशाखापट्टणम स्थित विदेश व्यापार महानिदेशालय के संयुक्त निदेशक, अनुभाग प्रमुख और एक निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक को एक रिश्वत के मामलें में गिरफ्तार कर विशाखापत्तनम के सीबीआई मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उन्हें 18 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय प्राधिकरण में संयुक्त महानिदेशालय विदेश व्यापार के कार्यालय में कार्यरत अनुभाग प्रमुख और संयुक्त निदेशक तथा हैदराबाद की एक निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक के खिलाफ एक मामला दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया है। इन पर कथित आरोप है कि संयुक्त महानिदेशक ने कंसलटेंट्स से नये आयात निर्यात प्रमाणपत्र जारी करने के साथ-साथ इनके नवीकरण और लाइसेंस से संबंधी मामलों के वास्ते बडी रिश्वत की मांग और काफी मात्रा में राशि एकत्रित कर रहे थे। सीबीआई ने जाल बिछाकर विशाखापत्तनम के विदेश व्यापार के संयुक्त महानिदेशक को 4 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और वसूलने के आरोप में और संयुक्त महानिदेशालय विदेश व्यापार के कार्यालय में कार्यरत अनुभाग प्रमुख को निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक से पचास हजार रुपये की रिश्वत मांगने और वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। रिश्वत देने वाले हैदराबाद की निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक को भी पकड़ गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने आरोपियों के विशाखापत्तनम, हैदराबाद और बेंगलुरु के परिसरों की तलाशी लिये जाने पर आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को आज विशाखापत्तनम के सीबीआई मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया और उन्हें 18 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अनुबंध कनिष्ठ व्याख्याताओं को नियमित रूप से वेतन देने की मांग

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने संविदा कनिष्ठ व्याख्याताओं के वेतन भुगतान के संबंध में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक खुला पत्र लिखा है। रेवंत रेड्डी ने अपने पत्र में कहा कि अनुबंध कर्मचारियों और कनिष्ठ व्याख्याताओं ने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीएम ने कहा था कि तेलंगाना में कोई अनुबंध और आउटसोर्सिंग नौकरियां नहीं होंगी और सभी सरकारी कर्मचारी होंगे, यह उल्लेख करते हुए कि अविभाजित राज्य में शासकों ने अनुबंध और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को बहुत पीड़ा दी थी। आपने तेलंगाना आंदोलन के दौरान कई बार वादा किया था कि अलग राज्य अस्तित्व में आने पर इन कर्मचारियों को एक हस्ताक्षर से नियमित कर दिया जाएगा। इसके अलावा, इस बिंदु को 2014 टीआरएस घोषणापत्र में भी शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य उम्मीद के मुताबिक सामने आया है। हालाँकि, अनुबंध कनिष्ठ व्याख्याताओं की कठिनाइयाँ कभी समाप्त नहीं हुईं। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि उन्हें वेतन के लिए भीख मांगनी पड़ रही है। यहां तक कि मई में नियमित किये गये अनुबंध व्याख्याताओं को भी अप्रैल माह का वेतन अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों कर्मचारी महीनों से समय पर वेतन के बिना परेशान हो रहे हैं, जबकि उनकी ड्यूटी ठीक से निभाई जा रही है। महीनों तक वेतन न मिलने और समय पर ईएमआई चुकाने के लिए संघर्ष करने के कारण उनके परिवारों का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। पहले सरकारी कर्मचारियों को हर महीने की पहली तारीख को वेतन दिया जाता था। लेकिन नये राज्य के गठन के बाद वेतन कब मिलेगा, पता नहीं चलने से स्थिति और खराब हो गयी। यह सुनिश्चित करना आपकी ज़िम्मेदारी है कि अनुबंध व्याख्याताओं के वेतन का भुगतान समय पर किया जाए। अन्यथा, कांग्रेस पार्टी न केवल उनके साथ खड़ी होगी बल्कि उनकी ओर से सीधी कार्रवाई के लिए भी तैयारी करेगी।'' उन्होंने मांग की कि अनुबंध कनिष्ठ व्याख्याताओं को पांच से छह महीने से लंबित वेतन का भुगतान तुरंत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर महीने वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें और जो लोग विभिन्न कारणों से नियमित नहीं हुए हैं उन्हें तुरंत नियमित किया जाना चाहिए।

हुसैनीआलम में स्टांप पेपर रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्कफोर्स (दक्षिण) की टीम ने हुसैनीआलम पुलिस के साथ मिलकर दो लोगों को पकड़ा जो कथित तौर पर अवैध रूप से स्टांप पेपर बेच रहे थे। पुलिस ने उनके पास से 186 स्टांप पेपर, रबर स्टांप, मृत्यु प्रमाण पत्र और दो मोबाइल फोन जब्त किए। टास्कफोर्स के अतिरिक्त डीसीपी एवीआर नरसिम्हा राव के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति चंदूलाल बारादरी के निवासी मोहम्मद सैयद अज़हरुद्दीन (41) और हुसैनीआलम के निवासी मोहम्मद इनायत अली (46), जहांनुमा निवासी फ़िरोज़ के साथ थे। गिरोह ने विभिन्न स्रोतों से पुराने स्टांप पेपर एकत्र किए।

नरसिम्हा राव ने कहा कि गिरोह विभिन्न मूल्यवर्ग के पुराने स्टांप पेपर अवैध रूप से लोगों को बेच रहा था, जिसका उपयोग संगठित गिरोह और भू-माफिया ने जाली संपत्ति दस्तावेज तैयार किया और संपत्ति पर स्वामित्व का दावा करने वाले वास्तविक संपत्ति मालिकों के लिए मुश्किलें पैदा कीं। हुसैनीआलम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों से जिले में ब्लैक स्पॉट की पहचान करने को कहा

निज़ामाबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों को कम करने के लिए उपाय करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने अधिकारियों को जिले में ब्लैक स्पॉट की पहचान करने और उन्हें ठीक करने का निर्देश दिया। कलेक्टर, जिन्होंने बुधवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की, ने पुलिस, सड़क एवं भवन, सड़क परिवहन और अन्य विभाग के अधिकारियों को एक संयुक्त सर्वेक्षण करने और जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के कारणों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह पता लगाने का प्रयास किया जाना चाहिए कि क्या दुर्घटनाओं के पीछे सड़क निर्माण से संबंधित कोई तकनीकी कारण है।

प्रत्येक क्षेत्र की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। यदि दुर्घटनाओं के कारणों में कोने के मोड़, पुलिया, उतार-चढ़ाव और खराब सड़क निर्माण शामिल हैं, तो उन्हें तुरंत ठीक करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। यह कहते हुए कि सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, कलेक्टर ने कहा कि अधिकारियों, विशेष रूप से पुलिस का लक्ष्य विभिन्न सड़क सुरक्षा हस्तक्षेपों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों और गंभीर चोटों के जोखिम को कम करना होना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.